✷ बिहार-झारखंड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

✷ रजि. नंबर : 52290/90 ✷ वर्ष : 37 ✷ अंक : 91 ✷ पृष्ठ : 12 ✷ औरंगाबाद, बुधवार, 26 अगस्त 2026 ✷ मूल्य : 3.00 रुपये ✷ औरंगाबाद, पटना एवं बोकारो से प्रकाशित ✷ www.navbihartime.com

सात निश्चय-3 के अंतर्गत विद्यार्थी सहयोग शिविर का शुभारंभ करते सीएम सम्राट चौधरी

संक्षिप्त समाचार

कैमूर की छात्राओं से कल संवाद करेंगे पीएम मोदी

भभुआ(नबिटा ब्यूरो)। शहर स्थित शहीद संजय सिंह महिला महाविद्यालय में 27 अगस्त को छात्राओं और शिक्षिकाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव वर्चुअल संबोधन सुनाया जाएगा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित युवा कनेक्ट कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को महाविद्यालय परिसर में प्रेसवार्ता कर तैयारियों की जानकारी दी गई।

दुलारी देवी बनीं मिथिला हस्तकला को-ऑपरेटिव सोसायटी की अध्यक्ष

पटना(नबिटा ब्यूरो)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को मिथिला हस्तकला को-ऑपरेटिव सोसायटी की घोषणा की। उन्होंने सोसायटी के नवनियुक्त अध्यक्ष और सदस्यों को पंजीकरण का प्रमाणपत्र भी सौंपा। मुख्यमंत्री ने सभी को शुभकामनाएं भी दीं। पद्मश्री दुलारी देवी को सोसायटी का अध्यक्ष, पद्मश्री शांति देवी और पद्मश्री शिवम पासवान को सह अध्यक्ष और रानी झा सदस्य बनाई गई हैं। मुख्यमंत्री सचिवालय के संवाद में आयोजित स्वास्थ्य विभाग और जीविका से जुड़े कार्यक्रम में सभी को प्रमाणपत्र सौंपा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिथिला की हस्तकला देश और दुनिया में विख्यात है। हमलोग किसी को सम्मानित या भेंट करते हैं तो उसमें मिथिला पेंटिंग जरूर होता है।

सीटेट परीक्षा स्थगित, दोबारा खोली गई आवेदन विंडो

नयी दिल्ली(नबिटा ब्यूरो)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी सीटीईटी के 22वें संस्करण को स्थगित कर दिया है। इसके साथ ही बोर्ड ने उन पात्र अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन का एक और मौका दिया है, जो पहले आवेदन प्रक्रिया के दौरान अपना फॉर्म नहीं भर सके थे। सीबीएसई की ओर से जारी ताजा सार्वजनिक सूचना के अनुसार सीटीईटी 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया 25 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक दोबारा खुली रहेगी। जिन अभ्यर्थियों ने पहले ही सफलतापूर्वक आवेदन जमा कर दिया है उन्हें दोबारा पंजीकरण करने की जरूरत नहीं है।

रिजल्ट में गड़बड़ी को लेकर नर्सिंग छात्रों का बवाल

पटना(नबिटा ब्यूरो)। नर्सिंग छात्र-छात्राओं का गुस्सा मंगलवार को पटना में हिंसक हो गया। अपनी मांगों को लेकर बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के बाहर जुटे 500 से अधिक नर्सिंग छात्रों ने जमकर हंगामा किया। छात्रों ने आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी परिसर में घुसकर तोड़फोड़ की और पुलिस पर पथराव कर दिया। पथराव में जक्कनपुर थानाध्यक्ष ऋतुराज समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गये। एक कांस्टेबल के सिर में चोट लगी है। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। पुलिस ने चार छात्रों को हिरासत में लिया है।

बिहार के गांवों में बिछेगा आधुनिक बाजारों का जाल, वीबी-जी राम जी योजना से चमकेगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

राज्य के 207 हाट-बाजारों को प्रथम चरण में शेड, पेवर ब्लॉक और आधुनिक सुविधाओं से किया जाएगा लैस

किसानों और महिला स्वयं सहायता समूहों को मिलेगा बेहतर विपणन मंच, आजीविका के नए अवसर होंगे सृजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में ग्रामीण उत्पादों को बेहतर बाजार दिलाने और गांव की अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम देने के लिए राज्य सरकार ने कदम तेज कर दिए हैं। ग्रामीण विकास विभाग के विकसित भारत-जी राम जी (वीबी-जी राम जी) योजना के तहत प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में आधुनिक हाट-बाजारों के निर्माण और पुनरुद्धार की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सरकार का मानना है कि इस पहल से स्थानीय उद्यमियों, किसानों और महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए एक व्यवस्थित और सुदृढ़ प्लेटफॉर्म प्राप्त होगा। बिहार के ग्रामीण विकास और सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत 20 डिसमिल से अधिक क्षेत्रफल वाले ग्रामीण हाट-बाजारों को प्राथमिकता के आधार पर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। इसके लिए राज्य स्तर पर 725 संभावित स्थलों की सूची जिलों को भेजी गई थी। गहन समीक्षा के बाद जिलों ने कार्यान्वयन योग्य 207 स्थलों की पहचान कर रिपोर्ट विभाग को सौंप दी है। पहले चरण में बनने वाले इन सभी हाट में शेड युक्त वेंडर प्लेटफॉर्म का निर्माण होगा। इसके बाद पेवर ब्लॉक, आवश्यक सहायक संरचनाएं और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

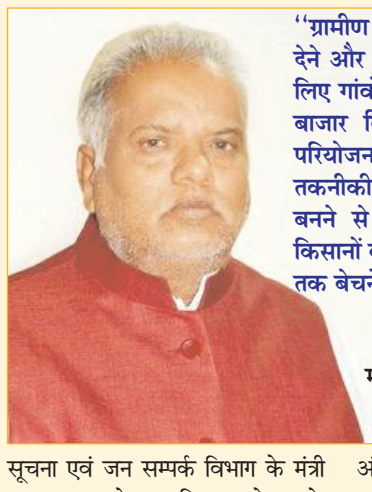

> ''ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए गांवों में 725 आधुनिक ग्रामीण हाट-बाजार विकसित किए जाएंगे। इस पूरी परियोजना में नाबार्ड की वित्तीय और तकनीकी सहभागिता होगी। हाट-बाजारों के बनने से जीविका दीदियों और स्थानीय किसानों को अपने उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं तक बेचने का स्थायी मंच मिलेगा।''
>
> **श्रवण कुमार**
> मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग

समय सीमा में औपचारिकताएं पूरी करने का लक्ष्य

हाट-बाजारों का निर्माण कार्य शुरू होने से पहले की सभी कागजी व प्रशासनिक औपचारिकताओं को निश्चित समय सीमा में पूरा करने का कड़ा लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रथम चरण में चयनित प्रत्येक हाट में विक्रेताओं और ग्राहकों की सुविधा के लिए शेड युक्त वेंडर प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे। इसके बाद परिसर में पेवर ब्लॉक बिछाए जाएंगे और अन्य आवश्यक सहायक संरचनाओं तथा आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

किसानों और महिला समूहों को सीधा फायदा

विकसित भारत-जी राम जी योजना ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुधारने का प्रमुख जरिया बनेगी। आधुनिक हाटों के बनने से जहां एक तरफ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे वहीं दूसरी तरफ स्थानीय कृषि व हस्तशिल्प उत्पादों को सीधा बाजार मिलेगा। बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी और महिला स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों की सही कीमत पाने में मदद मिलेगी जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का का बड़ा ऐलान

अंतरजातीय विवाह पर अब ढ़ाई लाख रुपये देगी सरकार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार ने अंतरजातीय विवाह को लेकर मिलने वाली आर्थिक मदद बढ़ाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उनके मुताबिक, अगर एससी-एसटी वर्ग की महिला अंतरजातीय विवाह करती है तो ऐसे मामले में राज्य सरकार की तरफ से ढाई लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। यह रकम पहले मिलने वाली राज्य सरकार की मदद से काफी ज्यादा है। इससे ऐसे विवाह करने वाले पात्र दंपतियों को शादी के बाद आर्थिक सहारा मिलने की उम्मीद है। अंतरजातीय विवाह के लिए बिहार सरकार पहले एक लाख रुपये की सहायता देती थी। इसके अलावा केंद्र सरकार की ओर से सवा लाख रुपये की मदद का प्रावधान बताया गया है। अब राज्य सरकार ने एससी-एसटी वर्ग की महिला के अंतरजातीय विवाह के मामले में अपनी सहायता राशि ढाई लाख रुपये करने की घोषणा की है। यानी इस बदलाव का सबसे बड़ा असर उन पात्र दंपतियों पर पड़ेगा जो नई व्यवस्था में तय शर्तों को पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा ऐसे समय की है जब महिलाओं को रोजगार और कमाई से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है। सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उन्हें अलग-अलग कामों से जोड़ने की बात लगातार कर रही है। अंतरजातीय विवाह के लिए ज्यादा आर्थिक मदद देने के फैसले को भी इसी बड़े सामाजिक बदलाव से जोड़कर देखा जा रहा है। सरकार का मकसद ऐसे विवाह को बढ़ावा देना और समाज में जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव को कम करना है। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अब लोगों की नजर सरकार की अगली गाइडलाइन पर है। अभी यह साफ नहीं किया गया है कि ढाई लाख रुपये पाने के लिए कौन-कौन सी शर्तें पूरी करनी होंगी, आवेदन कहां करना होगा और रकम किस तरीके से दी जाएगी। सरकार की ओर से आधिकारिक नियम जारी होने के बाद ही पूरी प्रक्रिया स्पष्ट होगी। इसलिए फिलहाल इस घोषणा को सहायता राशि बढ़ाने के ऐलान के तौर पर देखा जाना चाहिए, योजना की पूरी आवेदन प्रक्रिया के तौर पर नहीं। ढाई लाख रुपये की नई सहायता को लेकर पात्रता और आवेदन के नियम सामने आने का इंतजार है। सरकार की अगली अधिसूचना के बाद ही यह पता चलेगा कि इस घोषणा का लाभ किन लोगों को और किस प्रक्रिया के तहत मिलेगा।

छात्रों की सभी मांगों का समाधान कर दिया गया : मिथिलेश तिवारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी पटना में चल रहे आंदोलन के बीच बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने दावा किया कि छात्रों की जिन मांगों को लेकर वे धरने पर बैठे थे, सरकार ने उनका समाधान कर दिया है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि सरकार की नियति युवाओं की समस्याओं का समय पर समाधान करना है। उन्होंने कहा कि युवा जिन-जिन मुद्दों को लेकर आए थे, सरकार ने उन सभी का समाधान किया है। मंत्री ने कह कि जिन-जिन मुद्दों को लेकर छात्र धरने पर बैठे थे, उनके सभी मुद्दों का समाधान कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेती है। उनका कहना है कि युवाओं की ओर से उठाए गए विषयों पर सरकार ने कार्रवाई की है। शिक्षा मंत्री ने इस दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि उन्हें यह सुनकर हैरानी हुई कि जिस व्यक्ति ने 10वीं की बोर्ड परीक्षा तक नहीं दी, वह परीक्षा को लेकर सुझाव दे रहा है। मिथिलेश तिवारी ने कहा कि मुझे यह सुनकर हैरानी हुई कि जिस इंसान ने 10वीं की बोर्ड की परीक्षा तक नहीं दी, वो परीक्षा पर सुझाव दे रहे हैं। उन्होंने तेजस्वी यादव को लेकर आगे कहा कि एक बार हमारे बिहार सरकार के स्कूल में दाखिला लीजिए, 10वीं पास कीजिए और फिर आकर हमें परीक्षा पर सुझाव दीजिए। हमें आपका सुझाव बहुत अच्छा लगेगा।

रक्षाबंधन पर बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में बिना टिकट यात्रा कर सकेंगी महिलाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए निशुल्क बस यात्रा की विशेष व्यवस्था की है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में महिलाएं बिना टिकट यात्रा कर सकेंगी। इस पहल का उद्देश्य बहनों को बिना किसी आर्थिक बोझ के अपने भाइयों तक पहुंचने और राखी का त्योहार मनाने में सुविधा देना है। परिवहन सचिव राजकुमार के अनुसार बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की करीब 1,075 बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। यह व्यवस्था 27 अगस्त (गुरुवार) सुबह 6 बजे से 28 अगस्त (शुक्रवार) रात 10 बजे तक लागू रहेगी। यह सुविधा राज्यभर में निगम की ओर से संचालित सभी श्रेणियों की बसों में उपलब्ध होगी। इनमें एसी, नॉन- एसी, डीलक्स, पीएम ई-बस और पीपीपी मॉडल के तहत संचालित बसें भी शामिल हैं। व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करने के लिए सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। निगम के अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में एक हजार से अधिक बसों का संचालन किया जा रहा है जिनमें पीपीपी मोड पर चलने वाली बसें भी शामिल हैं। इन बसों से प्रतिदिन एक लाख से अधिक यात्री सफर करते हैं। इनमें महिलाओं की संख्या करीब आधी बताई गई है। परिवहन सचिव राजकुमार ने बताया कि रक्षाबंधन पर महिलाओं को निशुल्क यात्रा की सुविधा हर वर्ष की तरह इस बार भी दी जा रही है। इसका उद्देश्य महिलाओं को अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि केवल राखी बांधने के लिए जाने वाली महिलाओं को ही नहीं बल्कि ऑफिस, कोचिंग, बाजार या अन्य जरूरी कामों के लिए यात्रा करने वाली महिलाएं भी इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगी। अंतरजिला और अंतरराज्यीय मार्गों पर चलने वाली निगम की बसों में भी महिलाओं को बिना टिकट यात्रा की सुविधा मिलेगी।

पति-पत्नी की चाकू गोदकर हत्या

समस्तीपुर(नबिटा ब्यूरो)। जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के भरपुरा पटपारा में सोमवार रात अज्ञात बदमाशों ने घर में अकेले रह रहे 70 वर्षीय बंगाली दास और उनकी 65 वर्षीय पत्नी धनमा देवी की चाकू गोदकर हत्या कर दी गयी। घटना को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब सात बजे रोज की तरह एक दूधवाला बुजुर्ग दंपति के घर पहुंचा। उसने घर के बाहर से बंगाली दास और धनमा देवी को काफी आवाजें लगाईं परंतु अंदर से कोई जवाब नहीं मिला और न ही काफी देर तक मुख्य दरवाजा खुला। दूधवाले की आवाज सुनकर आसपास के पड़ोसी वहां इकट्ठा हो गए। काफी देर तक दरवाजा न खुलने पर पड़ोसियों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर घर का दरवाजा तोड़ा। दरवाजा टूटते ही अंदर का नजारा देखकर सबके होश उड़ गए। कमरे के अंदर 70 वर्षीय बंगाली दास का शव चौकी पर पड़ा था जबकि उनकी 65 वर्षीय पत्नी धनमा देवी का शव फर्श पर पीठ के बल पड़ा हुआ था। दोनों के शरीर पर धारदार हथियार और चाकू के गहरे जख्म थे। लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। दोहरे हत्याकांड की सूचना मिलते ही विभूतिपुर थाना पुलिस तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घटनास्थल को सील कर वहां से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक दंपति घर में बिल्कुल अकेले रहते थे। उनके तीन बेटे राम विनोद, राम आशीष और राम सिंह रोजी-रोटी कमाने के लिए दूसरे राज्यों में मजदूरी करते हैं।

आवासीय मकानों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर जारी नोटिस के समाधान के लिए समिति का गठन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना नगर निगम द्वारा आवासीय मकानों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर जारी नोटिस के समाधान के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी करेंगे। समिति में नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश कुमार मिश्र को सदस्य सचिव बनाया गया है। वहीं ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव एवं विधान पार्षद संजय कुमार सिंह को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। यह समिति संबंधित विषय का अध्ययन कर व्यावहारिक एवं जनहितकारी समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद पटना में रिहायशी इलाकों में संचालित कॉमर्शियल गतिविधियों को लेकर नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। पटना नगर निगम के विभिन्न अंचलों में सर्वे और जांच के बाद 30 हजार से अधिक मकान मालिकों और कारोबारियों को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस मिलने के बाद बड़ी संख्या में मकान मालिकों और कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है। नगर निगम की इस कार्रवाई से रिहायशी इलाकों में घर से कारोबार करने वाले लोगों के बीच भी हलचल तेज हो गई है।

फल्गु में सालों भर रहेगा पानी : संजय झा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। गया-बोधगया के विकास को लेकर संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष और जदयू के वरिष्ठ नेता संजय झा ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि फल्गु नदी में पूरे साल पानी उपलब्ध कराने के लिए सोन नदी से पानी लाने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। इसके साथ ही करीब 1200 करोड़ रुपये के गया-बोधगया कॉरिडोर को उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए गेम चेंजर बताया। संजय झा के मुताबिक कॉरिडोर और दूसरी पर्यटन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद गया-बोधगया देश के प्रमुख पर्यटन केंद्रों में शामिल होगा। मंगलवार को गया दौरे पर पहुंचे संजय झा ने विष्णुपद मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने फल्गु नदी के देवघाट और रबर डैम का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि विष्णुपद और बोधगया दोनों की पहचान फल्गु नदी से जुड़ी हुई है। ऐसे में गया-बोधगया कॉरिडोर की सफलता के लिए फल्गु नदी में पूरे साल स्वच्छ और पर्याप्त पानी होना जरूरी है। श्री झा ने बताया कि फल्गु नदी को सोन नदी से जोड़कर उसमें सालभर पानी उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना को हर हाल में पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि केंद्रीय बजट में घोषित करीब 1200 करोड़ रुपये की गया-बोधगया कॉरिडोर परियोजना की डीपीआर तैयार कर जमा की जा चुकी है। परियोजना को लेकर दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री विजय चौधरी के साथ बैठक भी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर का काम पूरा होने के बाद गया और बोधगया का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को यहां विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा। संजय झा ने 1996 के भारत-बांग्लादेश गंगा जल समझौते की समीक्षा की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि 30 साल की अवधि वाला यह समझौता दिसंबर में समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि नए समझौते में बिहार के हितों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। राज्य की आबादी लगातार बढ़ रही है और इसके साथ सिंचाई, पेयजल और उद्योगों के लिए पानी की जरूरत भी काफी बढ़ गई है। ऐसे में बिहार के हितों को ध्यान में रखकर आगे की नीति तय की जानी चाहिए। श्री झा ने कहा कि करीब 15 साल पहले जिस बदलाव की कल्पना करना मुश्किल था, वह अब जमीन पर दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर, पर्यटन परियोजनाओं और बेहतर आधारभूत सुविधाओं के पूरा होने के बाद गया-बोधगया न सिर्फ बिहार बल्कि देश का बड़ा धार्मिक और पर्यटन केंद्र बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य पूरे गया-बोधगया क्षेत्र को विश्वस्तरीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाना है। बेहतर सुविधाओं और

विधायकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा और लंबित मामलों के निपटारे पर विधानसभा अध्यक्ष सख्त

मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत के साथ बैठक में डॉ. प्रेम कुमार ने दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में मुख्य सचिव बिहार प्रत्यय अमृत के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में विधानसभा के सदस्यों, सभा सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रक्रिया को शीघ्र कैशलेस करने, विधायकों के बैठने की व्यवस्था तथा वर्षों से लंबित संसदीय समिति के मामलों और विभागीय आश्वासनों के निष्पादन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष ने सदस्यों एवं सभा सचिवालय के पदाधिकारियों और कर्मचारियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति में आ रही कठिनाइयों पर चिंता जताई। उन्होंने संबंधित प्रक्रिया को यथाशीघ्र कैशलेस व्यवस्था में बदलने का निर्देश दिया, ताकि चिकित्सा सुविधाओं के लाभ में किसी प्रकार की परेशानी न हो। डॉ. प्रेम कुमार ने सदस्यों के बैठने और आम लोगों से मिलने की सुविधा को लेकर भी महत्वपूर्ण सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रखंड में इसके लिए उपयुक्त स्थान अथवा भूखंड चिह्नित कर भवन का निर्माण कराया जाए। जहां नई व्यवस्था संभव नहीं हो, वहां पंचायत भवन में ही आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विचार किया जा सकता है। बैठक में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदनों से जुड़े लंबित मामलों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि वर्ष 2008-09 से अब तक लोक लेखा समिति एवं लोक उपक्रम समिति की लगभग 2499 कंडिकाएं, उप-कंडिकाओं सहित लंबित हैं। इसके अलावा विभिन्न विभागों से संबंधित वर्ष 1995 से 2025 तक लगभग 23,517 आश्वासन भी वर्तमान में लंबित बताए गए हैं। इन मामलों की बड़ी संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने मुख्य सचिव को समिति और संबंधित विभागों के अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर चालू वित्तीय वर्ष में लंबित मामलों के निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने बिहार विधानसभा की संसदीय समितियों की विभागीय बैठकों में संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव अथवा सचिव की अनुपस्थिति पर भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों की अनुपस्थिति में कम से कम विशेष सचिव स्तर अथवा उससे ऊपर के अधिकारी को विधिवत प्राधिकार पत्र के माध्यम से बैठक में शामिल होने के लिए अधिकृत किया जाए। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने विधानसभा अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि वे सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव के साथ बैठक कर विधानसभा अध्यक्ष द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन की दिशा में कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। बैठक में बिहार विधानसभा की प्रभारी सचिव सहित सभा सचिवालय के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

सरकार के 100 दिनों की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने में लाएं तेजी : श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री एवं जदयू विधायक दल के नेता मंत्री श्रवण कुमार ने विभाग के कामकाज की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सरकार के 100 दिनों में किए गए कार्यों और शुभारंभ हुई जनहित योजनाओं का अधिकतम प्रचार किया जाए, ताकि कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी हर व्यक्ति तक पहुंचे।

सकारात्मक खबरों के प्रचार और त्वरित खंडन पर बल

समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि समाचार पत्रों, टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार, विभागों तथा जिला स्तर पर हुए सकारात्मक कार्यों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने नकारात्मक खबरों के त्वरित आधिकारिक खंडन पर भी जोर दिया, ताकि गलत जानकारी या अफवाहें न फैले।

सोशल मीडिया पर योजनाओं के प्रचार की नियमित समीक्षा

श्री कुमार ने विभाग को मीडिया संबंधी कार्यों को और सुचारू व मजबूत बनाने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया में बढ़ती रुचि को देखते हुए उन्होंने सरकार और आमजन के बीच विश्वास व सकारात्मक रवैया अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यों का फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम आदि प्लेटफॉर्म्स पर उत्तम गुणवत्ता के साथ नियमित प्रचार हो और इसकी नियमित समीक्षा भी की जाए। कार्यालय में कार्य समन्वय और पारदर्शिता के साथ किया जाए। बैठक में विभाग के सचिव नवीन कुमार, निदेशक अनिल कुमार, संयुक्त सचिव राजीव कुमार सिंह सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बी. डी. कॉलेज में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार की योजना 'सक्षम सम्मान, जीवन आसान' के अंतर्गत विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से बी. डी. कॉलेज, पटना में मंगलवार को 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दिवाकर प्रसाद के संरक्षण एवं नोडल पदाधिकारी के निर्देशन में किया गया। शिविर में विद्यार्थियों से प्राप्त विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य समस्याओं पर आवश्यक विचार-विमर्श करते हुए नियमानुसार कार्रवाई एवं समाधान किया गया। शिविर में प्रो. शत्रुघ्न शरण सिंह, डॉ. बिनोद कुमार, डॉ. निखिलानंद ठाकुर, डॉ. राजीव कुमार (राजनीतिक विज्ञान), डॉ. राजीव कुमार, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. स्वर्णा कुमार, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. कुमारी मोनिका, डॉ. सुजान दत्ता, डॉ. रवि रंजन, डॉ. विनीता तिवारी एवं डॉ. नंदिनी नारायण सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। शिविर में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं एवं आवेदनों पर आवश्यक विभागीय विमर्श करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की गई। आज की रिपोर्ट के अनुसार कुल 08 मौखिक समस्याएं प्राप्त हुईं जिनका आवश्यक समाधान किया गया। लिखित रूप में प्राप्त आवेदन एवं लंबित आवेदन की संख्या शून्य रही। महाविद्यालय प्रशासन ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान, उनके हितों की रक्षा तथा उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराने के लिए इस प्रकार के विद्यार्थी सहयोग शिविर आगे भी प्रभावी रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे।

लोक संस्कृति और विविधता में एकता का प्रतीक लोकोत्सव : विजय प्रकाश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/दानापुर। दानापुर स्थित 'स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग' में पारंपरिक लोक संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहर को समर्पित 'लोकोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक स्वागत आरती के साथ हुई। इसके उपरांत एक अनूठे और प्रतीकात्मक अंदाज में दीप प्रज्वलन संपन्न हुआ जिसमें देश की चार अलग-अलग दिशाओं से चार राज्यों के प्रतिनिधि और केंद्र में बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए कुल पांच स्वरूपों ने एक साथ मिलकर दीप प्रज्ज्वलित किया। इस प्रस्तुति ने विविधता में एकता के भारतीय दर्शन को जीवंत कर दिया। दीप प्रज्वलन के बाद लोकोत्सव और भारतीय परंपराओं के महत्व पर विशेष वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद आयोजित कठपुतली नाटक ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया।

इस अवसर पर ओ पी सी एल के अध्यक्ष विजय प्रकाश ने लोकोत्सव के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा 'हमारी लोक परंपराएं और सांस्कृतिक विविधता ही हमारी असली पहचान हैं।

'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' से छात्रों की आवाज सीधे सरकार तक पहुंचेगी : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने छात्रों के प्रदर्शन और आंदोलन को लेकर कहा कि बिहार सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार छात्रों एवं नौजवानों के भविष्य को लेकर पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में राज्य सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। विद्यार्थियों की समस्याओं और सुझावों को सीधे सरकार तक पहुंचाने के लिए आज ही 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' का शुभारंभ किया गया है। इससे छात्रों की आवाज संस्थागत तरीके से सरकार तक पहुंचेगी और उनकी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया और प्रभावी होगी। संजय सरावगी ने कहा कि बिहार सरकार ने छात्रों की प्रमुख मांगों में शामिल शिक्षक भर्ती के लिए टीआरइ-4 के तहत 32,388 पदों का विज्ञापन जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब लगभग 20 हजार पदों की मांग की जा रही थी, तब सरकार ने उससे कहीं अधिक 32,388 पदों पर भर्ती का रास्ता खोल दिया।

केवाइपी केंद्रों की मांगों को लेकर पटना में धरना-प्रदर्शन, संचालकों ने उठाई आवाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में संचालित कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों के नवीनीकरण, लंबित भुगतान और प्रशिक्षण कार्य तत्काल शुरू कराने की मांग को लेकर मंगलवार को पटना के गर्दनीबाग में केंद्र संचालकों एवं संबंधित लोगों ने धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में विभिन्न मांगों से संबंधित तख्तियां लेकर सरकार और विभाग से केवाईपी केंद्रों के भविष्य को लेकर तत्काल निर्णय लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान 'कौशल विकास हमारा अधिकार', 'रोजगार और सम्मान-कौशल विकास हमारी पहचान' जैसे नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लंबे समय से संपूर्ण बिहार में केवाईपी केंद्रों में प्रशिक्षण कार्य प्रभावित है तथा केंद्र संचालकों का भुगतान भी आठ माह से लंबित है। उन्होंने पुराने संचालित केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर नवीनीकरण देने और केवाईपी प्रशिक्षण तत्काल प्रारंभ करने की मांग की। केंद्र संचालकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

किसान संगठन मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता से मिले

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। संयुक्त किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को किसानों का ज्ञापन सौंपा। संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को किसानों का ज्ञापन और मांगों का चार्टर सौंपा। दोनों नेताओं ने मांगों पर उचित एवं समयबद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया। मांगों के चार्टर में संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय मांगें शामिल हैं जिनमें न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, किसानों को कर्ज मुक्ति और किसान आत्महत्याओं के मामलों में मुआवजे का प्रावधान, जबरन भूमि अधिग्रहण पर रोक और एलएआरआर 2013 को सख्ती से लागू करना, जन-विरोधी मुक्त व्यापार समझौतों को अस्वीकार करना, मनरेगा की बहाली, चार श्रम संहिताओं को रद्द करना तथा राज्यों के लिए विभाज्य कर-कोष में हिस्सेदारी को 31% से बढ़ाकर 50% करना शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के किसानों के स्थानीय मुद्दों को भी उठाया। इनमें एपीएमसी मंडियों की बहाली, बटाईदारों और काश्तकार किसानों का पंजीकरण तथा उन्हें सभी सरकारी योजनाओं का लाभ देना, सिंचाई परियोजनाओं का जीर्णोद्धार, फसल बीमा योजना का क्रियान्वयन, सैटेलाइट टाउनशिप परियोजना के तहत जबरन भूमि अधिग्रहण पर रोक तथा दियारा (नदी क्षेत्र) की भूमि को 'टोपोलैंड' (असर्वेक्षित भूमि) घोषित कर बिना मुआवजे के अधिग्रहण पर रोक शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल में संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार की ओर से विधायक अजय कुमार, अध्यक्ष, बिहार राज्य किसान सभा, जमाल रोड), विनोद कुमार (महासचिव, बिहार राज्य किसान सभा, जमाल रोड), पूर्व विधायक रामबली सिंह (अध्यक्ष, अखिल भारतीय किसान महासभा, बिहार), राम चंद्र महतो (महासचिव, बिहार राज्य किसान सभा, अजय भवन), अशोक बैठा (राज्य सचिव, अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा), इंद्रदेव राय (संयुक्त सचिव, अखिल भारतीय किसान खेत मजदूर संगठन, बिहार) और ऋषि आनंद (महासचिव, जय किसान आंदोलन) शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने नेताओं को अवगत कराया कि यदि इन मांगों की केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगातार उपेक्षा जारी रहती है तो देशभर के किसानों के पास 26 नवंबर 2026 से बड़े पैमाने पर, देशव्यापी और निरंतर संघर्ष को पुनः शुरू करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचेगा।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर समस्याओं से कराया अवगत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। मुख्यालय, हाजीपुर में 7 रेलकर्मी/उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह से मुलाकात की तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं।

सावन की मस्ती के साथ दिखी शिक्षिकाओं और माताओं की प्रतिभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रुकनपुरा स्थित किड्सजोन - एन एलीमेंट्री स्कूल द्वारा द रेड गार्डन हॉल में सावन के अवसर पर सावन संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, शिक्षिकाओं और माताओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। नृत्य, क्विज, रैंप वॉक, मनोरंजक खेल और टैलेंट शो जैसी गतिविधियों ने पूरे आयोजन को खास बना दिया। सावन क्वीन प्रतियोगिता में भी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया जिसमें सोनाली राज ने सावन क्वीन का खिताब जीता। सावन क्वीन प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में स्कूल की प्राचार्या प्रतिमा सिंह, सिमा प्रभात, मनोज एवं सुजाता मौजूद रहे। स्कूल की प्राचार्या प्रतिमा सिंह ने कहा कि सावन संगम के आयोजन का उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास और मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने की क्षमता को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ माताओं ने भी पूरे उत्साह से इसमें भाग लिया और कार्यक्रम को यादगार बनाया। शिक्षिकाओं और बच्चों की माताओं ने शानदार नृत्य प्रस्तुति देकर माहौल को खुशनुमा बना दिया। बच्चों के लिए क्विज गेम का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिभा और सामान्य ज्ञान का प्रदर्शन किया। इसके बाद रैंप वॉक में बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी अदाओं का प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया।

भारी बारिश के बीच सहरसा-मधेपुरा पारेषण लाइन दुरुस्त, बिजली आपूर्ति बहाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारी बारिश के कारण सहरसा-मधेपुरा परिपथ-द्वितीय पारेषण (ट्रांसमिशन) लाइन में आई तकनीकी खराबी को बिजली विभाग की टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए देर रात दुरुस्त कर लिया। सोमवार शाम 7:17 बजे लाइन में खराबी आने से लगभग 55 मेगावाट बिजली का भार प्रभावित हुआ था जिससे मुरलीगंज, उदाकिशुनगंज अनुमंडल क्षेत्र और कुमारखंड में आपूर्ति बाधित हो गई थी। खराबी की सूचना मिलते ही बिहार राज्य बिजली पारेषण कंपनी लिमिटेड और उत्तर बिहार बिजली वितरण कंपनी लिमिटेड के तकनीकी दल तुरंत सक्रिय हो गए। राज्य भार प्रेषण केंद्र के समन्वय से वैकल्पिक व्यवस्था और भार प्रबंधन लागू किया गया। इसके परिणामस्वरूप रात 10:16 बजे ग्रिड उप-केंद्र उदाकिशुनगंज पर पूरा भार बहाल कर दिया गया जबकि ग्रिड उप-केंद्र मुरलीगंज से भी निर्बाध आपूर्ति जारी रही। प्रतिकूल मौसम के बावजूद तकनीकी टीमों ने 'फॉल्ट लोकेटर' की मदद से खराबी के स्थान की पहचान कर लाइन गश्ती की और मरम्मत का कार्य पूरा किया। इसके बाद रात 2:16 बजे पारेषण लाइन को सफलतापूर्वक ऊर्जावान (चार्ज) कर विद्युत आपूर्ति पूर्णतः सामान्य कर दी गई।

सावन की सांस्कृतिक छटा से सराबोर हुआ देशरत्न राजेंद्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

गीत, नृत्य, भजन और लोक प्रस्तुतियों से प्रशिक्षुओं ने बांधा समां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सावन की हरितिमा, भक्ति, लोकजीवन की उमंग और भारतीय संस्कृति की विविध छवियां आज देशरत्न राजेंद्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सदाकत आश्रम, पटना के परिसर में जीवंत हो उठीं। सावन महोत्सव के अवसर पर आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए वातावरण को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त वरिष्ठ पदाधिकारी विजय प्रकाश ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपरा में ऋतुओं और पर्वों का विशेष महत्व रहा है। यहां उत्सव केवल आनंद का अवसर नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, समाज में सहयोग और मनुष्य के भीतर सद्भाव एवं संवेदना विकसित करने का माध्यम भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि सावन महोत्सव जैसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और लोक परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों का दायित्व केवल विषयगत ज्ञान तक सीमित नहीं है। भावी शिक्षक आने वाली पीढ़ियों के मार्गदर्शक होने के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संवाहक भी हैं।

अतिथि शिक्षकों के सेवा समायोजन की दिशा में बड़ी पहल, मुख्यमंत्री के आश्वासन से खुशी की लहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों (सहायक प्राध्यापकों) के सेवा समायोजन को लेकर बड़ी पहल सामने आई है। 22 दिनों से धरना स्थल पर आमरण अनशन कर रहे अतिथि शिक्षकों के मामले में राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के स्तर पर सकारात्मक पहल के बाद शिक्षकों में खुशी की लहर है। दरभंगा ग्रामीण विधानसभा के विधायक एवं जदयू जिलाध्यक्ष राजेश मंडल उर्फ ईश्वर मंडल ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अतिथि शिक्षकों को 65 वर्ष तक सेवा सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सकारात्मक आश्वासन दिया है। विधायक ने मुख्यमंत्री, राज्यपाल एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों से लगातार मुलाकात कर अतिथि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान की मांग रखी थी। विधायक ईश्वर मंडल ने कहा कि वर्ष 2019 में नियुक्त अतिथि शिक्षकों को उच्च शिक्षा विभाग की ओर से अध्यापन कार्य के अतिरिक्त अन्य रोजगार नहीं करने का निर्देश दिया गया था। इस निर्देश का पालन करते हुए शिक्षक वर्षों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ विश्वविद्यालयों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सहायक प्राध्यापकों की नियमित नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है। ऐसे में यदि उससे पहले अतिथि शिक्षकों के सेवा समायोजन पर निर्णय नहीं लिया गया तो हजारों शिक्षकों के सामने रोजगार का गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। इनमें बड़ी संख्या ऐसे शिक्षकों की है, जो वर्तमान में निर्धारित आयु सीमा पार कर चुके हैं और नई नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित रह सकते हैं। श्री मंडल ने बताया कि बिहार विधान परिषद की शिक्षा समिति की ओर से भी अतिथि शिक्षकों के सेवा समायोजन की अनुशंसा की जा चुकी है।

प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में राज्य पर्षद द्वारा किये जा रहे कार्यों की मंत्री ने की सराहना

मानकों को दृढतापूर्वक लागू करने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के वर्तमान मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद द्वारा मंगलवार को बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के क्रियाकलापों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर मौजूद थे। समीक्षा बैठक में पर्षद के सदस्य-सचिव नीरज नारायण, पर्षद के वैज्ञानिक सलाहकार एसएन जायसवाल, वैज्ञानिक, डॉ. नवीन कुमार एवं वैज्ञानिक अरूण कुमार, पर्यावरण अभियंता एके गुप्ता तथा पप्पू कुमार, तकनीकी सलाहकार, एक्यूएम सेल भी उपस्थित थे। बैठक में मंत्री का पर्षद मुख्यालय में स्वागत करते हुए सदस्य-सचिव नीरज नारायण द्वारा बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के क्रियाकलापों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी गयी। सदस्य सचिव ने सूचित किया कि पर्षद का गठन जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के अंतर्गत नवम्बर, 1974 में हुआ। उन्होंने बताया कि पर्षद द्वारा नियमित रूप से गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के जल का नमूना संग्रहण एवं विश्लेषण कर उनकी गुणवत्ता की जांच की जाती है। गंगा नदी के किनारे अवस्थित शहरों में एसटीपी की स्थापना से मल-संबंधी कोलीफॉर्म की औसत मात्रा 2199 एमपीएन /100 एमएल दर्ज की गयी है, जो निर्धारित मानक (2500 एमपीएन/100 एमएल) से कम है। पर्षद द्वारा राज्य के 23 जिलों में कुल 35 अनवरत परिवेशीय वायु गुणवत्ता प्रबोधन केन्द्र संचालित हैं, जिनके माध्यम से परिवेशीय वायु गुणवत्ता का आकलन किया जाता है। पर्षद राज्य के बेहतर पर्यावरण के लिए सतत प्रयत्नशील है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2025-26 में पीएम 10 की सांद्रता में 55.15 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है। इसी प्रकार पीएम 2.5 की सांद्रता में 2022-23 की तुलना में वर्ष 2025-26 में 52.54 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है। राज्य में कुल 58 औद्योगिक इकाईयों जहां पर तेल कम्पनियों द्वारा स्वच्छ ईंधन के रूप में पीएनजी की आपूर्ति नेटवर्क विकसित है।

सोन के तटीय क्षेत्रों में बढ़ा जलस्तर का खतरा, प्रशासन ने जारी किया हाई अलर्ट

इंद्रपुरी बराज से सोन नदी में छोड़ा गया 1.34 लाख क्यूसेक पानी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में हो रही भारी वर्षा के कारण सोन नदी के तटीय इलाकों में जलस्तर बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो गया है। जल संसाधन विभाग ने स्थिति को लेकर प्रशासन को अलर्ट किया है। विभाग के अनुसार झारखंड और उत्तर प्रदेश में हो रही भारी बारिश के कारण उत्तरी कोयल नदी से सोन नदी में भारी जलस्राव आने की संभावना है। अगले 72 घंटे में सोन नदी में पांच लाख क्यूसेक से अधिक पानी प्रवाहित होने की प्रबल संभावना जताई गई है। जल संसाधन विभाग के अनुसार मंगलवार को झारखंड के मोहम्मदगंज भीम बराज से 64,472 क्यूसेक, रिहंद जलाशय से 15,064 क्यूसेक तथा बाणसागर से 14,578 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। वहीं इंद्रपुरी बराज पर 1.50 लाख 75 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज की गई। बराज का जलस्तर नियंत्रित रखने के लिए 69 में से 40 गेट खोलकर 1,34,944 क्यूसेक पानी सोन नदी में प्रवाहित किया जा रहा है। इसके अलावा धान की फसलों के लिए 9,135 क्यूसेक तथा पूर्वी संयोजक नहर में 4,255 क्यूसेक पानी की आपूर्ति की जा रही है। जल संसाधन विभाग के मॉनिटरिंग मुख्य अभियंता अजय कुमार सिंह ने सभी संबंधित कनीय अभियंताओं को नदी तट पर कटाव समेत अन्य स्थितियों की लगातार निगरानी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्थानीय प्रशासनिक पदाधिकारियों, जागरूक नागरिकों और विभागीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहते हुए परिस्थितियों की सूचना देते रहने बाढ़ एसओपी के अनुसार आवश्यक सुरक्षात्मक कार्य सुनिश्चित करने को कहा है। मुख्य अभियंता ने बताया कि झारखंड और उत्तर प्रदेश में हो रही भारी वर्षा के कारण उत्तरी कोयल नदी से सोन नदी में भारी जलस्राव आने की संभावना है। इससे सोन नदी का जलस्तर काफी बढ़ सकता है। इसकी सूचना जिला प्रशासन को दे दी गई है।

इधर, एसडीएम नीलेश कुमार ने सोन के तटीय क्षेत्र के लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में अधिक वर्षा के कारण सोन नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है। ऐसे में लोग नहाने के लिए नदी में नहीं उतरें क्योंकि जान-माल के नुकसान की आशंका बनी हुई है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों पर विशेष नजर रखने तथा उन्हें सोन टीला की ओर नहीं जाने देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जलस्तर और बढ़ने की संभावना है।

तिलौथू में जिज्ञासा जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति की पांचवीं वार्षिक आमसभा आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

तिलौथू (रोहतास)। जीविका द्वारा संपोषित जिज्ञासा जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, तिलौथू की पांचवीं वार्षिक आमसभा मंगलवार को आकाश मैरिज हॉल में आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक आशुतोष कुमार एवं पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक संजीव कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। आमसभा में समिति से जुड़े छह पंचायतों के 41 ग्राम संगठनों से करीब एक हजार जीविका दीदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान समिति के कार्यों, उपलब्धियों, वित्तीय प्रगति तथा आगामी वित्तीय वर्ष के कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति की अध्यक्ष ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में समिति के माध्यम से करीब 7 करोड़ 12 लाख 60 हजार रुपये का ऋण एवं वित्तीय लेन-देन किया गया। इस दौरान समिति ने लगभग 46 लाख रुपये का मुनाफा अर्जित किया जबकि कुल व्यय करीब 12 लाख रुपये रहा। वक्ताओं ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा उन्हें वित्तीय गतिविधियों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने में समिति की भूमिका की सराहना की। आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए अधिक से अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने तथा महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। महिलाओं को उद्यमिता से जोड़ने और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए सामूहिक प्रयास करने की बात कही गई। इस अवसर पर जीविका के बीपीएम ने जीविका दीदियों द्वारा ऋण की शत-प्रतिशत वापसी किए जाने की सराहना की। आमसभा के दौरान वित्तीय पारदर्शिता, पिछले वर्ष की उपलब्धियों की समीक्षा और आगामी वर्ष के लिए सामूहिक कार्ययोजना को लेकर भी चर्चा हुई।

रात 10 बजे के बाद डीजे बजाने पर होगी कार्रवाई, मिलन रेस्टोरेंट व मैरिज हॉल को एसडीएम का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। एनिकट रोड स्थित मिलन रेस्टोरेंट एवं मैरिज हॉल में रात 10 बजे के बाद तेज आवाज में डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के इस्तेमाल को लेकर अनुमंडल प्रशासन ने सख्त निर्देश जारी किया है। अनुमंडल दंडाधिकारी, डिहरी द्वारा मैरिज हॉल के संचालक राज कुमार गुप्ता उर्फ राजू को किसी भी परिस्थिति में डीजे बजाने तथा रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग नहीं करने का निर्देश दिया गया है। आदेश का उल्लंघन होने पर विधि सम्मत कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। मामले को लेकर एनिकट रोड, दुर्गा मंदिर के सामने रहने वाले अभिषेक बोस ने अनुमंडल दंडाधिकारी के समक्ष आवेदन दिया था। बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, पटना की ओर से भी इस संबंध में आवेदन प्राप्त हुआ था। आवेदन में आरोप लगाया गया था कि अनुमंडल कार्यालय पथ स्थित मिलन रेस्टोरेंट एवं मैरिज हॉल में रात 10 बजे के बाद तेज आवाज में डीजे बजाया जाता है तथा अश्लील गाने बजाए जाते हैं। शिकायत के बाद अनुमंडल प्रशासन ने मैरिज हॉल के संचालक राज कुमार गुप्ता को नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ लिखित पक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। संचालक ने अपने जवाब में बताया कि उनका रेस्टोरेंट एवं मैरिज हॉल एफएसएसएआई से पंजीकृत है और संचालन के दौरान सभी निर्धारित प्रावधानों का पालन किया जाता है। संचालक ने अपने लिखित बयान में यह भी कहा कि मैरिज हॉल की बुकिंग के समय ग्राहकों को डीजे प्रतिबंधित होने की जानकारी दी जाती है तथा बुकिंग रसीद पर भी इसका उल्लेख किया जाता है। उनके अनुसार मैरिज हॉल के सामने स्थित मां दुर्गा मंदिर के पास विवाह कार्यक्रम से जुड़े लोग बाहर से आते-जाते हैं और वहां डीजे बजने की स्थिति बनती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैरिज हॉल के अंदर किसी प्रकार का डीजे अथवा अश्लील गाना नहीं बजाया जाता है। अनुमंडल दंडाधिकारी ने संचालक के लिखित बयान एवं प्रस्तुत दस्तावेजों के अवलोकन के बाद पाया कि मैरिज हॉल में डीजे प्रतिबंधित होने की सूचना बुकिंग रसीद के माध्यम से दी जाती है। इसके बावजूद प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मैरिज हॉल में किसी भी परिस्थिति में डीजे का प्रयोग नहीं किया जाएगा और रात 10 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्र का इस्तेमाल पूरी तरह वर्जित रहेगा।

आगामी पर्वों को लेकर शांति समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। आगामी ईद मिलादुन्नबी, रक्षाबंधन एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर मंगलवार की शाम डिहरी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता थानाध्यक्ष राहुल ने की। बैठक में आरओ तौकीर अहमद, नगर परिषद स्वच्छता पदाधिकारी प्रणव कुमार एवं सिटी मैनेजर आफताब सहित जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। थानाध्यक्ष ने सभी समुदायों से आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने अफवाह, विवादित गतिविधि या अपराध प्रवृत्ति वाले लोगों की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। कहा कि शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में राजद के पूर्व प्रत्याशी गुड्डू चंद्रवंशी, अधिवक्ता बैरीष्टर सिंह, मुटुर पांडेय, वार्ड पार्षद सोनू चौधरी, आनंद चौधरी, कुंवर सिंह, संजय सिंह उर्फ बाला जी, पूर्व पार्षद तपेश्वर सिंह, धनंजय शर्मा, सफरुद्दीन अंसारी, संजय गुप्ता, बिनोद यादव, उमाशंकर पासवान, सुनीता यादव, नबाब अख्तर अंसारी पानी वाले सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

6 सूत्री मांगों को लेकर आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं का प्रखंड मुख्यालयों पर प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विक्रमगंज/दावथ (रोहतास)। बिहार आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के आह्वान पर मंगलवार को रोहतास जिले के विक्रमगंज, दावथ और काराकाट सहित विभिन्न प्रखंड मुख्यालयों पर आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं ने एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मियों ने अपनी 6 सूत्री मांगों के समर्थन में सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और प्रशासनिक अधिकारियों को मांग पत्र सौंपा। विक्रमगंज में प्रदर्शन की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष गंगोत्री देवी ने की जिसमें सैकड़ों सेविकाएं व सहायिकाएं शामिल हुईं। वहीं दावथ में संघ की अध्यक्ष बबीता देवी, सचिव सलीमा खातून और कोषाध्यक्ष मीरा देवी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ उपेक्षात्मक रवैया अपना रही है। कर्मी वर्षों से कम मानदेय, सामाजिक सुरक्षा की कमी और सेवा संबंधी समस्याओं से जूझ रही हैं। उधर, काराकाट प्रखंड मुख्यालय पर अध्यक्ष रामवती देवी एवं सचिव गीता देवी के नेतृत्व में सेविकाओं ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने अपनी 6 सूत्री मांगों में प्रमुख रूप से बकाया मानदेय को अद्यतन करते हुए खंडित मानदेय की प्रथा को समाप्त करने, 5 जी मोबाइल सेट के साथ रिचार्ज की राशि अविलंब उपलब्ध कराने, सेविका से महिला पर्यवेक्षिका और सहायिका से सेविका के पद पर बहाली में एकरूपता लाते हुए यथाशीघ्र बहाली प्रक्रिया पूरी करने, बढ़ती महंगाई को देखते हुए सेविका-सहायिका के मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि करने, पोशाक राशि, अन्नप्राशन, गोदभराई, प्रोत्साहन राशि, मोबाइल रिचार्ज सहित अन्य सभी बकाया राशि का अविलंब भुगतान करने तथा माननीय न्यायालय के आदेशानुसार ग्रेच्युटी लागू करने की मांग शामिल है। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को प्रखंड स्तर से बढ़ाकर जिला और राज्य स्तर तक चरणबद्ध तरीके से और उग्र किया जाएगा।

राजकीय डिग्री कॉलेज सूर्यपुरा में विद्यार्थी सहयोग शिविर में छात्रों को दी गई ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विक्रमगंज। राजकीय डिग्री महाविद्यालय, सूर्यपुरा में मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक व अन्य समस्याओं के समाधान हेतु ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया से अवगत कराना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. प्रभाकर ने कहा कि ऑनलाइन शिकायत प्रणाली से व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी और छात्रों को अपनी समस्याएं सक्षम प्राधिकार के समक्ष रखने में आसानी होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का निवारण 30 दिनों के भीतर कर दिया जाएगा। वहीं, बैद्यनाथ पासवान ने विद्यार्थियों को पोर्टल पर लॉगिन करने तथा नाम, कक्षा व समस्या का स्पष्ट विवरण दर्ज करने की पूरी प्रक्रिया विस्तार से समझाई। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहायक प्राध्यापक डॉ. राहुल कुमार (राजनीति विज्ञान), प्रो. मेघा (अर्थशास्त्र) और दीपक कुमार (इतिहास) सहित अन्य शिक्षकों ने सराहनीय भूमिका निभाई। शिविर में बड़ी संख्या में मौजूद छात्र-छात्राओं ने अपनी शंकाओं का समाधान किया और इस पहल का स्वागत किया।

वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं कल्याण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित बुनियादी केंद्र, शेरघाटी के सभाकक्ष में मंगलवार को माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण तथा कल्याण नियमावली, 2012 के तहत एक दिवसीय संवेदीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बुनियादी केंद्र के केंद्र प्रबंधक प्रेम शंकर प्रसाद ने की। इसमें केंद्र के कर्मियों, पदाधिकारियों सहित अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, उनके भरण-पोषण, सुरक्षा और कल्याण से जुड़े विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज और परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उनके सम्मान, सुरक्षा और आवश्यक जरूरतों का ध्यान रखना सभी की जिम्मेदारी है। प्रतिभागियों को वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशील, सम्मानजनक और सहयोगात्मक व्यवहार अपनाने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि जरूरतमंद एवं असहाय वरिष्ठ नागरिकों को सरकारी स्तर पर उपलब्ध सुविधाओं एवं सहायता की जानकारी देकर उन्हें लाभ पहुंचाने की दिशा में पहल की जानी चाहिए। वरिष्ठ नागरिकों को दैनिक जीवन में होने वाली परेशानियों को समझने और उनके समाधान में सहयोग करने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को आवागमन में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से छड़ी का वितरण किया गया। छड़ी मिलने पर वरिष्ठ नागरिकों ने खुशी जताई और कार्यक्रम के आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

17 लीटर लावारिस शराब बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी/ नबीनगर। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सतर्क के तहत नबीनगर आरपीएफ पोस्ट की टीम ने कार्रवाई करते हुए करीब 17 लीटर लावारिस शराब बरामद की। जानकारी के अनुसार 24 अगस्त 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट नबीनगर के निरीक्षक प्रभारी राम विलास राम के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक जे.पी. यादव, आरक्षी संतोष कुमार मिश्रा, आरक्षी राकेश कुमार एवं आरक्षी शैलेश कुमार शर्मा की संयुक्त टीम ने लावारिस हालत में शराब बरामद की। आरपीएफ टीम ने बरामद शराब के संबंध में विधिक कार्रवाई करते हुए उसे अग्रिम कार्रवाई के लिए स्थानीय थाना नबीनगर को सुपुर्द कर दिया।

एनटीपीसी NTPC **एनटीपीसी लिमिटेड**
(भारत सरकार का उद्यम)

संबंधित व्यक्ति को एनटीपीसी नबीनगर से सड़क परियोजना/ बांध/खदान बैकफिलिंग और ओबी मिक्सिंग/तटरेखा संरक्षण, निचले क्षेत्र आदि जैसी पात्र परियोजनाओं के लिए निःशुल्क पौंड ऐश जारी करने के लिए नोटिस। (मौजूदा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय अधिसूचना और नीति के अनुसार) सितम्बर 2026 से अगस्त 2027 तक

Notice No. : AM-Nabinagar/PondAsh/2026 **दिनांकः 26.08.2026**

यह नोटिस एनटीपीसी नबीनगर से 300 किलोमीटर के दायरे में स्थित सड़क बिछाने, सड़क और फ्लाई ओवर तटबंधों, तटीय जिलों और बांधों में तटरेखा संरक्षण संरचनाओं, खदान मालिकों के लिए खदान बैकफिलिंग और ओबी मिक्सिंग, निचले क्षेत्र जैसी निर्माण गतिविधियों में लगी एजेंसियों के लिए पौंड ऐश उपयोग पर 31.12.2021 के पर्यावरण और वन मंत्रालय के राजपत्र अधिसूचना के अनुपालन में है।

सड़क परियोजनाओं/बांधों/खान बैकफिलिंग और ओबी मिक्सिंग/तटरेखा संरक्षण, निचले क्षेत्र आदि जैसी निर्माण गतिविधियों के लिए राख की आवश्यकता वाले 300 किलोमीटर के दायरे में इच्छुक राख उपयोगकर्ता राख की आपूर्ति की अपनी आवश्यकता को **ई–मेलः audnstps@ntpc.co.in पर दिनांक 26.08.2026 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 02.09.2026 को सायं 5:00 बजे तक** प्रस्तुत कर सकते हैं। एनटीपीसी नबीनगर **'निःशुल्क'** तथा **'जैसा है जहां है'** आधार पर राख की आपूर्ति करेगा और **परिवहन लागत वहन करेगा।**

पौंड ऐश की प्रस्तुत की गई मात्रा **संपर्क विवरण और ई–मेल पतों** के साथ इस नोटिस की **'सामान्य जानकारी'** में उल्लेखित है।

आवेदन कैसे करें–

इच्छुक ऐश उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि वे अपनी आवश्यकताएं निर्दिष्ट मानक प्रारूप में 'सामान्य जानकारी' में दिये गए ई–मेल पतों पर जमा करें।

नोटिस के लिए **'सामान्य जानकारी'** तथा **'आवेदन हेतु मानक प्रारूप'** **https://ntpctender.ntpc.co.in** पर अपलोड कर दिया गया है।

पंजीकृत कार्यालयः एनटीपीसी भवन, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली–110003 | www.ntpc.co.in सीआईएनः **L40101DL1975GOI007966**

विद्युत क्षेत्र में अग्रणी

interads

भक्ति और संस्कृति के साथ दो दिवसीय कोंचेश्वर महादेव महोत्सव संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

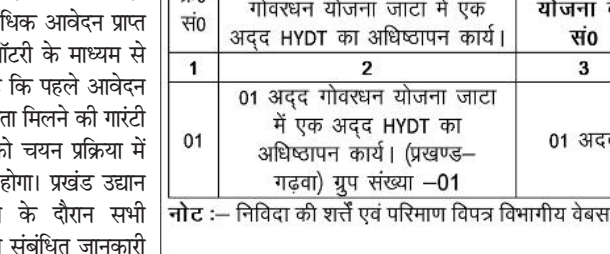

कोंच (गया)। कोंच प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रसिद्ध कोंचेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित दो दिवसीय कोंचेश्वर महादेव महोत्सव का मंगलवार को भव्य समापन हो गया। अंतिम दिन भक्ति संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह हम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार शामिल हुए। इस दौरान पटना, वैशाली, भागलपुर और मिथिला से आए कलाकारों ने शिव भक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। कुमार प्रिया, नंदनी भारद्वाज, सौम्या अथर्व और पूजा उपाध्याय ने शिव भजनों पर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। साकार कला कृति, स्वस्ति संस्था भागलपुर, गुरुदेव संगीत संस्थान पटना, मोनी झा मिथिला और मां मुंडेश्वरी संगीत समिति पटना की प्रस्तुतियों पर पूरा पंडाल तालियों और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। इस मौके पर एसडीओ प्रवीण कुंदन, बीडीओ चंदन कुमार, सीओ रितु सोनी, थानाध्यक्ष आलोक रंजन समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। मंच संचालन सिबेन्द्र कुमार मालवीय ने किया।

साइबर ठगी होते ही 24 घंटे में 1930 पर करें कॉल : साइबर डीएसपी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भभुआ। साइबर थाना के अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने शहर स्थित शहीद संजय सिंह महिला कॉलेज में साइबर फ्रॉड को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। साइबर डीएसपी नीतू सिंह ने छात्राओं को साइबर अपराध के तरीके, ठगी से बचने के उपाय और घटना के बाद तत्काल की जाने वाली कार्रवाई की जानकारी दी। साइबर डीएसपी ने बताया कि साइबर फ्रॉड होने के बाद समय पर शिकायत करना बेहद जरूरी है। ठगी की घटना के 24 घंटे के अंदर नेशनल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के साथ साइबर थाना में भी इसकी जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समय पर शिकायत मिलने से पुलिस तत्काल कार्रवाई कर रकम को रोकने की कोशिश कर सकती है। उन्होंने छात्राओं को बताया कि साइबर अपराधी अलग-अलग तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं।

किशोरी लापता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चैनपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव से 17 वर्षीय किशोरी के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। काफी खोजबीन के बाद भी किशोरी का कोई सुराग नहीं मिलने पर उसके पिता ने चैनपुर थाने में आवेदन देकर करमचट थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता-पुत्र और उनकी पत्नियों पर किशोरी को गायब करने का संदेह जताया है।

प्याज किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी, भंडारण गोदाम बनाने पर मिलेगा सरकारी अनुदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भभुआ। प्याज की खेती करने वाले किसानों को फसल के सुरक्षित भंडारण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार की ओर से प्याज भंडारण योजना संचालित की जा रही है। योजना का लाभ लेने के इच्छुक किसानों से समय रहते ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की गयी है। इसके तहत निर्धारित क्षमता का प्याज भंडारण गोदाम बनाने पर किसानों को सरकार की ओर से अनुदान दिया जायेगा। कृषि विभाग के अनुसार योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। प्रखंड उद्यान पदाधिकारी भभूतहरेंद्र तिवारी ने बताया कि प्याज भंडारण योजना का पोर्टल खुल गया है और पात्र किसान निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर सकते हैं। योजना के लिए निर्धारित संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर लाभुक किसानों का चयन लॉटरी के माध्यम से किया जायेगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पहले आवेदन करने वाले किसानों को स्वतः प्राथमिकता मिलने की गारंटी नहीं है। ऐसे में सभी पात्र किसानों को चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आवेदन करना होगा। प्रखंड उद्यान पदाधिकारी ने किसानों से आवेदन के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेज और बैंक खाते से संबंधित जानकारी सही-सही उपलब्ध कराने की अपील की है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा
सहिजना मोड़, गढ़वा (झारखण्ड) पिन नं० 822114
Email : eedwsd.garhwa1@gmail.com

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या DWSD/GAR-GOV-06/2026-27 (1st Call)

दिनांक– 24.08.2026

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा।
3. परिमाण विपत्र विभागीय वेबसाईट पर ऑपलोड/डाउनलोड की तिथि/समय :– **03.09.2026** को 12:30 बजे अपराहन में।
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/समय :– 11.09.2026 को 3:30 बजे अपराहन् तक।
5. निविदा खोलने की अंतिम तिथि/समय :– **12.09.2026** को 04:00 बजे अपराह्न में ।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– विभागीय वेबसाईट dwsd.jharkhand.gov.in से download किया जा सकता है।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा का कार्यालय।
8. निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा का कार्यालय।

क्र0 सं0	कार्य की विवरणी गोवरधन योजना जाटा में एक अदद HYDT का अधिष्ठापन कार्य।	गोवरधन योजना की सं0	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि।
1	2	3	4	5	6	7
01	01 अदद गोवरधन योजना जाटा में एक अदद HYDT का अधिष्ठापन कार्य। (प्रखण्ड–गढ़वा) ग्रुप संख्या –01	01 अदद	338488.00	6700.00	750.00	10 (दस) दिन

नोट :– निविदा की शर्तें एवं परिमाण विपत्र विभागीय वेबसाईट dwsd.jharkhand.gov.in से download किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा

PR 388413 Drinking Water and Sanitation (26-27)_D

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गढ़वा
(जिला समाज कल्याण शाखा)
ई-मेल आईडी :- awc12.monitoring@gmail.com

-: निविदा :-

वित्तीय वर्ष 2026–27 में समाज कल्याण विभाग द्वारा गढ़वा जिला में संचालित 1356 ऑगनबाड़ी केन्द्रों में निबंधित 3–6 वर्ष के बच्चों के लिए गर्म पोशाक (Winter Uniform: Sweater with Hoodie) का क्रय/आपूर्ति निर्धारित दर पर प्राप्त करने हेतु आपूर्तिकर्ता के चयन के निमित मुहरबंद निविदा दिनांक– **18.09.2026** को अपराह्न 01:00 बजे तक जिला समाज कल्याण कार्यालय, गढ़वा में आमंत्रित किया जाता है। निर्धारित समय तक प्राप्त निविदा दिनांक **18.09.2026** को ही अपराह्न 03:00 बजे जिला जिला स्तरीय क्रय/निविदा समिति के समक्ष नये समाहरणालय के सभागार (ब्लॉक–ए) में खोला जाएगा, जिसमें निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि अपने गर्म पोषाक (Winter Uniform: Sweater with Hoodie) के नमूने के साथ भाग लेंगे। सामग्री का विवरण निम्नवत है :–

क्र0	सामग्री का नाम	मात्रा	पेषाक का विवरणी	अधिकत्तम दर
1	2	3	4	5
1	गर्म पोषाक (हुड्डी)		Sweater Quality : Unisex Colour : Maroon Material : Acrylic-100% (+-2%) Yarn : High Bulk Yarn Neek Type : Hoodie Sleeve : Full regular sleeve Weight : 225 gm & above Shrinkage or elongation on : 4% or Better washing (max) Colour fastness: 4% or Better to Light Colour fastness : Change in to washing colour or Better Stain on Adajacent Fabric 3 or Better	प्रति हुड्डी 200.00 रु (GST सहित) से अधिक नहीं होनी चाहिए।

अतः इच्छुक आपूर्तिकर्ता अधोहस्ताक्षरी को संबोधित निविदा तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड अलग–अलग सीलबंद लिफाफे में जिला समाज कल्याण कार्यालय, गढ़वा में दिनांक–**18.09.2026** को अपराह्न 01:00 बजे तक हाथो–हाथ/निबंधित डाक या स्पीड पोस्ट के माध्यम से जमा कर सकते है।

नोट :– उक्त निविदा से संबंधित शर्ते एवं विस्तृत जानकारी इस कार्यालय के सूचना पट्ट एवं गढ़वा जिला के अधिकारिक वेबसाईट :- www.garhwa.nic.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–
उपायुक्त, गढ़वा

PR 388425 Social Welfare,Women and Child Development (26-27)_D

हिलसा में जाम की समस्या को लेकर एसडीओ-एसडीपीओ को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा। शहर में लगातार बढ़ रही जाम की समस्या एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग को लेकर युवा जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी विकास कुमार ने मंगलवार को अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, हिलसा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में योगीपुर मोड़, सिनेमा मोड़, वरुण तल एवं डाकबंगला के समीप टोटो-टेम्पो के अनियंत्रित एवं अवैध ठहराव पर रोक लगाने की मांग की गई। विकास कुमार ने कहा कि जाम के कारण स्कूली बच्चों, मरीजों, आम यात्रियों, राहगीरों एवं व्यवसायियों को प्रतिदिन परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग की। उन्होंने राम बाबू हाई स्कूल मोड़ के समीप लगने वाली सब्जी मंडी को वैकल्पिक स्थान पर स्थानांतरित अथवा व्यवस्थित कराने की मांग की, ताकि सड़क पर अतिक्रमण से आवागमन बाधित न हो। साथ ही बसों का ठहराव निर्धारित बस स्टैंड से कराने तथा प्रमुख चैक-चैराहों और सड़कों पर बसों के अनधिकृत ठहराव पर रोक लगाने का आग्रह किया।ज्ञापन के माध्यम से हिलसा में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए यातायात थाना स्थापित करने के लिए जिला एवं राज्य स्तर पर आवश्यक पहल और अनुशंसा करने की भी मांग की गई। विकास कुमार ने कहा कि यातायात थाना बनने से जाम प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और नियमों के प्रभावी अनुपालन में मदद मिलेगी।उन्होंने कहा कि हिलसा को सुगम, सुरक्षित और जाममुक्त बनाना प्रशासन के साथ-साथ पूरे शहर की प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रशासन एवं पुलिस द्वारा इन समस्याओं पर गंभीरता से संज्ञान लेकर शीघ्र ठोस कार्रवाई की उम्मीद है। मौके पर पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय नालंदा भाग अध्यक्ष आशीष कुमार, युवा नेता नीरज यादव एवं राजेश कुमार मौजूद रहे।

25 हजार आबादी पर स्वास्थ्य केंद्र नहीं, 14 माह में बंद हुआ कचरा उठाव

हाईस्कूल के भवन से लेकर दूध संग्रहण केंद्र तक की जरूरत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरियक। विकास की योजनाओं और दावों के बीच गिरियक प्रखंड की रैतर पंचायत आज भी कई बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। करीब 25 हजार आबादी और 14 वार्ड वाली पंचायत में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, स्वच्छता और पशुपालन से जुड़ी समस्याएं ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। पंचायत में 15 गांव हैं और करीब 70 प्रतिशत परिवार पशुपालन पर निर्भर हैं।पंचायत में 15 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, लेकिन तीन केंद्र अपने भवन से वंचित हैं। वहीं रैतर गांव का एक आंगनबाड़ी भवन जर्जर है। पंचायत में पांच मध्य विद्यालय हैं, जबकि हाईस्कूल का अलग भवन नहीं है। बेलदरिया के मध्य विद्यालय भवन में हाईस्कूल चल रहा है। ग्रामीणों के अनुसार उच्च माध्यमिक शिक्षा के लिए बच्चों को करीब तीन किलोमीटर दूर पावापुरी जाना पड़ता है।स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति भी चिंताजनक है। 25 हजार की आबादी के बावजूद पंचायत में एक भी उप स्वास्थ्य केंद्र नहीं है। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और मरीजों को इलाज के लिए गिरियक या पावापुरी जाना पड़ता है। पशुपालकों की बड़ी समस्या दूध संग्रहण केंद्र का अभाव है। ग्रामीणों के अनुसार दूध को बिहारशरीफ और नवादा ले जाना पड़ता है या बिचैलियों को कम कीमत पर बेचना पड़ता है। स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित है। ग्रामीणों के मुताबिक घर-घर कचरा उठाव करीब 14 महीने बाद बंद हो गया। इससे गांवों में कूड़ा जमा हो रहा है और रैतर का छठ घाट तालाब भी प्रदूषित हो रहा है। कालीबीघा में सड़क और जलनिकासी की समस्या वर्षों पुरानी है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव को एनएच-20 से जोड़ने वाली सड़क अब तक दुरुस्त नहीं हुई है। रास्ते पर नाले का गंदा पानी बहता रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क, जलनिकासी, स्वास्थ्य, शिक्षा, दूध संग्रहण और स्वच्छता की समस्याओं का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

एक नजर

वेतन वृद्धि को लेकर आंगनबाड़ी सेविकाओं का हंगामा

हिलसा। प्रखंड कार्यालय के समक्ष मंगलवार को आंगनबाड़ी सेविकाओं ने वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हंगामा और प्रदर्शन किया। सेविकाओं ने कहा कि लंबे समय से उनके मानदेय में अपेक्षित वृद्धि नहीं की गई है। महंगाई बढ़ने के कारण कम मानदेय में परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो रहा है।सेविकाओं ने बताया कि वे घर-घर जाकर बच्चों और लाभार्थियों से संबंधित विभिन्न कार्यों का निष्पादन करती हैं। इसके बावजूद उनके मानदेय में पर्याप्त बढ़ोतरी नहीं की जा रही है। बढ़ती महंगाई के बीच आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है, जिससे उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।सेविकाओं ने सरकार से मांग की कि उनके मानदेय में बढ़ोतरी के साथ वेतन भत्ते में भी वृद्धि की जाए, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके।

आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं का प्रदर्शन

सरमेरा। प्रखंड क्षेत्र की आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं ने मंगलवार को बाल विकास परियोजना कार्यालय परिसर में विभिन्न मांगों को लेकर एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान। सेविका-सहायिकाओं ने सरकार से बकाया मानदेय सहित अन्य लंबित राशि का शीघ्र भुगतान करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने 5जी मोबाइल रिचार्ज की सुविधा देने, सेविका से महिला पर्यवेक्षिका तथा सहायिका से सेविका की बहाली में नियमों में एकरूपता लागू करने, मानदेय में वृद्धि और पोशाक राशि का भुगतान करने की मांग उठाई। इसके अलावा अन्नप्राशन, गोद भराई, प्रोत्साहन राशि एवं मोबाइल रिचार्ज की लंबित राशि का भुगतान करने की भी मांग की गई।सेविका-सहायिकाओं ने न्यायालय के आदेश के अनुसार ग्रेच्युटी लागू करने की मांग भी रखी। प्रखंड अध्यक्ष रंजना सिन्हा और सचिव गायत्री देवी के साथ सविता कुमारी, शशिकला, आभा कुमारी, पुतुल कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, सपना कुमारी, ललिता कुमारी, निशा रानी व सरोज बाला सहित अन्य सेविका-सहायिकाएं मौजूद थी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से राशि लंबित रहने के कारण आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आग में झुलसे युवक की मौत

बिहारशरीफ। एकंगरसराय थाना क्षेत्र के चकमुसहरी गांव में घरेलू गैस सिलेंडर से लगी आग में गंभीर रूप से झुलसे युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान रामबरन प्रसाद के 36 वर्षीय पुत्र संजीत कुमार के रूप में हुई है। सोमवार को पटना के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। करीब डेढ़ माह तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद हुई इस मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।बताया जाता है कि 14 जून को संजीत कुमार घर में मौजूद था। उसकी पत्नी संगीता देवी के अनुसार, घरेलू गैस सिलेंडर का पाइप लीक था। संजीत जैसे ही लाइटर जलाने लगा, कमरे में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने उसे अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद परिजन उसे इलाज के लिए पटना ले गए, जहां एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। अपर थानाध्यक्ष रूपेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में यूडी केस दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

दवा लेने निकली महिला लापता

बिहारशरीफ। थाना क्षेत्र के धनेश्वर घाट मोहल्ले से 50 वर्षीया महिला बीना देवी के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। बीना देवी कृष्ण यादव की पत्नी हैं। परिजनों के अनुसार, वह सोमवार 24 अगस्त की सुबह करीब 10 बजे बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल से दवा लाने की बात कहकर घर से निकली थीं। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के मोहल्लों में खोजबीन की गई, लेकिन बीना देवी का कोई सुराग नहीं मिला। उनकी पुत्री ने बताया कि उनकी मां मानसिक रूप से थोड़ी कमजोर हैं, जिससे परिवार की चिंता और बढ़ गई है।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में लगा विद्यार्थी सहयोग शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हरनौत। बाजार के गौतम नगर मोहल्ला स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में मं विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्राओं ने पढ़ाई, छात्रवृत्ति, बिजली, पानी, सुरक्षा, भोजन और प्रमाण-पत्र सहित छात्रावास से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा।प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नितेश कुमार रंजन ने कहा कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक समस्याओं के समाधान और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के उद्देश्य से ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। 'सात निश्चय-3' के तहत 'सबका सम्मान, जीवन आसान' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक माह के चैथे मंगलवार को शिविर लगाया जाएगा।शिविर में छात्राओं ने छात्रावास में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। वहीं म्यूजिक, कंप्यूटर और शारीरिक शिक्षा के शिक्षकों की कमी के कारण पढ़ाई में हो रही परेशानी की जानकारी भी अधिकारियों को दी। वार्डेन प्रतिमा कुमारी ने बताया कि विद्यालय में 100 छात्राएं नामांकित हैं, जबकि उन्हें पढ़ाने के लिए मात्र दो शिक्षक उपलब्ध हैं। मौके पर मद्य निषेध अधीक्षक नालंदा, बीआरसी के एमडीएम प्रभारी वीरेंद्र कुमार, प्रधानाध्यापिका अंजू सिन्हा, हरनौत थाना के एसआई नीरज कुमार समेत अन्य अधिकारी व शिक्षक मौजूद रहे। अधिकारियों ने शिकायतों को वरीय पदाधिकारियों तक पहुंचाकर जल्द समाधान का भरोसा दिया। बताया गया कि 17 अगस्त को शुरू विद्यार्थी सहयोग पोर्टल पर भी छात्राएं अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं।

राजगीर में पहली बार श्री राधा-कृष्ण झूलन महोत्सव का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगीर। राजगीर के श्री देवी स्थान प्रांगण में पहली बार श्री राधा-कृष्ण झूलन महोत्सव का भव्य धार्मिक आयोजन सोमवार की देर शाम से शुरू हो गया। पांच दिवसीय यह महोत्सव 28 अगस्त तक धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में आयोजित किया जाएगा। महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है।आयोजन के दौरान भजन-कीर्तन, भगवान श्री राधा-कृष्ण का झूला, भव्य आरती और प्रसाद वितरण समेत कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पांच दिनों तक पूरा परिसर राधे-कृष्ण की भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहेगा।आयोजकों ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण प्रेम, करुणा, धर्म और सत्य के प्रतीक हैं, जबकि राधा जी निस्वार्थ प्रेम और भक्ति की सर्वोच्च भावना का स्वरूप मानी जाती हैं। राधा-कृष्ण का नाम प्रेम, समर्पण और मानवता का संदेश देता है। उनके स्मरण से मन में सकारात्मक ऊर्जा और शांति का संचार होता है।इस अवसर पर राजगीरवासियों से परिवार और इष्ट-मित्रों के साथ महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भगवान श्री राधा-कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की गई।

छह सूत्री मांगों को लेकर सेविका-सहायिकाओं ने प्रखंड कार्यालय पर दिया धरना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

परवलपुर। अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र की सैकड़ों आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं ने प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान सेविका-सहायिकाओं ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए सरकार से मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की। धरना की अध्यक्षता संगठन की अध्यक्ष मंजू सिंह ने की। मौके पर संगठन की सचिव नीरज कुमारी, कोषाध्यक्ष स्वीटी कुमारी सहित बड़ी संख्या में सेविका एवं सहायिका मौजूद रहीं। सेविका-सहायिकाओं ने कहा कि लंबे समय से उनकी विभिन्न मांगें लंबित हैं, जिससे उन्हें आर्थिक एवं अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से बकाया मानदेय का अविलंब भुगतान करने, 5जी मोबाइल रिचार्ज की सुविधा देने तथा सहायिका से सेविका और सेविका से पर्यवेक्षिका की नियुक्ति प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरतने की मांग की।इसके अलावा महंगाई को देखते हुए सेविका-सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी करने तथा उच्च न्यायालय के फैसले को अविलंब लागू करने की मांग भी रखी गई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

नवादा

शिक्षण संस्थानों एवं छात्रावासों में 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिलाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देशानुसार जिले के राजकीय एवं अंगीभूत शिक्षण संस्थानों एवं छात्रावासों में 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' का आयोजन किया गया।
'विद्यार्थी सहयोग शिविर' के माध्यम से विद्यार्थियों की शिक्षा एवं छात्रहित से संबंधित विभिन्न समस्याओं, शिकायतों एवं आवश्यकताओं को प्राप्त किया गया तथा उनके नियमानुसार एवं समयबद्ध समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनके शिक्षण संस्थान एवं छात्रावास स्तर पर ही आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है।
शिविर के दौरान विद्यार्थियों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विद्यार्थी हितकारी योजनाओं, छात्रवृत्ति, प्रमाण-पत्र, शैक्षणिक सुविधाओं एवं अन्य आवश्यक सेवाओं से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। संबंधित पदाधिकारियों एवं संस्थान के प्रधानाचार्य/प्रभारी पदाधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों की समस्याओं को संवेदनशीलता एवं गंभीरता से सुना गया तथा समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की गई।
इसी क्रम में जिले के सभी प्रखंडों के विभिन्न राजकीय एवं अंगीभूत शिक्षण संस्थानों तथा छात्रावासों में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। नवादा सदर प्रखंड अंतर्गत राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, नवादा; केएलएस कॉलेज, नवादा; आरएमडब्ल्यू कॉलेज, नवादा; अल्पसंख्यक बालक छात्रावास, रसूल नगर, नवादा; डॉ. आंबेडकर कल्याण छात्रावास संख्या-01 एवं 02, नवादा; जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास, बुधौल; अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण छात्रावास, बुधौल तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, नवादा में शिविर आयोजित किया गया।

150 महिलाओं की हुई हीमोग्लोबिन जांच

एनीमिया मुक्त बिहार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। बिहार सरकार द्वारा संचालित "एनीमिया मुक्त बिहार" विशेष अभियान के राज्यस्तरीय शुभारंभ के अवसर पर जिला स्वास्थ्य समिति, नवादा के सभागार में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम का लाइव प्रसारण प्रभारी जिला पदाधिकारी-सह-उप विकास आयुक्त नीलिमा साहू की उपस्थिति में किया गया। इसके साथ ही जिला स्वास्थ्य समिति, नवादा के सभागार में महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच, एनीमिया की पहचान एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु विशेष जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी जिला पदाधिकारी-सह-उप विकास आयुक्त ने एनीमिया को महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौती बताते हुए कहा कि इसकी रोकथाम के लिए केवल स्वास्थ्य विभाग ही नहीं, बल्कि समाज के सभी स्तरों पर जागरूकता एवं सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने समय पर हीमोग्लोबिन जांच, एनीमिया की शीघ्र पहचान, आयरन युक्त पौष्टिक आहार, आयरन-फोलिक एसिड के नियमित सेवन तथा आवश्यकतानुसार उचित उपचार एवं रेफरल पर विशेष जोर दिया। विशेष जांच शिविर के दौरान लगभग 150 महिलाओं की हीमोग्लोबिन जांच की गई। जिन महिलाओं का हीमोग्लोबिन स्तर 8 ग्राम से 11 ग्राम के बीच पाया गया, उन्हें आवश्यक परामर्श के साथ आयरन-फोलिक एसिड की गोलियां उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. विनोद चौधरी, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. योगेंद्र कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अमित कुमार एवं जिला सामुदायिक उत्प्रेरक गजेंद्र कुमार सहित जिला स्वास्थ्य समिति के पदाधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

साइबर अपराध से बचाव को लेकर विद्यार्थियों को किया जागरूक

कौआकोल। साइबर अपराध से बचाव एवं लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को बापू इंटर विद्यालय पाण्डेयगंगौट में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रूपौ थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों एवं उससे बचने के उपायों की जानकारी दी। थानाध्यक्ष ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल,ओटीपी मांगने,फर्जी लिंक भेजने, सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराध तथा बैंकिंग से जुड़ी धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी, एटीएम पिन, पासवर्ड अथवा बैंक खाते से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि साइबर अपराध से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल अपने परिजनों एवं पुलिस को दें। साथ ही सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने और अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने की सलाह दी। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने साइबर अपराध से जुड़े सवाल भी पूछे, जिनका थानाध्यक्ष ने सरल तरीके से जवाब दिया।

साउथ सिटी में सावन महोत्सव का आयोजन

रजौली। रजौली प्रखंड मुख्यालय के एनएच-20 किनारे स्थित साउथ सीटी इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को सावन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के निदेशक रविंद्र कुमार ने की। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख बब्लू यादव, पत्रकार संघ के अध्यक्ष कुमार मनीष देव व सनोज कुमार भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान का गायन किया गया। साथ ही सरस्वती वंदना का गायन बीरेंद्र सिंह के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा एक से बढ़कर एक मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोक गीत,संगीत,शिव आरती,नाट्य समेत अन्य को देख दर्शकों द्वारा तालियों की गड़गड़ाहट से स्कूल परिसर गूंज उठा। मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को संबोधित करते स्कूल प्रबंधन को सहयोग करने की अपील की। साथ ही कहा कि साउथ सीटी द्वारा रजौली के बच्चों को बीते 14 वर्षों से बेहतर शिक्षा प्रदान करके बेहतर भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान गणमान्य अतिथियों के द्वारा हिंदुस्तान ओलम्पियाड प्रतिभागी सोनू, निहारिका, आयुष,सन्नी, दिव्यांशु,पल्लवी, तायेबा,अंश और स्नेहा को प्रशस्ति पत्र के साथ अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावे स्वतंत्रता दिवस के दौरान परेड में शामिल टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे कमांडर मो. अज्जाज को अनुमंडल प्रशासन की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं स्कूल के निदेशक रविंद्र कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए अभिभावकों से अपील किया कि बच्चे स्कूल में दिन के मात्र आठ घंटे समय व्यतीत करते हैं और शेष समय परिजनों के साथ व्यतीत करते हैं। इसलिए घर में बच्चों के पीछे थोड़ा समय देने से सोने पर सुहागा का काम करेगा। वहीं अभिभावकों ने भी निदेशक की बातों का जोरदार तालियां बजाकर स्वागत किया। इस मौके पर प्राचार्य ई. पवन कुमार,उप प्राचार्य इंदु देवी, शिक्षक प्रमोद कुमार, बीरेंद्र सिंह, अभिषेक कुमार, पिंटू कुमार पाण्डेय, रविराज, नीरज कुमार निशांत, अंकित कुमार, मधु कुमारी, मालती कुमारी, शगुफ्ता, आलम आरा, खुशी कुमारी,अर्चना कुमारी समेत सैकड़ों परिजन और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बापू इंटर विद्यालय पाण्डेयगंगौट में विद्यार्थी सहयोग शिविर का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। प्रखण्ड के बापू इंटर विद्यालय पांडेयगंगौट में मंगलवार को शिक्षा विभाग की ओर से विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन जिला योजना पदाधिकारी सह प्रखण्ड के वरीय पदाधिकारी विनय कुमार एवं प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी अजित कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि विद्यार्थी सहयोग शिविर का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को शिक्षा से जुड़ी विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का समाधान करना है। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को विभागीय स्तर पर संचालित योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ शिक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था,विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन एवं विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं को लेकर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में बापू इंटर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अजय कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पहले दिन आधा दर्जन घरों पर चला बुलडोजर

रजौली में शुरू हुआ एनएच-20 अतिक्रमणमुक्त अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मंगलवार से रजौली थाना क्षेत्र के एनएच-20 किनारे अतिक्रमणमुक्त अभियान की शुरुआत हो गई। पहले दिन प्रशासन की टीम ने अंधरवारी गांव में कार्रवाई करते हुए लगभग आधा दर्जन घरों को बुलडोजर से तोड़कर सड़क को अतिक्रमणमुक्त किया। अभियान के दौरान सीओ मो. गुफरान मजहरी, गाबर कंस्ट्रक्शन के प्रोजेक्ट मैनेजर राजेंद्र कुमार त्रिपाठी, पीटीसी उपेंद्र कुमार के साथ सशस्त्र पुलिस बल मौजूद रहे। कुछ घरों के मालिकों ने प्रशासन से सामान हटाने के लिए दो-तीन दिन का अतिरिक्त समय मांगा है। अंधरवारी निवासी दिनेश कुमार ने बताया कि उन्हें पहले ही मकान खाली करने की नोटिस मिल चुकी थी। ग्रामीण राकेश चौधरी और राजेश कुमार ने कहा कि उन्होंने अतिक्रमण वाले हिस्से से सामान हटाने के लिए प्रशासन से 2-3 दिन का समय लिया है। वहीं ग्रामीण पप्पू कुमार का कहना है कि उनके घर के अतिक्रमण वाले हिस्से को भी बुलडोजर से तोड़ दिया गया। ग्रामीणों ने सरकार से उचित मुआवजे की मांग की है। प्रोजेक्ट मैनेजर राजेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि एनएच-20 के सेंटर से 100 फीट अथवा नाले से 25 फीट तक के दायरे में जितना भी अतिक्रमण है उसे हटाया जा रहा है।
उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने से लोगों को नोटिस देकर अतिक्रमण हटाने को कहा जा रहा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब मजबूरन बुलडोजर चलाना पड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग समय मांग रहे हैं, अगर 29 अगस्त तक स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाते हैं तो 29 अगस्त को प्रशासन द्वारा बुलडोजर से कार्रवाई की जाएगी। यह अतिक्रमणमुक्त अभियान 25 अगस्त से शुरू होकर 30 अगस्त तक लालू मोड़ से हरदिया मोड़ तक चलाया जाएगा।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम एवं बैठक का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज,नवादा। नारदीगंज कालेज परिसर में मंगलवार को कालेज के पूर्व सचिव सह बिक्कू निवासी पूर्व मुखिया स्व. वीरेन्द्र प्रसाद सिंह जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम एवं बैठक का आयोजन किया गया। अध्यक्षता नारदीगंज डिग्री कालेज के प्राचार्य रामानुज प्रसाद ने की। इस अवसर पर कालेज के समस्त कर्मचारियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और संस्थान की उन्नति में उनके योगदान को याद किया। पुण्यतिथि के इस अवसर पर कालेज परिवार ने सर्वसम्मति से प्राचार्य को एक मांग पत्र सौंपा। इसमें कालेज परिसर में स्व. वीरेन्द्र प्रसाद सिंह की एक प्रतिमा (आदमकद मूर्ति) स्थापित करने की मांग की गई है। कर्मचारियों ने कहा कि स्व. वीरेन्द्र प्रसाद सिंह ने संस्था के विकास, क्षेत्रीय शिक्षा के प्रसार और कालेज को उच्च मुकाम तक पहुंचाने में अपना अमूल्य और अविस्मरणीय योगदान दिया है। उनके कुशल मार्गदर्शन के कारण ही आज नारदीगंज कालेज इस क्षेत्र में शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बन सका है। कर्मचारियों ने कहा कि उनकी प्रतिमा स्थापित होने से आने वाली पीढ़ियों को उनके विचारों और शिक्षा के प्रति समर्पण से प्रेरणा मिलेगी। कर्मचारियों ने प्राचार्य से जनभावनाओं का आदर करते हुए जल्द से जल्द प्रतिमा स्थापना की सहमति देने की अपील की है।

कमीशन खोरी को लेकर मुखिया ने डीडीसी को दिया आवेदन

नारदीगंज (नवादा)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नारदीगंज प्रखंड की हंडिया पंचायत में 15वें वित्त आयोग की विकास योजनाओं पर कमीशनखोरी का गंभीर मामला सामने आया है। मुखिया अजय पंडित ने नवादा के उपविकास आयुक्त को आवेदन सौंपकर आरोप लगाया है कि पंचायत सचिव (5%), कनीय अभियंता (5%), बीपीआरओ (2%) और लेखापाल (1%) मिलकर कुल 13% कमीशन की मांग कर रहे हैं। कमीशन देने से मना करने पर अधिकारियों ने नई विकास योजनाओं की स्वीकृति पर रोक लगा दी है, जिससे पंचायत में विकास कार्य ठप हो गए हैं। कमीशनखोरी के इस पेंच की वजह से वार्ड 13 में ढक्कनयुक्त नाली निर्माण (योजना सं.- 112668625) और वार्ड 12 में पेवर ब्लॉक सोलिंग कार्य (योजना सं.- 11266751115) जैसी कई महत्वपूर्ण जनहित योजनाएं अधर में लटक गई हैं। मुखिया ने डीडीसी से योजनाओं को अविलंब स्वीकृति देने और भ्रष्ट आचरण में लिप्त पंचायत सचिव तथा कनीय अभियंता के तुरंत स्थानांतरण की मांग की है। दूसरी तरफ, पंचायत की कनीय अभियंता अर्चना कुमारी और पंचायत सचिव रवि कुमार ने मुखिया के सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि मुखिया को पंचायत के विकास से कोई लेना-देना नहीं है। योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए उन्हें कई बार फोन किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव करना तक जरूरी नहीं समझा।

गयाजी में 94.5 करोड़ की लागत से बन रहा भव्य धर्मशाला, मई 2027 तक होगा तैयार

डॉ. प्रेम कुमार ने किया निर्माणाधीन धर्मशाला का निरीक्षण, 1080 श्रद्धालुओं के ठहरने की होगी व्यवस्था

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने मंगलवार को गयाजी अंतर्गत कालरा अस्पताल के निकट 94.5 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन भव्य धर्मशाला का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से निर्माण की गुणवत्ता, प्रगति एवं निर्धारित समय-सीमा की विस्तृत जानकारी ली। डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि गयाजी धर्मशाला का निर्माण 4.38 एकड़ क्षेत्रफल में कराया जा रहा है। वर्तमान में निर्माण कार्य लगभग 46 प्रतिशत पूरा हो चुका है और पूरे भवन का निर्माण कार्य मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि गयाजी विश्व प्रसिद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक नगरी है जहां वर्षभर देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं। विशेष रूप से 17 दिनों तक चलने वाले विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला के दौरान लाखों श्रद्धालु अपने पितरों का पिंडदान एवं तर्पण करने के लिए गयाजी आते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं के लिए बेहतर, व्यवस्थित और आधुनिक आवासन सुविधा उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। निर्माणाधीन धर्मशाला श्रद्धालुओं के लिए बड़ी सौगात साबित होगी। डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि निर्माणाधीन धर्मशाला में एक साथ 1080 श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। भवन का निर्माण जी प्लस फाइव संरचना के रूप में किया जा रहा है। परियोजना के तहत ग्राउंड फ्लोर पर लगभग 230 कारों की पार्किंग, मोटरसाइकिल पार्किंग तथा 18 बसों के पार्किंग की व्यवस्था होगी। प्रथम तल पर 25 पांच-बेड डॉरमेट्री और एक तीन-बेड डॉरमेट्री का प्रावधान किया गया है। वहीं द्वितीय से पंचम तल तक प्रत्येक तल पर 12 दो-बेड गेस्ट रूम, 38 पांच-बेड डॉरमेट्री तथा 8 तीन-बेड डॉरमेट्री की व्यवस्था रहेगी। कर्मचारियों एवं चालकों के ठहरने के लिए अलग से ड्राइवर शेड का भी निर्माण कराया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए धर्मशाला परिसर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। यहां कॉमन डाइनिंग एरिया, सामान्य जरूरतों की दुकान, सेंट्रल कोर्टयार्ड, पर्याप्त संख्या में बाथरूम एवं शौचालय, लिफ्ट, एचवीएसी सिस्टम तथा सोलर व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा पूरे परिसर में बाउंड्री वॉल और मुख्य द्वार, बेहतर ड्रेनेज सिस्टम, एसटीपी तथा समग्र कैंपस डेवलपमेंट का भी प्रावधान किया गया है। इससे श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि पितृपक्ष मेला के दौरान गयाजी आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह धर्मशाला आवासीय सुविधा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। इससे न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर ठहराव की सुविधा मिलेगी, बल्कि गयाजी की धार्मिक और आध्यात्मिक प्रतिष्ठा को भी और मजबूती मिलेगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए तथा परियोजना को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि गयाजी का विकास और यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। मौके पर महेश लाल गुप्त, राजन लाल सिजुआर, बिरेन लाल ढेढी, गोविंद लाल पाठक, कमल लाल बारीक, मुना लाल पाठक, मंडल अध्यक्ष धनंजय कुमार धीरू, विकास कुमार, मोहन राय शर्मा, गोपीनाथ प्रसाद, सुनील रविदास, उमाशंकर टेंपो, टिंकू गोस्वामी, राजनंदन प्रसाद गांधी, विक्की शर्मा, वेद प्रकाश, पप्पू कुमार, राम लगन प्रसाद, अभियंता राजकुमार प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

15 दिनों में सुधरेगी अस्पताल की व्यवस्था या होगी कार्रवाई : एसडीओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। शेरघाटी अनुमंडलीय अस्पताल की बदहाल व्यवस्था अब नए एसडीओ जतिन कुमार के निशाने पर आ गई है। मंगलवार की संध्या अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीओ ने गंदगी, दुर्गंध और बदहाल शौचालय व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से स्पष्ट पूछा कि आखिर सभी कमियों को दूर करने में कितना समय लगेगा। इस पर अस्पताल की उपाधीक्षक ने व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए 15 दिनों का समय मांगा है। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने ओपीडी, एक्स-रे, कार्यालय, इमरजेंसी कक्ष, प्याऊ, शौचालय और यूरिनल का जायजा लिया। प्याऊ के पास फैली गंदगी, जमा पानी और गंदे शौचालय को देखकर उन्होंने कहा कि केवल फर्श की सफाई कर देने से अस्पताल साफ नहीं हो जाता। अस्पताल का हर कोना स्वच्छ और दुर्गंध रहित होना चाहिए। एसडीओ ने कहा कि मरीज और उनके परिजन स्वस्थ होने की उम्मीद लेकर अस्पताल पहुंचते हैं, लेकिन इतनी बड़ी व्यवस्था और भवन के बावजूद अस्पताल की बदहाल स्थिति उचित नहीं है।

विश्वास और पारदर्शिता डेयरी सहकारी समितियों के विकास का मुख्य आधार : कपिल अशोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया/कोलकाता। बिहार सरकार के डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव तथा कॉम्फेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक कपिल अशोक, आईएएस ने कहा कि विश्वास और पारदर्शिता डेयरी सहकारी समितियों के सतत विकास का मुख्य आधार है। उन्होंने कहा कि कॉम्फेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों द्वारा दुग्ध उत्पादकों के दूध खरीद मूल्य का सीधे बैंक खातों में हस्तांतरण कर पारदर्शिता और विश्वास को मजबूत किया जा रहा है। वे कोलकाता में राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम के तहत आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के सहकारी डेयरी महासंघों एवं दुग्ध संघों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। कार्यशाला में डीटीसी-जेआईसीए परियोजना की समीक्षा के दौरान निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में बिहार के दुग्ध संघों का प्रदर्शन राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर पाया गया। दूध खरीद, विपणन, प्रसंस्करण सुविधाओं, कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर तथा पशुओं की दुग्ध उत्पादकता बढ़ाने के क्षेत्र में बिहार की उपलब्धियों की सराहना की गई। कार्यशाला में श्वेत क्रांति 2.0 के तहत नई डेयरी सहकारी समितियों के गठन एवं पंजीकरण तथा डेयरी विकास पोर्टल पर डेटा अपडेट की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर केंद्र एवं विभिन्न राज्यों के डेयरी विभागों, दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गया कॉलेज में 27 अगस्त को 'खेलो इंडिया संवाद'

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी होंगे मुख्य अतिथि, पीएम मोदी का होगा वर्चुअल संबोधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में 27 अगस्त को गया कॉलेज में 'खेलो इंडिया संवाद-खेल की बात, प्रधानमंत्री के साथ' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा 'मेरा युवा भारत' के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा।

गया कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्र ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद कॉलेज में 'स्थानीय युवा संवाद' आयोजित होगा जिसमें वर्ष 2036 के ओलंपिक की तैयारी, खेल इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और युवा नेतृत्व जैसे विषयों पर परिचर्चा की जाएगी। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को 'माइ भारत' पोर्टल से जुड़ने और 'विकसित भारत यूथ लीडर्स संवाद क्विज' में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

बीइओ के अतिरिक्त प्रभार को लेकर विवाद, पूर्व उप प्रमुख ने दी अनशन की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच (गया)। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के अतिरिक्त प्रभार को लेकर विवाद गहरा गया है। पूर्व उप प्रमुख किशोर कुमार ने जिला शिक्षा पदाधिकारी, गया को पत्र लिखकर टिकारी के बीईओ डॉ. अभय कुमार रमण से कोंच का अतिरिक्त प्रभार एक सप्ताह के अंदर वापस लेने की मांग की है। मांग पूरी नहीं होने पर कोंच प्रखंड कार्यालय पर अनिश्चितकालीन आमरण अनशन की चेतावनी दी है। अपने पत्र में किशोर कुमार ने कहा है कि जिले के 21 प्रखंडों में पर्यवेक्षक रैंक के पदाधिकारियों को बीईओ के पद पर प्रतिनियुक्त किया गया था। सचिव, शिक्षा विभाग के पत्रांक में भी पर्यवेक्षकों को ही बीईओ बनाने का आदेश है। इसके बावजूद पूर्व अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी संतोष कुमार सिंह को हटाकर टिकारी बीईओ डॉ. अभय कुमार रमण को कोंच का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया जबकि किसी अन्य प्रखंड में पर्यवेक्षक को हटाकर बीईओ को अतिरिक्त प्रभार नहीं दिया गया है। आरोप है कि इनके आने से शिक्षकों में असंतोष है और क्षेत्र भ्रमण के नाम पर दलाल रखकर आर्थिक दोहन किया जा रहा है। पत्र की प्रतिलिपि जिलाधिकारी गया और अनुमंडल पदाधिकारी टिकारी को भी भेजी गई है।

वार्षिक आमसभा में नारी सशक्तीकरण और कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

इमामगंज। प्रखंड के टाउन हॉल में प्रगति जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, इमामगंज की वार्षिक आमसभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक रामाश्रय सिंह तथा समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं निदेशक मंडल के सदस्यों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर की। वहीं आमसभा को संबोधित करते हुए बीडीओ संजय कुमार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और नारी सशक्तीकरण की दिशा में जीविका की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने महिलाओं को कुटीर उद्योग से जोड़कर स्वरोजगार को बढ़ावा देने पर जोर दिया। वहीं कार्यक्रम के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट प्रस्तुत किया गया। संजीव कुमार मंडल ने समिति का वार्षिक प्रतिवेदन पढ़कर उपस्थित सदस्यों को पिछले वर्ष की गतिविधियों एवं वित्तीय स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रगति जीविका को बीते एक वर्ष में ब्याज के रूप में 11 लाख 77 हजार 114 रुपये की आय प्राप्त हुई। इसके साथ ही वार्षिक आय-व्यय का लेखा-जोखा भी सभा में प्रस्तुत किया गया। वहीं वार्षिक आमसभा में प्रगति जीविका से जुड़ी सैकड़ों महिलाएं शामिल हुईं।

राकेश कुमार सिंह बने गया के नए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। न्यायिक प्रशासन में महत्वपूर्ण बदलाव के तहत राकेश कुमार सिंह को गया का नया प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। उन्होंने मंगलवार को जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम शशिकांत ओझा से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद का विधिवत प्रभार ग्रहण किया। प्रभार ग्रहण करने के बाद न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नवपदस्थापित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार सिंह का स्वागत किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। न्यायिक क्षेत्र में उनके पदभार ग्रहण करने को गया न्यायमंडल के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनसे न्यायिक कार्यों के सुचारू संचालन, मामलों के त्वरित निष्पादन तथा न्याय तक आम लोगों की सहज पहुंच को और मजबूत करने की उम्मीद की जा रही है।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में उनके समक्ष न्यायिक कार्यों के प्रभावी संचालन के साथ-साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से जरूरतमंद एवं वंचित लोगों तक निःशुल्क विधिक सहायता पहुंचाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां होंगी। राकेश कुमार सिंह के पदभार ग्रहण करने के साथ ही गया न्यायमंडल में न्यायिक प्रशासन की नई कार्यदिशा को लेकर उम्मीदें बढ़ी हैं।

पंचमुखी धाम निर्माण की रखी नींव, भूमि पूजन में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। चित्तौखर गांव स्थित पंचमुखी धाम को विकसित करने की दिशा में सोमवार को महत्वपूर्ण पहल की गई। धाम के निर्माण कार्य की शुरुआत को लेकर विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन कराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम में टिकारी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी सुमंत कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता हिमांशु शेखर समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। धार्मिक आयोजन में अयोध्या से कथा वाचक निर्मला शास्त्री, वृंदावन से राधा कुसुम लता और वाराणसी से रिया यादव भी पहुंचीं। संतों और कथा वाचकों के आगमन से समारोह का वातावरण भक्तिमय बना रहा। भूमि पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने धाम के निर्माण को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। आयोजकों ने कहा कि पंचमुखी धाम को धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। इसके लिए निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

बुलेट सहित चोर गिरफ्तार, गया जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुरारू। थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार ने चोरी का बुलेट सहित महिमापुर गांव के प्रिंस कुमार पिता स्वर्गीय जितेन्द्र पासवान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त युवक द्वारा चोरी का बुलेट इस्तेमाल किया जा रहा है। छापमारी करने पर उक्त बुलेट को बरामद करते हुए उक्त नवयुवक को पूछताछ के लिए थाना पर लाया गया और बुलेट की नम्बर की जांच पड़ताल की गई तो पाया गया कि नम्बर और चेचिस नंबर एवं इंजन नंबर में काफी अंतर है और यह बुलेट औरंगाबाद जिला अंतर्गत दाउद नगर के व्यक्ति का है जो पिछले वर्ष चोरी हो गया था और दाउद नगर थाना में प्रथमिकी दर्ज की जा चुकी है।

दो पक्षों में मारपीट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच (गया)। प्रखंड की कोराप पंचायत अंतर्गत भीखनपुर मंदिर के समीप सोमवार शाम करीब 7 बजे दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। बताया जाता है कि यह झड़प छतीहर-जमालपुर और भीखनपुर गांव के लोगों के बीच हुई। दोनों गांवों के तीन-तीन युवक कुल छह लोग आपस में भिड़ गए। कहासुनी से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। इस मारपीट में भीखनपुर गांव निवासी गोरे लाल पासवान गंभीर रूप से घायल हो गए, उनका दो-तीन दांत टूट गए। स्थानीय लोगों के सहयोग से सीएचसी कोंच में इलाज हेतु भर्ती कराया गया जहां से डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज गया रेफर किया। घटना के बाद पीड़ित पक्ष द्वारा मंगलवार सुबह कोंच थाने में आवेदन दिया। इस संबंध में कोंच थानाध्यक्ष आलोक रंजन ने बताया कि मामले की जांच कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

पहली पत्नी के रहते पति ने रचाई दूसरी शादी

महिला ने थाना में लगाई न्याय की गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। आंती थाना क्षेत्र के काबर निवासी एक महिला ने अपने पति पर पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी करने और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पीड़िता सबीहा खातून ने महिला थाना चंदौती में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदिका के अनुसार उसकी शादी 2013 में आंती थाना क्षेत्र के काबर निवासी अफरोज आलम से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद पति उसे काबर में छोड़कर जशपुर, छत्तीसगढ़ चला गया जहां उसकी बिरयानी की दुकान है। तीन साल बाद साथ ले जाने पर भी पूरा अधिकार नहीं दिया और मारपीट करता रहा। पीड़िता का आरोप है कि पति ने उसकी पिटाई की जिससे सातवें महीने में हुआ उसका बच्चा एक सप्ताह में मर गया। बाद में पति ने मायके भेज दिया और 5 लाख रुपये की मांग करने लगा। पैसा नहीं देने पर बहन के कहने पर बिना बताए दूसरी शादी कर ली। महिला ने बताया कि 20 दिन पूर्व जशपुर महिला थाने में भी आवेदन दिया था, लेकिन पति ने साथ रखने से इनकार कर दिया। पीड़िता ने पति पर उसका सारा डॉक्यूमेंट रखने का भी आरोप लगाया है। मंगलवार को इस संबंध में महिला थाना के थानाध्यक्ष रूपा कुमारी ने बताया कि कांड संख्या 76/26 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

रक्षाबंधन को लेकर मझौली बाजार में बढ़ी चहल-पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डुमरिया। डुमरिया प्रखंड के मझौली बाजार में रक्षाबंधन पर्व को लेकर चहल-पहल बढ़ गई है। बाजार में राखी, मिठाई और पूजा सामग्री की दुकानों पर खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही बढ़ रही है। बहनें अपने भाइयों के लिए पसंदीदा राखी खरीदने में जुटी हैं। वहीं दुकानदारों ने भी त्योहार को लेकर विशेष तैयारियां की हैं। रक्षाबंधन को लेकर पूरे मझौली बाजार में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है।

विद्यार्थी सहयोग शिविर के वर्चुअल शुभारंभ में शामिल हुए विद्यार्थी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खिजरसराय। सात निश्चय-3 के अंतर्गत 'सबका सम्मान, जीवन आसान' अभियान के तहत आयोजित विद्यार्थी सहयोग शिविर का वर्चुअल शुभारंभ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, वैशाली से किया गया। इस अवसर पर गया अभियंत्रण महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं पदाधिकारी भी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. द्वारिका दास नीमा ने कहा कि विद्यार्थी सहयोग शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को आवश्यक सहयोग एवं सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए उनके शैक्षणिक और समग्र विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम में निमचक बथानी के डीसीएलआर एवं मजिस्ट्रेट संतोष कुमार सुमन, नोडल पदाधिकारी डॉ. कृष्णा प्रसाद, को-कॉर्डिनेटर प्रो. श्वाती, चीफ वार्डन प्रो. रंजीत कुमार चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा
सहिजना मोड़, गढ़वा (झारखण्ड) पिन नं० 822114 Email : eedwsd.garhwa1@gmail.com

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या DWSD/GAR-CT-09/2026-27 (1st Call)
दिनांक–24.08.2026

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा।
3. परिमाण विपत्र विभागीय वेबसाईट पर ऑपलोड/डाउनलोड की तिथि/समय :– **03.09.2026** को 12:30 बजे अपराहन में।
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/समय :– **11.09.2026** को 3:30 बजे अपराहन् तक।
5. निविदा खोलने की अंतिम तिथि/समय :– **12.09.2026** को 04.00 बजे अपराहन में ।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थानः– विभागीय वेबसाईट dwsd.jharkhand.gov.in से download किया जा सकता है।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा का कार्यालय।
8. निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा का कार्यालय।

क्र0 सं0	कार्य की विवरणी	सरकारी विद्यालय की सं0	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि।
1	2	3	4	5	6	7
01	09 सरकारी विद्यालयों में शौचालय का निर्माण (प्रखण्ड– बड़गड़, रंका एवं चिनियां) ग्रुप संख्या –BRC-1	09 अदद	1716876.00	35000.00	5000.00	30 (तीस) दिन
02	10 सरकारी विद्यालयों में शौचालय का निर्माण (प्रखण्ड– खरौन्धी, गढ़वा, नगर उँटारी एवं रमना) ग्रुप संख्या –KGNR-2	10 अदद	1907640.00	39000.00	5000.00	30 (तीस) दिन

नोटः– निविदा की शर्त्तें एवं परिमाण विपत्र विभागीय वेबसाईट dwsd.jharkhand.gov.in से download किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,
गढ़वा।

PR.NO.388417 Drinking Water and Sanitation(26-27):D

पूर्व मध्य रेल
ई. निविदा सूचना
ई–निविदा नोटिस सं०–35 ऑफ 2026–27/खुला/ इंजीनियरिंग, डीडीयू

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारो से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है।

1. **निविदा सं०–36–डीडीयू– मं०इंजी० – मुख्यालय – 26–27, कार्य का नाम एवं लोकेशन :** सहायक मंडल इंजीनियर/मुख्यालय/डीडीयू के अधीन मानसरोवर तालाब से गया कॉलोनी तक सड़क और नाली के ढक्कन का निर्माण। **कार्य का अनुमानित लागत :** ₹ 46499418.77, **धरोहर राशि :** ₹ 930000.00
2. **निविदा सं०–37–डीडीयू– मं०इंजी० – मुख्यालय – 26–27, कार्य का नाम एवं लोकेशन :** सहायक मंडल इंजीनियर/मुख्यालय/डीडीयू के अधीन डीडीयू में प्लांट डिपो कॉलोनी में टाइप– IV के 07 स्टाफ क्वार्टरों को बदलने का काम। **कार्य का अनुमानित लागत :** ₹ 27475306.90, **धरोहर राशि :** ₹ 549500.00
3. **निविदा सं०–41–डीडीयू– मं०इंजी० – मुख्यालय – 26–27, कार्य का नाम एवं लोकेशन :** सहायक मंडल इंजीनियर/मुख्यालय/डीडीयू के अधीन ETTC डीडीयू में खेल सुविधाओं में सुधार। **कार्य का अनुमानित लागत :** ₹ 3120012.56, **धरोहर राशि :** ₹ 62400.00,
4. **निविदा सं०–43–डीडीयू– मं०इंजी० – मुख्यालय – 26–27, कार्य का नाम एवं लोकेशन :** सहायक मंडल इंजीनियर/मुख्यालय/डीडीयू के अधीन ABSS/स्टेशनों के पुनर्विकास के तहत डीडीयू स्टेशन पर दूसरे प्रवेश द्वार की तरफ (दक्षिण दिशा) पहुंच मार्ग (अप्रोच रोड) का सुधार और चौड़ीकरण। **कार्य का अनुमानित लागत :** ₹ 84278315.52, **धरोहर राशि :** ₹ 1685600.00,

ई–निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय: 15.09.2026 को 12:00 बजे तक। **वेबसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी :** www.ireps.gov.in **नोट :** विवाद की स्थिति में अंग्रजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक, पं० दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/0788/डी०डी०यू०/ईएनजीजी/टी/26–27/60

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Road Construction Department, Road Division, Daltonganj
e-Procurement Notice
e-Tender Ref No-7/RCD/Daltonganj/2026-27/ 1055
Dated:- 19.08.2026

1.	Name of Work	**Construction of RCC Drain in Panki Chowk to Chandrapura More in 1 st Km for the year 2026-27.**
2.	Estimated Cost	**Rs. 79,90,124.00 (Rupees Seventy Nine Lakhs Ninety Thousand One Hundred Twenty Four) Only.**
3.	Bid Security (Amount)	**Rs. 1,60,000.00 (Rupees One Lac Sixty Thousand) Only.**
4.	Time of Completion	**03 Months**
5.	Date of Publication of Tender on Website	**27.08.2026, 10:30 AM**
6.	Last Date/Time of Online Bid Submission	**16.09.2026, 12:00 Noon**
7.	Date and Time of Bid opening	**18.09.2026, 12:30 PM**
8.	Bid (Tender Fee & EMD) Submission Address	**Cost of bidding document (for a non refundable fee) & Bid security as indicated shall be payable online through http://jharkhandtenders.gov.in**
9.	Name & address of officer Inviting tender	**Executive Engineer, R.C.D., Road Division, Daltonganj.** 06562–225019
10.	E-mail Id	**eercdmedini-jhr@nic.in**
11.	Helpline number of eProcurement cell	**0651-2401010**

Note : Estimated amount may vary.
For further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in.

Executive Engineer
Road Construction Department
Road Division, Daltonganj.

PR 388463 District(26-27)D

Office of the Principal District & Session Judge, Palamau at Daltonganj
Tender Notice
Inviting of Tender for regular maintenance of toilets and cleanliness in the Judgeship of Palamau at Daltonganj

Pursuant to Letter No. 166/Admn Misc. dated 15.05.2026 from the Hon'ble High Court of Jharkhand, a Committee was constituted vide Misc. Order No. 119/2026 dated 18.06.2026 to engage professional outsourcing agencies for cleanliness and maintenance of toilets/washrooms of Judgeship of Palamau at Daltonganj. The Committee has resolved to invite proposals from outsourcing agencies for engaging professional outsourcing agencies on a contract basis to provide services for regular maintenance, cleanliness, and upkeep of toilets/washrooms in the Judgeship, including the premises of Civil Court, Palamau at Daltonganj by employing modern cleaning methods and machinery.

Accordingly, sealed proposals are hereby invited from outsourcing professional agencies having requisite experience and resources to undertake the work of cleanliness and maintenance of toilets/washrooms at the following Court premises:

1. Civil Court, Palamau at Daltonganj — 2 Blocks (20 Court Building, 5 Court Building)

Interested agencies are required to submit their proposals along with details of manpower, cleaning equipment, methodology, and financial quotation prepared after visiting the Court premises to assess the requirements (pre-bid site inspection) from **31.08.2026 to 02.09.2026** during which necessary assistance will be provided for convenience.

The required Tender/Proposal must be submitted in sealed cover addressed to the undersigned on or before **05.09.2026**. Proposals received after the last date shall not be entertained.

Email-
palamaujudgeship@gmaiL.com

Registrar-cum-Chaiman,
Engagement of Outsourcing Professional Agencies,
Civil Courts, Palamau at Daltonganj

PR 388432 District(26-27)D

संपादकीय

आरोपों में घिरे मनन मिश्रा

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) जैसी प्रतिष्ठित और वैधानिक संस्था के अध्यक्ष का विवादों में घिरना वाकई चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। बीसीआई के लंबे समय से अध्यक्ष के रूप में जमे मनन मिश्रा से संस्था के भीतर से ही इस्तीफे की मांग उठी है। इसके पहले प्रधान न्यायाधिपति सूर्यकांत की एक टिप्पणी के संदर्भ में तेलंगाना बार काउंसिल को जारी एक आदेश और बाद में उसे वापस लेने के मामले में भी मिश्रा विवादों में घिरे हैं। इस मामले में तो सीजेआई सूर्यकांत ने भी उन्हें फटकार लगाई थी। लेकिन ताजा आरोपों में उन पर आर्थिक भ्रष्टाचार और परिवारवाद को बढ़ावा देना भी शामिल है। हालांकि मनन मिश्रा ने इन सब आरोपों को राजनीतिक कहकर खारिज कर दिया है, लेकिन इससे उनके दामन पर पड़े छींटे धुल नहीं जाते। खास बात यह है कि मनन मिश्रा पर यह आरोप बीसीआई के सह अध्यक्ष वाईआर सदाशिव रेड्डी ने लगाए हैं और मिश्रा से तुरंत इस्तीफा देने की मांग की है। इससे मिश्रा के खिलाफ बीसीआई का भीतरी असंतोष भी सतह पर आ गया है। रेड्डी ने कहा कि 'द बार डिजर्व्स बेटर' यानी वकीलों को इससे बेहतर नेतृत्व मिलना चाहिए। रेड्डी ने मिश्रा के इस्तीफे की मांग के पीछे कई गंभीर आरोप और मुद्दे गिनाए हैं। इनमें नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद के छात्रों के खिलाफ BCI की कार्रवाई, करीब 150 करोड़ रुपये की धनराशि के कथित डायवर्जन, परिवार के सदस्यों की नियुक्तियों से जुड़े आरोप और BCI के कामकाज को लेकर उठे सवाल शामिल हैं। रेड्डी ने इस संबंध में लिखे पत्र में कहा है कि चुप रहना इस देश के वकीलों द्वारा मुझ पर जताए गए भरोसे के साथ विश्वासघात के समान होगा। रेड्डी ने कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं है, बल्कि यह अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के तहत स्थापित एक वैधानिक संस्था है। उन्होंने कहा कि बीसीआई के पास देश के लाखों वकीलों के योगदान से जुटाई गई धनराशि है और यह कानूनी पेशे में प्रवेश को नियंत्रित करने वाली नियामक शक्तियों का इस्तेमाल करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि BCI की धनराशि और उसकी शक्तियों का इस्तेमाल संस्था और पूरे वकालत समुदाय के हित में होना चाहिए, न कि उस व्यक्ति के लिए जो चेयरमैन के पद पर बैठा है। उन्होंने मनन मिश्रा से 15 दिनों के भीतर अपने पद से इस्तीफा देने और बीसीआई की एक विशेष बैठक बुलाकर पत्र में उठाए गए मुद्दों पर विचार करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने बीसीआई और बीसीआई ट्रस्ट पर्ल फर्स्ट के खातों का विशेष ऑडिट कराने की भी मांग की है। रेड्डी ने यह भी कहा कि सम्बन्धित संस्थाएं बीसीआई से किसी भी प्रकार का भुगतान स्वीकारना तत्काल बंद करें। उल्लेखनीय है कि मनन कुमार मिश्रा बीजेपी का राज्यसभा सांसद भी हैं। उन पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) आरोप लगा चुकी है कि वो बार काउंसिल ऑफ को मोदी सरकार के इशारे पर चला रहे हैं। रेड्डी के पहले बॉम्बे बार एसोसिएशन ने भी मिश्रा से त्यागपत्र की मांग की थी। उधर सीजेपी ने भी मनन मिश्रा से इस्तीफे की मांग कर दी है तथा उनके खिलाफ लीगल कॉकरोचों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। जाहिर है कि बीसीआई अध्यक्ष मनन मिश्रा का पूरा कार्यकाल विवादो के घेरे में है। बीसीआई जैसी अत्यंत प्रतिष्ठित संस्था के अध्यक्ष पर ऐसे गंभीर आरोप लगना ही अपने आप में शर्म का विषय है। भले ही मनन मिश्रा इसे महसूस न करें। ऐसे विवादित व्यक्ति को भाजपा ने राज्यसभा कैसे भेजा, इस पर भी विचार होना चाहिए। बेहतर यही है कि मिश्रा इस्तीफा देकर खुद आरोपों की जांच कराने की पहल करें।

देश में उगती विदेशी सभ्यता की दुकानें

एक तर्क यह भी दिया जा रहा है कि तकनीकी अध्ययन व ज्ञान के लिये छात्र विदेशी संस्थाओं के क्लाउड का इस्तेमाल कर सकेंगे, और इसका दूसरा पहलू यह भी है कि उस तकनीक की खोज और उसका ज्ञान इन्हें उस रूप में नहीं हो सकेगा, बल्कि एक प्रकार से निर्भरता स्थाई रूप से पैदा होगी।पाश्चात्य या विदेशी संस्कृति को अभी ये भारतीय छात्र बाहर जाकर देखते और सीखते थे अब देश में ही बन रहे इन विदेशी टापुओं में ये लाखों छात्र जब विदेशी जीवनशैली, मानसिक संस्कार और भाषा पर निर्भर होंगे तब वे भारत के आम मानस को उसी दिशा में ले जाने के लिये प्रेरित करेंगे। अभी तक जो 5.50 लाख विद्यार्थी बाहर पढ़ने जाते थे वे 4-5 साल तक उस विदेशी वातावरण में रहते थे परंतु देश में लौटने के बाद वे अपने मूल को पुनः यादकर उससे जुड़ने का प्रयास करते थे। अब हो सकता कि 5.50 लाख छात्र अपने देश के याने भारतीय छात्रों जो अन्य विवि या कालेज में पढ़ रहे को उस जीवनशैली के लिये आकर्षण का केंद्र बन जाये और देश में विदेशी मानसिकता और जीवनशैली को प्रभावित करें। स्वाभाविक है कि जिन परिवारों के बच्चे होंगे, उनके परिवार भी इनसे प्रभावित होंगे।

पिछले दिनों भारत सरकार ने यह फैसला किया था कि देश में 100 विदेशी विश्वविद्यालयों को अनुमति देंगे और जून माह तक 15 विदेशी विवि को अनुमति दी जा चुकी है। विदेशी विवि को अनुमति के पीछे औपचारिक कारण या तर्क यह बताया जा रहा है कि जो विद्यार्थी बाहर पढ़ने जाते थे उनके ऊपर औसतन 80 लाख से 1 करोड़ रुपया खर्च होता था और अब यह खर्च बच जायेगा। यह भी कि जो लोग बाहर पढ़ने जाते हैं उनमें से मुश्किल से 1 प्रतिशत विद्यार्थियों को विदेशों में रोजगार मिल पाता है। यह दोनों बातें अपनी जगह सही हो सकती हैं और यह भी है कि अब अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश अपने यहां पढ़ने आने वाले लोगों को स्थाई रूप से बसने में कई प्रकार के प्रतिबंध लगा रहे हैं। जैसे पहले अमेरिका में पढ़ने वाले छात्र के लिए पढ़ाई के बाद वहां रहकर नौकरी तलाशते रहने की समयावधि कई वर्ष थी परंतु अब अमेरिका ने घटाकर 1 से 3 माह कर दी और इतने में अगर नौकरी नहीं मिलती है तो उन्हें देश वापिस आना होगा। वीजा नियमों में भी काफी सख्ती की जा रही है और उसका कारण है कि अब अमेरिका भी बाहर से आने वालों के बोझ सहने से मुक्त होना चाहता है तथा अमेरिका की बढ़ती बेरोजगारी को दूर करने के लिये अमेरिकी नौजवानों को अघोषित पात्रता देना चाहती है। श्री डोनाल्ड ट्रंप के इस दूसरे कार्यकाल में फिर से वह पुराना नारा दुहराया जाने लगा है। अमेरिकन फर्स्ट या वी अमेरिकन, बाय अमेरिकन। इतना ही नहीं अब बाहर के देशों से गये हुये लोग अपने आपको पहले जैसा सुरक्षित नहीं मानते हैं। क्योंकि पिछले वर्षों में हेट क्राइम की घटनायें बढ़ी हैं। जिसका शिकार कुछ भारतीय परिवार भी हुये हैं। ऐसी घटनायें अब ब्रिटेन में भी शुरू हुई हैं और वहां भी बदलाव आ रहे हैं। 1950 के बाद से अमेरिका भारतीयों और विशेषतः भारत के श्रेष्ठ वर्ग का प्रिय देश रहा है। भले ही देश की सरकार और अमेरिकन सरकार में वैचारिक फर्क रहा हो परंतु वहां की तरक्की, सिस्टम, व्यवस्था की चर्चा भारतीय उच्च, उच्च मध्यम परिवारों में आम थी। पिछले दशकों में बहुत से भारतीय अमेरिकी नागरिक बने और वहीं बस गये। उस समय भारत के बुद्धिजीवी इसका तर्क देते थे कि यह ब्रेन ड्रेन हो रहा है क्योंकि भारत में योग्यता की वह कीमत नहीं मिलती जो अमेरिका में मिलती है। यह भी गर्व करते थे कि अमेरिका के वैज्ञानिक खोजों के पीछे भारतीयों का बौद्धिक योगदान है। स्वतः हर गोविन्द लाल खुराना जिन्होंने जीन्स की खोज की थी, उनका उद्धृत किया जाता था। नासा में काम करने वाले वैज्ञानिकों का उल्लेख किया जाता था परंतु अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अब अमेरिका में वीजा लेने के लिये या नागरिकता लेने के लिये अप्रवासियों से पैसा वसूला जा रहा है। जिस व्यक्ति को वहां की नागरिकता चाहिये उसको योग्यता के आधार पर प्रवेश नहीं है बल्कि धन और पूँजी के आधार पर प्रवेश मिलेगा। ऐसी स्थिति यूरोप के सभी देशों में बन रही है और यह स्वाभाविक ही है क्योंकि अब उन देशों में आबादी बढ़ी है, बेरोजगारी बढ़ी है। बहुत संभव है इन्हीं परिस्थितियों के दबाव में भारत सरकार ने यह नई नीति बनाई है जो कि उनके घोषित स्वदेशी नारे के खिलाफ है। एक तरफ भारत सरकार व उनके नियंत्रक कहते हैं कि (हम विश्व गुरु हैं) और दूसरी तरफ भारत के छात्रों को पढ़ाने के लिये विदेशी गुरु आयेंगे। पर हमारे देश में इन बातों पर कोई प्रश्न नहीं उठाता, क्योंकि सब चलता है, यह संस्कृति उभर रही, पर इनके पीछे अंदरूनी कारण कुछ और है।

अब सरकार से यह पूछा जा रहा है कि जो विवि देश में आ रहे हैं इनका पाठयक्रम कौन तय करेगा? जाहिर है कि इन विदेशी विवि के जो पाठयक्रम वहां के हैं, वही चलेंगे। एक तरफ यही सत्ताधीश कहते हैं कि अंग्रेज के लार्ड मैकाले ने भारतीय शिक्षा को नष्ट किया है और अपने लिये बाबू तैयार करने के लिये शिक्षा का ढाँचा बनाया। दूसरी तरफ अब यही लोग लार्ड मैकाले को, विदेशी शिक्षा को वापिस भारत ला रहे हैं। भारतीय शिक्षा की स्थिति यह है कि भारत का एक भी विवि विश्व की गणना में शीर्ष में शामिल नहीं हो पाता।

इसके अलावा जो दो अन्य तर्क दिये गये हैं उनकी पड़ताल जरूरी है। एक सरकारी अनुमान के अनुसार लगभग 5.50 लाख विद्यार्थी भारत में ही विधिवत शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे और बाहर रहने किराये आदि या खर्च आदि में 10.69 लाख रुपया बचेगा। मुझे इस आंकड़े पर कोई आपत्ति नहीं है परंतु दूसरा पहलू देश जानना चाहेगा कि जो यह विवि यहां आ रहे हैं उन्हें इससे कितना लाभ होगा? अगर एक विद्यार्थी की फीस तीन-चार वर्षों में साल के 10 लाख रुपये के हिसाब से मान लिया जाये जो कि कम ही है तो एक वर्ष में इन विद्यार्थियों की फीस से न्यूनतम 5 लाख करोड़ बच जायेगा और चार वर्ष में 20 लाख करोड़ रुपया विदेशों में फीस के रूप में जायेगा। यह आंकड़ा भी मैंने मात्र 10 लाख रुपया प्रतिवर्ष की फीस पर जोड़ा है। हालांकि अलग-अलग विवि के अलग-अलग रेट हैं। कुछ विवि की फीस तो साल में करोड़ों रुपयों की है। दूसरे ये जो विद्यार्थी जहां पात्र होंगे, इनमें से जो विदेशी सरकारों के जरूरत के होंगे वे, उन्हें ही वे ले जायेंगे, बकाया भारत में ही अपने रोजगार की संभावना तलाशेंगे। भारतीय लोगों का विदेशों में काम करने का या बड़ी नौकरी करने का प्रतिशत मुश्किल से 20 प्रतिशत रह जायेगा। 80 प्रतिशत नौजवान याने लगभग 4 लाख नौजवान भारत में ही रहकर नौकरी की तलाश करेंगे। उनकी जीवनशैली, मानसिक और जरूरतों के हिसाब से कितनों को भारत में रोजगार मिल पायेंगे, यह भी एक सवाल है? एक तर्क यह भी दिया जा रहा है कि तकनीकी अध्ययन व ज्ञान के लिये छात्र विदेशी संस्थाओं के क्लाउड का इस्तेमाल कर सकेंगे, और इसका दूसरा पहलू यह भी है कि उस तकनीक की खोज और उसका ज्ञान इन्हें उस रूप में नहीं हो सकेगा, बल्कि एक प्रकार से निर्भरता स्थाई रूप से पैदा होगी।

पाश्चात्य या विदेशी संस्कृति को अभी ये भारतीय छात्र बाहर जाकर देखते और सीखते थे अब देश में ही बन रहे इन विदेशी टापुओं में ये लाखों छात्र जब विदेशी जीवनशैली, मानसिक संस्कार और भाषा पर निर्भर होंगे तब वे भारत के आम मानस को उसी दिशा में ले जाने के लिये प्रेरित करेंगे। अभी तक जो 5.50 लाख विद्यार्थी बाहर पढ़ने जाते थे वे 4-5 साल तक उस विदेशी वातावरण में रहते थे परंतु देश में लौटने के बाद वे अपने मूल को पुनः यादकर उससे जुड़ने का प्रयास करते थे। अब हो सकता कि 5.50 लाख छात्र अपने देश के याने भारतीय छात्रों जो अन्य विवि या कालेज में पढ़ रहे को उस जीवनशैली के लिये आकर्षण का केंद्र बन जाये और देश में विदेशी मानसिकता और जीवनशैली को प्रभावित करें। स्वाभाविक है कि जिन परिवारों के बच्चे होंगे, उनके परिवार भी इनसे प्रभावित होंगे। इसका प्रभाव भारतीय राजनीति पर भी अनेक रूप से पड़ेगा। अभी जो छात्र विदेशों से पढ़कर आये हैं वे देश की राजनीति को विदेशी राजनीति के पैमाने से देखते हैं उनके विदेशों में राजनैतिक प्रचार, राजनीति दृष्टिकोण और सोचने के तरीके बदलेंगे। जो भारत वसुधैव कुटुम्बकम् की सोच पर, समरसता चाहता है। गरीब-अमीर के भेद को मिटाना चाहता है और अभी तक भारतीय राजनीति के चुनाव के आधार इस आधार पर होते रहे हैं वे मापदंड बदले जा सकते हैं। और मैं, केवल अपने लिये, अपने निजी परिवार के लिये, इस दृष्टिकोण पर जा सकते हैं। विषमता को मिटाना और समता का समाज बनाना आदर्श लक्ष्य होना चाहिये वह पूँजीवादी सोच में बदल सकता है। हम अपने वर्ग के लिए जिसे सिविल सोसायटी और सेलिब्रिटी तक ही देखा जाता है संवेदनायें व मानवीय पीड़ायें यही तक सिमट सकती हैं। पहले ही देश में लाखों की संख्या में विदेशी फंडिंग प्राप्त एनजीओ कार्यरत हैं जो भारतीय राजनीति को विचारधारा से हटाकर केवल तात्कालिकता के सिद्धांत पर ले जाने के माध्यम बने हैं। हमारे देश में परंपरा रही है कि जो हमारी संस्कृति भी है कि भविष्य में पानी की आवश्यकता पड़ेगी इसलिये पहले कुआं व बावड़ी तैयार करो परंतु विदेशी पूंजीवादी विचारधारा का कहना है कि पहले कुआं खोदने की आवश्यकता नहीं है। जब प्यास लगेगी तब खोदेंगे। और यह पाश्चात्य दर्शन, देश, प्रकृति और मानवता के बुनियादी मूल्यों को नष्ट करने वाला है। आज एआई, चौट जीपीटी और कितने ही नये माध्यम आये हैं सोशल मीडिया पर, फेसबुक, वाटसअप से आगे बढ़कर एक्स और इंस्टाग्राम पर पहुंचे हैं।

अध्यात्म

देवताओं की मदद के लिए शिव-पार्वती ने भेजा कार्तिकेय को

भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय स्वामी और तारकासुर से जुड़ी पौराणिक कथा है। कार्तिकेय स्वामी का पालन-पोषण कृतिकाओं ने एक जंगल में किया था। इसी कारण उनका नाम कार्तिकेय पड़ा। वे अपने माता-पिता शिव और पार्वती से दूर रहे। जब शिव-पार्वती को अपने पुत्र और कृतिकाओं के बारे में पता चला, तो उन्होंने सेवकों को भेजकर कार्तिकेय को कैलाश बुला लिया। पुत्र कार्तिकेय के कैलाश लौटने पर शिव और पार्वती प्रसन्न थे, लेकिन उसी समय कैलाश पर देवताओं का आगमन हुआ। सभी देवता तारकासुर के अत्याचार से परेशान थे। तारकासुर को वरदान प्राप्त था कि उसका वध केवल शिव-पुत्र ही कर सकता है। इसलिए देवताओं की आशा अब कार्तिकेय पर टिक गई थी। देवताओं ने कार्तिकेय की क्षमता पहचानी। उन्हें विभिन्न विद्याएं, अस्त्र-शस्त्र और दिव्य शक्तियां प्रदान की गईं। देवी लक्ष्मी ने उन्हें दिव्य हार दिया और देवी सरस्वती ने सिद्ध विद्याएं प्रदान कीं। कार्तिकेय को देवताओं ने अपना सेनापति बनने योग्य माना। इसके बाद देवताओं ने शिव-पार्वती से निवेदन किया कि कार्तिकेय को उनके साथ युद्ध में भेज दिया जाए। माता-पिता के लिए यह निर्णय आसान नहीं था। उनका पुत्र अभी-अभी उनके पास लौटा था। वे उसे अपने पास रखना चाहते थे। फिर भी शिव-पार्वती ने व्यक्तिगत भावनाओं से ऊपर उठकर लोककल्याण को प्राथमिकता दी। कार्तिकेय देवताओं के साथ युद्धभूमि में पहुंचे और तारकासुर का सामना किया। उन्होंने अपने साहस, ज्ञान और शक्ति से तारकासुर का वध कर दिया। देवताओं को अत्याचार से मुक्ति मिली और शिव-पार्वती भी अपने पुत्र की सफलता से प्रसन्न हुए। इस कथा का सबसे बड़ा संदेश यही है कि माता-पिता का सच्चा प्रेम केवल संतान को अपने पास रखने में नहीं, बल्कि उसे सही संस्कार देकर योग्य और जिम्मेदार बनाने में है। जब संतान अपनी योग्यता का उपयोग दूसरों के कल्याण के लिए करती है, तब उसका सम्मान पूरे परिवार तक पहुंचता है।

प्रसंग की सीख

पहला सूत्र है- संतान को केवल सुविधाएं नहीं, संस्कार दें। माता-पिता का उद्देश्य बच्चों को सिर्फ हर कठिनाई से बचाना नहीं होना चाहिए। उन्हें इतना सक्षम बनाना चाहिए कि वे कठिन परिस्थितियों का सामना स्वयं कर सकें। कार्तिकेय का पालन-पोषण विषम परिस्थितियों के बीच हुआ और इसी अनुभव ने उन्हें मजबूत बनाया।

दूसरा सूत्र है- योग्यता की पहचान करें। देवताओं ने कार्तिकेय में नेतृत्व की क्षमता देखी। हर व्यक्ति में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है।

भारत के मौलिक स्वरूप की खोज

आजादी की लड़ाई में तीन चार जो गीत बहुत ज्यादा गाए और दुहराए जाते थे उनमें वंदे मातरम् निस्संदेह सर्वाधिक लोकपूज्य था. कुछेक लोग सरफरोशी की तमन्ना वाली ग़ज़ल भी गाते थे और बाद के दिनों में या शायद पहले से, इकबाल का रचा.. सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा भी गाया करते थे. झंडा ऊँचा रहे हमारा तो गाया ही जाता था. इनमें से तीन चार या पाँच हजार बरसों वाले भारत का कितना मौलिक स्वरूप व्यक्त होता था, और यह मौलिक स्वरूप क्या है, इस पर विचार करने वालों की भी एक बिरादरी है ही. यानी वह सब जिसे हम आजादी के बाद के लोग भारतीयता कहते हैं,इण्डियननेस. यह सवाल हमेशा से सबसे कठिन रहा है. है भी कठिन.

आखिर हम अपनी भारतीयता को पहचानें कैसे, किस धर्मग्रंथ या धर्म से, या फिर जीवन विश्वास और जीवन शैली से? वेद, ब्राह्मण ग्रंथ, उपनिषद से पहचानें या पुराणों से? या फिर रामायण और महाभारत से? कुछ नहीं तो राम, कृष्ण और शिव जैसे लोक पूज्यों से? आज अगर हम दक्षिण वालों से कहें कि वे शिव को भूल जायँ, या उत्तर भारत वालों से इन तीनों को ही भूल जाने को कहें तो तो क्या कह भी पाएँगे? फिर इसी देश में तीर्थंकर महावीर और तथागत बुद्ध भी हैं.

तब सवाल यह कि इस भारत का मौलिक स्वरूप क्या हैऔर इसे कैसे खोजें और पहचानें. आजादी की लड़ाई में गाँधी ईश्वर और अल्ला वाली प्रार्थना लेकर भी आते हैं. और नरसी मेहता का वह भजन जिसमें वैष्णव –जन की पहचान बताई गई है. और पहली यह कि जो अगल बगल रहने वालों की पीड़ा को अपनी पीड़ा के रूप में देखता और महसूस करता है.नरसी मेहता और गाँधी की परिभाषा में सच्चा वैष्णव तो बस वही है. लेकिन यह देश अकेले वैष्णवों का है कहाँ? यह तो शैवों और शाक्तों का भी है, सगुणोपासकों का है तो निर्गुणियों

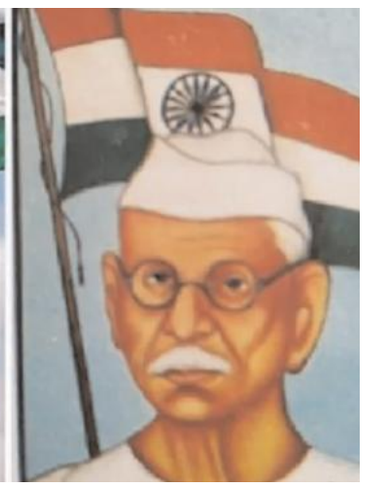

और नास्तिकों..बौद्धों, जैनों, हिन्दू नास्तिकों का तो है ही, सारे सनातनियों और आर्यसमाजियों, मूर्तिपूजकों के साथ साथ मूर्तिपूजा को नकारने वाले वाले निर्गुणियों कबीरपंथियों और गुरुनानकों का तो है ही, मुसलमानों और ईसाइयों का भी है. आदिवासियों, गिरिजनों आदि का भी.

अब आइए वंदे मातरम् में भारत के मौलिक स्वरूप को देखने वालों पर. वे बेचारे यह भी विचार करने को तैयार नहीं कि आनंदमठ उपन्यास का वह गीत भले ही शक्तिपूजक शाक्तों का अपना गीत है और उसमें काली और दुर्गा आदि की वंदना ही है, सो भी इस्लामी शासन को निशाने पर लिए हुए और अंग्रेजी शासन के प्रति भक्तिभाव प्रदर्शित करते हुए. तथापि अपने शस्यश्यामल बंगाल का यशोगायन करते हुए. फिर भी अगर इसने पराधीन भारत में क्रांतिकारियों और मुक्ति संग्रामियों का अपना गीत बनकर समस्त भारतीयों में बलिदान की भावना का संचार किया तो अविस्मरणीय तो है ही. और आजादी के बाद भी उसे यह मान और गौरव मिला भी. गुलामी के दिनों में भी यह हमारी मातृभूमि भक्ति की भावना को व्यक्त करता था आज भी करता है. लेकिन आजादी मिल जाने के बाद के नायकों ने इसे राष्ट्रगान के बाद राष्ट्रगीत का मान देकर अपनी जो कृतज्ञता ज्ञापित की है, जो गौरव दिया है, वह अभिनंदनीय है.

सवाल लेकिन भारत के मूल स्वरूप की खोज का है. कुछ लोग आज का सबसे बड़ा सवाल यही मानते हैं. बेशक यह मूल है और हमेशा रहेगा. समय समय पर भारत के लोग, ऋषि और कवि, स्मृतिकार और पुराणकर्ता इसे पहचानने और परिभाषित करने की कोशिशें करते भीआए हैं.पर यह देश जैसा बनता बिगड़ता और फिर फिर बनता और पहचान पाता रहा है, उसमें से असल स्वरूप कौन सा है, कितना है, यह कौन तय करेगा?

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर भी बंकिमचन्द्र चटर्जी वाले उसी बंगाल के थे. उनके बाद के भारत के. उनके मन में अपने देश भारत के मूल स्वरूप को खोजने की जिज्ञासा बलवती हुई और खोजते खोजते वे जहाँ पहुंचे उसे उनके गीतांजलि के इस गीत में देखा और जाना जा सकता है.. ये जो भारतदेश है वो महामानवों का सागर तीर्थ है. यहाँ आर्य औअनार्य तो आए ही, द्रविड़ और चीन ही क्यों, शक हूणदल अफगान और मुगल भी आए और सारे मिल कर एक देह और एकप्राण हो गए..कोटि धार दुर्वार स्रोत में

आए मनुज- समुच्चय
कहाँ कहाँ से, किस पुकार पर?
आकर हुए यहीं लय ।
रवीन्द्र रचना संचयन, पृष्ठ -8.

साहित्य अकादमी- भारत सरकार. अब दोनों गीतों की दृष्टि और सोच की व्यापकता और औदात्य पर विचार करिए और भारत के मूल स्वरूप की तलाश करिए. दोनों ही उसी बंगभूमि की उपज हैं. एक में भावनाएँ दुर्गा और काली तथा बंगमाटी से बाहर जाती नहीं और दूसरे में हमें एक आधुनिक वैश्विक भारत के ऐतिहासिक अनुभवों से उद्दीप्त बहुधर्मी, बहुजातीय और बहुविश्वासी भारत देश का अपूर्व साक्षात्कार होता है.हमारा अपना राष्ट्र गान भी गुरुदेव रवीन्द्रनाथ के इसी उदात्त चेतना वाले दिव्य मानस की देन है. अब तय करिए आधुनिक भारत की चेतना मे देश के मूल स्वरूप का बोध कहाँ है?

आज का कार्टून

राशिफल

मेष

आज नए अवसरों से लाभ और दफ्तर में प्रभाव बढ़ेगा। धन के मामले में बातचीत, नए लोगों से जुड़ने और नए विचारों से लाभ के रास्ते खुल सकते हैं।

वृषभ

आज बचत पर ध्यान और दफ्तर में निरंतरता बनाए रखे। आज आपका पूरा ध्यान बचत, परिवार की जरूरतों और वित्तीय सुरक्षा पर रहेगा।

मिथुन

आज नई योजना पर विचार और दफ्तर में सही बातचीत होगी। धन के मामलों में तुरंत कदम उठाने का मन करेगा। यह बात नया मौका दिलाने में मदद कर सकती है, पर जल्दबाजी में गलत फैसला भी हो सकता है।

कर्क

आज लंबी अवधि की सुरक्षा और काम में सुधार होगा। आज वित्तीय मामलों में भरोसा और सही योजना बनाने की समझ बढ़ेगी। आप अपने और परिवार के लिए स्थिति मजबूत करने का प्रयास करेंगे।

सिंह

आज आर्थिक फैसलों में मजबूती और कार्यक्षेत्र में पहचान बनेगी। पैसों के लेन-देन में भरोसा बढ़ेगा। आप कमाई बढ़ाने या अपनी कुशलता का सही इस्तेमाल करने के नए रास्ते देखेंगे।

कन्या

आज बजट पर नियंत्रण और काम में अनुशासन बढ़ेगा। पैसों के मामले में अनुशासन रखना होगा। जीवनशैली या आसपास की चीजें बदलने के लिए खर्च करने की इच्छा हो सकती है।

तुला

आज आज आपको आज के खर्चों और भविष्य की सुरक्षा के बीच सही संतुलन बनाना होगा। बातचीत और संपर्कों के माध्यम से कमाई के मौके मिल सकते हैं।

वृश्चिक

आज गुप्त योजनाएं और कठिन काम का हल होगा। आज आप अपने धन से जुड़े मामलों को गुप्त रखना पसंद करेंगे। यह तरीका बिल्कुल सही है, खासकर जब आप कोई बड़ा फैसला लेने वाले हों।

धनु

आज पैसों और आने वाले समय को लेकर उत्साह रहेगा। यह सोच अच्छी है, पर इसे ज्यादा भरोसे में न बदलने दें। अपना बजट साफ़ रखें और केवल इस उम्मीद पर जोखिम न लें कि आगे सब अपने आप ठीक हो जाएगा।

मकर

पैसों की जिम्मेदारियां आज आपके मन में बनी रहेंगी। आपको किसी पुराने भुगतान या योजना की दोबारा जांच करनी पड़ सकती है। उल्टी चाल चल रहे शनिदेव पुराने वित्तीय मामलों को ठीक करने का इशारा करते हैं।

कुंभ

आज कमाई बढ़ाने की बड़ी इच्छा जाग सकती है। इससे मन में अवास्तविक उम्मीदें आ सकती हैं। किसी भी योजना में पैसा लगाने से पहले हर बात की जांच कर लें।

मीन

पैसों के मामले में आज वास्तविक सोच रखनी होगी। कई काम एक साथ सामने आ सकते हैं। सबसे पहले जरूरी खर्चों को निपटाएं। दिन खर्चों में सतर्क रहने की सलाह देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दहशत फैलाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

मोकामा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मरांची थाना क्षेत्र के सिमरिया घाट स्थित बिंद टोली श्मशान घाट में सोमवार को दहशत फैलाने के उद्देश्य से देशी कट्टा लेकर घूमने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान चंदन महतो उर्फ चन्ना, पिता स्व. रुदल महतो, निवासी सिमरिया घाट बिंद टोली, थाना चकिया, जिला बेगूसराय के रूप में हुई है।मरांची थानाध्यक्ष रौशन कुमार के अनुसार, युवक के हथियार लेकर घूमने की सूचना मिलने के बाद कार्रवाई की गई। पुलिस ने उसके घर से युवक को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उसने हथियार अपने घर में छिपाकर रखने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने उसके घर से एक देशी कट्टा बरामद किया। मरांची थाना पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

तपस्वी जी घाट से निकली कांवर यात्रा

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर परिषद क्षेत्र के तपस्वी जी घाट ठाकुरबारी से मंगलवार को सैकड़ों महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने कांवर यात्रा निकाली। श्रद्धालुओं ने गंगा घाट पर स्नान कर पवित्र जल भरा और कांवड़ लेकर नगर भ्रमण करते हुए कमलेश्वर स्थान के लिए रवाना हुए। कांवर यात्रा तपस्वी जी घाट से थाना चौक, बाजार चौक होते हुए मोलदियार टोला स्थित प्रसिद्ध कमलेश्वरी स्थान पहुंची। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पूरे नगर का भ्रमण करते हुए बाबा कमलेश्वर धाम में पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया।यात्रा के दौरान श्रद्धालु हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे लगाते रहे। गाजे-बाजे के साथ निकली कांवड़ यात्रा में भक्तिमय माहौल बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी से नगर का वातावरण शिवमय हो गया।

बाल विद्या निकेतन में सावन महोत्सव की धूम

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बाल विद्या निकेतन स्कूल में मंगलवार को सावन महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को सावन थीम पर आकर्षक ढंग से सजाया गया था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से छात्रा आराध्या, राखी, काजल, श्रेया, नेहा, सुमित सहित सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। उत्सव के दौरान सभी छात्राओं ने अपने-अपने कक्षाओं को फूलों, पत्तियों और रंग-बिरंगे कागजों से सजाया। इस अवसर पर छात्राओं ने मिट्टी और कागज से भगवान शिव की प्रतिमा की सुंदर आकृतियां बनाईं, जो आकर्षण का केंद्र रही। इसके अलावा मेंहदी प्रतियोगिता, सावन क्वीन, समूह नृत्य और सावन गीतों की प्रस्तुति से छात्राओं ने जमकर धमाल मचाया। झूले पर झूलते हुए छात्राओं ने सावन के लोकगीत गाए। प्राचार्य वेद प्रकाश गुड्डू ने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों में भारतीय संस्कृति और परंपरा के प्रति सम्मान बढ़ता है। अंत में उत्कृष्ट सजावट और प्रतिमा बनाने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

504 लीटर शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पंचमहला थाना पुलिस ने सोमवार को थाना क्षेत्र के एनएच-80 पर कार्रवाई करते हुए ऑटो में शटरिंग के सामान के नीचे छिपाकर ले जाई जा रही भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की। पुलिस ने मौके से दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोतिहारी जिले के राजेपुर निवासी विवेक कुमार और मुजफ्फरपुर जिले के शिवाईपट्टी निवासी संदीप कुमार के रूप में हुई है।पचमहला थानाध्यक्ष विनोद कुमार के अनुसार ऑटो बड़हिया से हाथीदह की ओर जा रहा था। जांच के दौरान शटरिंग के सामान के नीचे शराब छिपाकर ले जाने का खुलासा हुआ।पुलिस ने ऑटो पर लदे शटरिंग के सामान से ढके 56 कार्टून बरामद किए, जिसमें कुल 672 पीस विभिन्न ब्रांड की विदेशी शराब मिली। बरामद शराब की कुल मात्रा 504 लीटर बताई गई है। पुलिस ने शराब और ऑटो को जब्त कर दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

'विद्यार्थी सहयोग शिविर का शुभारंभ'

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'विकसित भारत-समृद्ध बिहार' तथा 'सात निश्चय-3' के अंतर्गत 'सबका सम्मान, जीवन आसान' अभियान के तहत विद्यार्थी सहयोग शिविर का शुभारंभ ए.एन. कॉलेज के पुस्तकालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार के उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. एन. के. अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि यह शिविर केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार और विद्यार्थियों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि 'सात निश्चय-3' का मूल उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाना है। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि 'सबका

सम्मान, जीवन आसान' अभियान के माध्यम से सरकार की मंशा है कि किसी भी विद्यार्थी को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े। यह शिविर विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं और आवश्यकताओं का एक ही छत के नीचे समाधान उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण प्रयास है। प्राचार्या प्रो. रश्मि अमृत ने कहा कि ए.एन. कॉलेज प्रशासन इस अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह शिविर विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर है। महाविद्यालय का लक्ष्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी को सम्मान मिले तथा उसका शैक्षणिक जीवन अधिक सुगम और सहज बने।प्रो. रश्मि अमृत ने कहा कि सभी शिक्षकों का यह दायित्व है कि वे अंतिम पंक्ति में खड़े विद्यार्थी तक इस शिविर की जानकारी पहुँचाएँ, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी इसके लाभ से वंचित न रहे। इस अवसर पर प्रो. शैलेश कुमार सिंह, बर्सर श्री अभिषेक दत्ता, चीफ प्रॉक्टर डॉ. वंदना कुमारी, डॉ. संजय कुमार सिंह, एन.एस.एस. कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. नवीन कुमार, डॉ. अमिताव, डॉ. श्वेता, डॉ. लव कुमार, डॉ. संजय कुमार डॉ. कुमार वरुण सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

तुलसीदास भारतीय संस्कृति के संवाहक कवि : डॉ. शशि भूषण चौधरी

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। टी.पी.एस. कॉलेज, पटना में हिंदी विभाग के तत्वावधान में आयोजित तुलसीदास जयंती समारोह में मुख्य वक्ता डॉ. शशि भूषण चौधरी ने रामचरितमानस के प्रमुख पात्रों के चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्यों की रक्षा और प्रतिष्ठा का महत्वपूर्ण कार्य किया। रामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि परिवार

और समाज को जोड़ने तथा मानवीय मूल्यों को स्थापित करने की प्रेरणा देने वाला महान ग्रंथ है। प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शाण्डिल्य ने रामचरितमानस के प्रमुख पात्र हनुमान के चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हनुमान निष्काम भक्ति, समर्पण, सेवा और कर्तव्यनिष्ठा के आदर्श हैं। उनके चरित्र में भक्ति के साथ साहस, विवेक, विनम्रता और कर्तव्यपरायणता का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उन्होंने राम और सुग्रीव की मित्रता स्थापित कराने में हनुमान की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि हनुमान का व्यक्तित्व आदर्श मित्रता, सेवा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। कार्यक्रम का मंच संचालन हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अश्विनी कुमार ने किया। संगोष्ठी में महाविद्यालय के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकगण डॉ. प्रशांत कुमार, डॉ. शशि शेखर कुमार सिंह, डॉ. चंद्रशेखर ठाकुर, डॉ. हंस कुमार सिंह, डॉ. सोनू कुमार, डॉ. नूतन कुमारी, डॉ. ऊषा किरण, डॉ. सुनीता कुमारी, डॉ. चांदनी कुमारी, डॉ. तरन्नुम नसरीन, डॉ. सुशोभन पलाधि उपस्थित थे।

सीडीपीओ कार्यालय पर आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका मोर्चा का हल्ला बोल

दनियावां/हिलसा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के आह्वान पर सोमवार को आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका संयुक्त मोर्चा, हिलसा ने बाल विकास परियोजना कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय रोषपूर्ण धरना-प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ हल्ला बोल दिया। दोपहर 1 बजे से शुरू हुए इस प्रदर्शन में प्रखंड की 200 से अधिक सेविका-सहायिकाएं लाल-सफेद यूनिफॉर्म में लामबंद दिखीं। हाथों में मुट्ठी बांधे 'मानदेय नहीं तो काम नहीं' और 'खंडित मानदेय बंद करो' के जोरदार नारे गूंजते रहे। तस्वीर में दिख रही आक्रोशित महिलाएं इसी आंदोलन की गवाह हैं।

7 माह से मानदेय नहीं मिलने पर फूटा गुस्सा

पदाधिकारियों ने मंच से सरकार को ललकारा

मोर्चा अध्यक्ष नीरा कुमारी (चश्मा लगाए नारा लगाती हुई) ने कहा - हम पिछले 7 महीने से बिना मानदेय के केंद्र चला रहे हैं। घर में चूल्हा जलाना मुश्किल हो गया है। सरकार टुकड़ों में मानदेय देती है, किसी को एक माह का तो किसी को डेढ़ माह का। यह खंडित मानदेय का अपमान बंद होना चाहिए। यदि 15 दिन में पूरा बकाया नहीं मिला तो हिलसा का यह आंदोलन जिला मुख्यालय से लेकर पटना विधानसभा तक जाएगा। प्रखंड सचिव रेखा कुमारी ने दो टूक कहा - कागज पर हम सरकारी कर्मचारी हैं, हकीकत में बंधुआ मजदूर। पिछले 3 साल से बच्चों के पोषाहार, गोदभराई, अन्नप्राशन, प्रोत्साहन राशि और मोबाइल रिचार्ज का एक रुपया तक नहीं दिया गया। और आदेश आता है कि 5G मोबाइल से फोटो डालो, साड़ी-ड्रेस पहनो नहीं तो कार्रवाई होगी। अब बहुत हुआ। अगर हमारी बात नहीं सुनी गई तो सितंबर में होने वाले राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा का हम पूर्ण बहिष्कार करेंगे। कोई भी सेविका ऑनलाइन एंट्री नहीं करेगी। वरिष्ठ सेविका सुनीता देवी और प्रीति कुमारी ने कहा - माननीय उच्च न्यायालय ने ग्रेच्युटी देने का आदेश दिया है, फिर भी बिहार सरकार उसे दबाए बैठी है। महंगाई के इस दौर में 5,500 रुपये में हम अपने परिवार का पेट कैसे पालें? सरकार सेविका से पर्यवेक्षिका और सहायिका से सेविका बनने की प्रक्रिया में एकरूपता लाए और मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि करे।

क्या हैं 6 प्रमुख मांगें जिन पर अड़ी हैं दीदियां?

1. 7 माह के बकाया मानदेय का एकमुश्त भुगतान, खंडित मानदेय की प्रथा खत्म हो।
2. काम के लिए 5जी मोबाइल रिचार्ज और संसाधन तुरंत उपलब्ध कराए जाएं।
3. सेविका से महिला पर्यवेक्षिका और सहायिका से सेविका के प्रमोशन में एकरूपता और पारदर्शिता लाई जाए।
4. बढ़ती महंगाई को देखते हुए मानदेय में तत्काल वृद्धि की जाए।
5. विगत 3 वर्षों से लंबित पोषाहार, गोदभराई, अन्नप्राशन, प्रोत्साहन और रिचार्ज राशि का अविलंब भुगतान हो।
6. माननीय न्यायालय के आदेशानुसार ग्रेच्युटी योजना अविलंब लागू की जाए।

मोर्चा ने स्पष्ट किया है कि यदि मांगों पर त्वरित कार्रवाई नहीं हुई तो यह एक दिवसीय धरना अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदल जाएगा। धरने में कार्यकारिणी सदस्य सुचित्रा, प्रीति, अनीता, बबीता, माला, अनीता, रेखा सरिता सहित बड़ी संख्या में सेविका-सहायिका उपस्थित रहीं।

बकाया मानदेय को लेकर सीडीपीओ कार्यालय पर जमकर विरोध प्रदर्शन

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। छह महीने से बकाया मानदेय समेत छह सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार को मसौढ़ी के सभी आंगनबाड़ी सेविका सहायिकाओं का गुस्सा फूट पड़ा और सीडीपीओ कार्यालय पर नारेबाजी करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया,गौरतलब है की बिहार आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका संघ के बैनर तले सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सीडीपीओ कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर 6 सूत्री मांग-पत्र सौंपा। नेतृत्व कर रही प्रमुख सेविकाओं में आशा कुमारी, सुजाता कुमारी, इसमत प्रवीण, सोनी कुमारी, निम्की कुमारी, अर्चना कुमारी, प्रेमलता कुमारी और सुनीता कुमारी शामिल थीं। धरना प्रदर्शन से सेविकाओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सुजाता कुमारी और आशा कुमारी ने कहा कि महीनों से मानदेय बकाया है और खंड-खंड में भुगतान कर खानापूर्ति की जा रही है। इसमत प्रवीण और सोनी कुमारी ने कहा कि हमसे 5जी मोबाइल पर काम लिया जा रहा है लेकिन रिचार्ज की राशि तक नहीं दी जा रही।मांग-पत्र में कहा गया है कि सेविका से महिला पर्यवेक्षिका और सहायिका से सेविका की पदोन्नति में पारदर्शिता लाई जाए, पोशाक, अन्नप्राशन, गोदभराई, प्रोत्साहन राशि, मकान किराया और मोबाइल रिचार्ज का बकाया अविलंब दिया जाए। महंगाई के दौर में मानदेय में सम्मानजनक बढ़ोतरी और कोर्ट के आदेश के अनुसार ग्रेच्युटी व सेवान्त लाभ लागू किया जाए।निम्की कुमारी, अर्चना कुमारी और प्रेमलता कुमारी ने चेतावनी दी कि अगर जल्द सुनवाई नहीं हुई तो राज्यव्यापी हड़ताल की जाएगी।

जनप्रतिनिधि समन्वय सम्मेलन में ग्रामीण वित्तीय समावेशन पर जोर

पटना/मुजफ्फरपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय, मुजफ्फरपुर द्वारा रेणुका पैलेस, मझौलिया में जनप्रतिनिधि समन्वय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में ग्रामीण बैंकिंग, किसान क्रेडिट कार्ड, जीविका समूहों, सरकारी योजनाओं तथा डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की पहुँच बढ़ाने पर चर्चा की गई। क्षेत्रीय प्रबंधक राम नाथ मिश्रा ने बताया कि बिहार ग्रामीण बैंक राज्य के सभी 38 जिलों में 2,101 शाखाओं और लगभग 7,400 ग्राहक सेवा केंद्रों के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। किसानों को KCC जारी करने तथा उसका समय पर नवीनीकरण कराने पर विशेष जोर देते हुए बैंक ने अपना संदेश दिया- 'हर घर KCC, हर किसान समृद्ध'। मुजफ्फरपुर क्षेत्र के 16 प्रखंडों में लगभग 23,000 जीविका समूह बैंक से जुड़े हुए हैं, जिनसे करीब 2.75 लाख महिला सदस्य लाभान्वित हो रही हैं। स्वयं सहायता समूहों को उद्यमिता और आय-वृद्धि से जोड़कर लखपति दीदी के लक्ष्य को गति देने पर भी बल दिया गया। सम्मेलन में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, PMEGP, PMFME, आवास ऋण, ग्रामीण आवास ऋण, कार ऋण और शिक्षा ऋण सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुँचाने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, UPI, डिजिटल बैंकिंग, PM-APY और PMSBY के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। बैंक ने ग्राहकों से OTP, PIN और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करने तथा अनजान लिंक और फर्जी कॉल से सावधान रहने की अपील की। जनप्रतिनिधियों से किसानों, महिलाओं, छोटे उद्यमियों और जरूरतमंद परिवारों को बैंक की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने में सहयोग करने का आग्रह किया गया। क्षेत्रीय प्रबंधन ने कहा, 'सशक्त जनप्रतिनिधि, सशक्त बैंकिंग और सशक्त ग्रामीण समाज-विकास की मजबूत नींव हैं।'

नाबालिग को दूसरे जिले ले जाने का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के मेकरा ओपी अंतर्गत एक गांव की 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर बेगूसराय ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद आरोपी किशोरी को सुनसान स्थान पर छोड़कर फरार हो गया। मामले में परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, गांव के ही एक पड़ोसी के साले पर किशोरी को बाजार घुमाने का झांसा देकर मोकामा फोरलेन के रास्ते बेगूसराय ले जाने का आरोप है। वहां घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी किशोरी को सुनसान स्थान पर छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद किशोरी टेंपो से अपने गांव लौट रही थी। रास्ते में अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई।टेंपो चालक ने तत्परता दिखाते हुए किशोरी को बरौनी अस्पताल में भर्ती कराया और परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे। किशोरी के होश में आने के बाद परिजन उसे लेकर मोकामा थाना पहुंचे और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी।

जंजीरा दियारा की पूरी आबादी बाढ़ की चपेट में, 800 लोग पलायन को मजबूर

स्कूल बंद होने से करीब 200 विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित

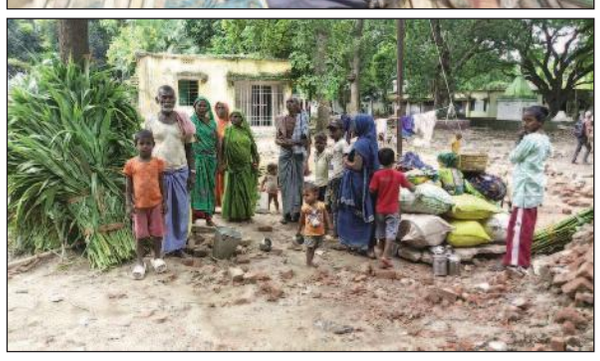

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गंगा नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर से मोकामा के जंजीरा दियारा की पूरी आबादी बाढ़ की चपेट में आ गई है। बाढ़ का पानी बढ़ने के कारण करीब 800 लोग अपने घर-द्वार छोड़कर मवेशियों और जरूरी सामान के साथ सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं।बाढ़ के कारण जंजीरा स्थित सरकारी स्कूल भी बंद हो गया है। विद्यालय के शिक्षकों की फिलहाल दूसरे स्कूल में प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। ग्रामीणों के अनुसार, स्कूल बंद होने से करीब 200 विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल बाढ़ के दौरान उन्हें इसी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है ग्रामीणों ने बताया कि पर्याप्त राहत और सरकारी स्तर पर समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण विस्थापित परिवारों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ से विस्थापित परिवार मोकामा प्रखंड मुख्यालय, तपस्वी जी ठाकुरबारी और सूर्यनारायण मंदिर परिसर में शरण ले रहे हैं।मोकामा प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि कुमार ने बताया कि विस्थापित लोगों की समस्या को देखते हुए उनके लिए आश्रय और राहत की व्यवस्था की जा रही है।

बिहार पब्लिक स्कूल में राखी प्रतियोगिता आयोजित

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार पब्लिक स्कूल, पालीगंज एवं लालगंज सेहरा शाखा में रक्षाबंधन के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए राखी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियां तैयार कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न सजावटी सामग्रियों का उपयोग कर सुंदर एवं कलात्मक राखियां बनाई। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। विद्यालय की प्रधानाचार्या रिना सिन्हा ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियों से बच्चों में रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ता है। साथ ही, वे भारतीय संस्कृति और परंपराओं से भी जुड़ते हैं। विद्यालय के सचिव ब्रजेंद्र कुमार ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रचनात्मक कार्यक्रम बच्चों की प्रतिभा को निखारने के साथ उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का बेहतर माध्यम हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रक्षाबंधन के सांस्कृतिक एवं भावनात्मक महत्व से परिचित कराना और उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना था।

नए डिजाइन और दमदार परफॉर्मेंस के साथ आया नोवा दो पॉवर

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्मार्टफोन अब सिर्फ जरूरत का डिवाइस नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी और पर्सनल स्टाइल का हिस्सा भी बन गया है। ऐसे में, अच्छी डिजाइन, दमदार परफॉर्मेंस और लंबे समय तक साथ देने वाली क्षमता ग्राहकों के लिए अहम हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए, एआई+ स्मार्टफोन ने नोवा 2 सीरीज में नया नोवा 2 पॉवर पेश किया है। एआई+ स्मार्टफोन के सीईओ और एनएक्सटीक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीस के फाउंडर, माधव शेठ ने कहा, नोवा 2 पॉवर में बेहतर परफॉर्मेंस के साथ एक अलग डिजाइन पहचान को जोड़ा गया है। प्रोजेक्ट ओपन रिव्यू 2.0 के जरिए इसे ग्राहकों तक पहुंचने से पहले अलग-अलग स्तर पर परखने का मौका दिया जा रहा है।

ऐपवा की बैठक, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ एक सितंबर को प्रखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन का ऐलान

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनरूआ पंचायत के मझौली मे ऐपवा की बैठक आहूत की गई । बैठक की अध्यक्षता बिहार राज्य परिषद नेत्री कॉमरेड उमा देवी ने की और संचालन कॉमरेड कमला देवी ने किया। सहयोग माले जिला नेता कॉमरेड वीरेन्द्र प्रसाद ने किया।बैठक में ऐपवा की जिला नेत्री धर्मशिला देवी, मीना देवी, रिंकू देवी सहित दर्जनों महिलाएं उपस्थित रहीं।बैठक का मुख्य विषय देश में महिलाओं और बच्चियों पर बढ़ते हत्या, बलात्कार, अपहरण, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा में बराबरी का सवाल रहा। बैठक में महिलाओं को ऐपवा का सदस्य बनाने पर जोर दिया गया।वक्ताओं ने कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के रोजगार, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण के दावे खोखले हैं। आज महिलाएं महंगाई और बेरोजगारी की चपेट में हैं, कर्जदारी और सूदखोरी का शिकार हो रही हैं। मनरेगा में काम नहीं मिल रहा, राशन में कटौती हो रही है, पेंशनधारियों को चार-चार महीने से पेंशन नहीं मिली है, आशा और रसोइया का मानदेय बकाया है।नेत्रियों ने आरोप लगाया कि बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले महिलाओं को रोजगार के नाम पर 10 हजार रुपये दिए गए और 2 लाख रुपये देने के वादे से सरकार मुकर रही है।

मुखिया पति पर ग्रामीणों को धमकाने का आरोप, देसी कट्टा और तीन कारतूस के साथ गिरफ्तार

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। घोसवरी थाना क्षेत्र के गोसाईंगांव वार्ड संख्या-1 में सोमवार देर रात ग्रामीणों ने मुखिया पति मनोज यादव को हथियार के साथ पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसके पास से एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार मनोज यादव घोसवरी थाना का अभ्यासिक अपराधकर्मी है।ग्रामीणों के मुताबिक, मनोज यादव नशे की हालत में ग्रामीणों को कथित तौर पर धमका रहे थे। इसी दौरान ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर घोसवरी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, पुलिस के पहुंचने पर मनोज यादव ने कथित तौर पर एक गोली गड्ढे में फेंक दी। इसके बाद ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए देसी कट्टे को पुलिस ने बरामद कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।घोसवरी थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी ने बताया कि गोसाईंगांव निवासी बुल्लू यादव के पुत्र मनोज यादव को एक देसी कट्टा एवं तीन जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।पुलिस ने मनोज यादव का आपराधिक इतिहास भी बताया है। उसके खिलाफ घोसवरी थाने में वर्ष 2003 से लेकर 2025 तक विभिन्न धाराओं में कई मामले दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2012 का हत्या से संबंधित मामला, चोरी, लूट, मारपीट, धमकी, अवैध खनन तथा एससी-एसटी एक्ट और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले शामिल हैं। वर्ष 2025 में दर्ज एक मामले में आर्म्स एक्ट की धारा 27 भी लगाई गई थी।इधर, गिरफ्तार मनोज यादव ने अपने ऊपर लगे आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया है।

एस.यू. कॉलेज में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन

200 से अधिक छात्र-छात्रा हुए शामिल

दनियावां/हिलसा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मंगलवार को बिहार सरकार एवं पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना के निदेर्शानुसार समीपवर्ती एस.यू. कॉलेज, हिलसा के सभागार में आज विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. शिवचन्द्र सिंह, कुलानुशासक प्रो. अरविंद कुमार, जिला से प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सह नगर परिषद हिलसा के कार्यपालक पदाधिकारी रविशंकर प्रसाद, हिलसा थाना के पुलिस पदाधिकारी शंभूशरण सिंह एवं प्रधान सहायिका श्रीमती सुभद्रा सिन्हा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर में एनएसएस की प्रोग्राम पदाधिकारी डॉ. पिंकी कुमारी, केमिस्ट्री विभाग की एचओडी डॉ. संदीपा इंद्रा, डॉ. पंकज कुमार सिंह, फिजिक्स विभाग के प्राध्यापक डॉ. सम्राट सरकार, मीडिया प्रभारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. राजीव नयन, कर्मचारी संघ के कोषाध्यक्ष रोनित रॉय, तकनीकी सहयोग में सुजीत कुमार, मधुसूदन जी, गुड्डू कुमार, प्रदीप कुमार, सुनीति देवी सहित 200 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, कुशल युवा कार्यक्रम, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना तथा पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति सहित विभिन्न छात्र कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं की रोजमर्रा की शैक्षणिक एवं अकादमिक समस्याओं का त्वरित निराकरण कर उनका मार्ग प्रशस्त करना रहा। आगत अतिथियों ने पूरे बिहार में चलाए जा रहे इस प्रकार के कार्यक्रम की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

कायाकल्प वेलफेयर सोसाइटी ने किया निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का किया आयोजन

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सामाजिक संस्था कायाकल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आज बुद्धा कॉलोनी, पटना में एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आये हुए स्थानीय निवासियों की आंखों की निःशुल्क जांच अत्याधुनिक ऑटोरेफ्रेक्टोमीटर मशीन द्वारा की गई। जिसमें नजर की कमजोरी, मोतियाबिंद की प्रारंभिक जांच, आंखों से पानी आना, जलन और धुंधला दिखने जैसी समस्याओं की जांच कर उचित परामर्श दिया गया। शंकर ज्योति नेत्रालय की अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने शिविर में अपनी सेवाएं दीं और मरीजों को आंखों की देखभाल के प्रति जागरूक किया। कायाकल्प वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य ऐसे लोगों तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना है जो महंगे इलाज के कारण अपनी आंखों की जांच नहीं करा पाते। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिकों ने शिविर का लाभ उठाया और संस्था के इस जन-कल्याणकारी कार्य की सराहना की।

गंगा देवी महिला महाविद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत कार्यक्रम

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गंगा देवी महिला महाविद्यालय एवं वन बिहार सिग्नल कंपनी के संयुक्त तत्वाधान में महाविद्यालय की एनसीसी इकाई के द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर श्यामा रॉय ने कैडेट्स को पेड़ की महत्ता बताते हुए उनके अनगिनत लाभ बताए और साथ ही ये हिदायत दिया कि सिर्फ महाविद्यालय में ही नहीं अपने घर में भी पौधे लगाइए और उसकी देखभाल करिए। महाविद्यालय की एनसीसी एसोसिएट ऑफिसर डॉ. खुशबू ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारे देश में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाया गया है।इसका उद्देश्य बहुत सरल और भावपूर्ण है। जब हम मां के नाम पेड़ लगाते हैं, तो हम दो महान कार्यों को एक साथ जोड़ते है- मां के प्रति श्रद्धा और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी। अतः सभी को प्रति वर्ष एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए।

कर्नल कामेश कुमार बने वी.वी. गिरि विवि के कुलसचिव

सिवान/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कर्नल कामेश कुमार को वी.वी. गिरि विश्वविद्यालय का कुलसचिव नियुक्त किया गया है। वे बिहार के कई प्रमुख राज्य विश्वविद्यालयों में विश्वविद्यालय प्रशासन एवं शासन व्यवस्था के क्षेत्र में लगभग आठ वर्षों के समृद्ध और विविध अनुभव के साथ इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को संभालेंगे। कर्नल कामेश कुमार को थल सेना में कोर ऑफ सिग्नल्स में रहते हुए 31 वर्षों का आईटी एवं दूरसंचार क्षेत्र में अनुभव है। कर्नल कामेश कुमार पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना के संस्थापक कुलसचिव के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने पटना विश्वविद्यालय, मौलाना मजहरुल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय तथा बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में कुलसचिव के महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। आईआईटी कानपुर और आईआईएम बेंगलुरु के पूर्व छात्र कर्नल कामेश कुमार मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ सिद्ध प्रशासनिक क्षमता के लिए जाने जाते हैं। वी.वी. गिरि विश्वविद्यालय में कर्नल कामेश कुमार से मजबूत संस्थागत व्यवस्थाओं के निर्माण तथा ऐसा शैक्षणिक वातावरण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपेक्षा है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान में नवाचार, विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा, समावेशिता और वैश्विक सहभागिता को प्रोत्साहित करे।

55 वर्षीय बुजुर्ग पर जानलेवा हमला

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी थाना क्षेत्र के कुम्हारटोली, दुगार्मंदिर निवासी अर्जुन भगत (55 वर्ष), पिता स्व. कैलाश भगत पर जानलेवा हमला किया गया। पीड़ित ने थाना में दिए आवेदन में बताया कि वह प्रतिदिन की तरह गौशाला जा रहे थे, तभी रास्ते में देवीस्थान कुम्हरटोली के पास घात लगाए एक व्यक्ति ने लकड़ी के बैट से उनके सिर पर लगातार वार किया। हमले से उनका सिर कई जगह से फट गया और वे जमीन पर गिरकर अचेत हो गए। हमलावर उन्हें मृत समझकर भाग गया। कुछ देर बाद होश आने पर पीड़ित खून से लथपथ हालत में हिम्मत कर अपने घर पहुंचे। परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए मसौढ़ी अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद इलाज चल रहा है। पीड़ित का कहना है कि पूरी घटना और हमलावर की तस्वीर पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। उन्होंने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज निकालकर हमलावर की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।मसौढ़ी थाना पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

175 लीटर शराब बरामद, दो धंधेबाज गिरफ्तार

एकमा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एकमा थाना पुलिस ने वाहन जांच के दौरान देसी शराब की बड़ी खेप बरामद कर एक सीएनजी ऑटो जब्त किया। पुलिस ने मौके से शराब के धंधे में शामिल दो धंधेबाजों को भी गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष रामबालक यादव ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि सीएनजी ऑटो से देसी शराब की खेप एकमा की ओर ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर एसआई आकाश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एकमा चट्टी के समीप वाहन जांच शुरू की। इसी दौरान छपरा की ओर से आ रहे सीएनजी ऑटो को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में ऑटो से साढ़े तीन बोरी में करीब 175 लीटर देसी शराब बरामद हुई। गिरफ्तार धंधेबाजों की पहचान छपरा टाउन थाना क्षेत्र के दहियावां निवासी उज्ज्वल कुमार और प्रिंस कुमार उर्फ भुवर के रूप में हुई है। पुलिस ने शराब के साथ ऑटो को जब्त कर लिया और दोनों को थाने ले आई। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के बाद मद्यनिषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में छपरा भेज दिया गया।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा पूर्वी चंपारण की प्लाईवुड फैक्ट्री में तलाशी एवं जब्ती की कार्रवाई

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय मानक ब्यूरो, पटना शाखा कार्यालय को प्राप्त सूचना के आधार पर भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा 25.08.2026 को मेसर्स जय माता दी, मेहशी, पूर्वी चंपारण, बिहार के परिसर में तलाशी एवं जब्ती की कार्रवाई की गई। प्लाईवुड एवं उससे संबंधित उत्पादों का अनिवार्य प्रमाणन भारत सरकार द्वारा भारत के राजपत्र में निर्धारित है। उक्त कार्रवाई चंद्रकेश सिंह, वैज्ञानिक-ई/निदेशक एवं प्रमुख, पटना शाखा कार्यालय के निर्देशन में की गई। तलाशी एवं जब्ती अभियान का नेतृत्व हिमांशु कुमार, वैज्ञानिक - सी/सहायक निदेशक, पटना शाखा कार्यालय (टीम लीडर) द्वारा किया गया। अभियान में सुधांशु सुमन, वैज्ञानिक -बी/सहायक निदेशक, पटना शाखा कार्यालय एवं अन्य BIS अधिकारियों/कर्मचारियों शामिल होकर कार्रवाई के दौरान स्थानीय प्रशासन का आवश्यक सहयोग भी लिया गया। तलाशी के दौरान परिसर में प्लाईवुड पर ISI Mark के अनधिकृत उपयोग/दुरुपयोग का प्रथमदृष्टया उल्लंघन पाया गया।उक्त सामग्री को विधिवत जब्त कर सील कर संबंधित फर्म के विरुद्ध भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

'विद्यार्थी सहयोग शिविर' से समयबद्ध समाधान राज्य सरकार की प्राथमिकता : सीएम सम्राट

मुख्यमंत्री ने बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बिदुपुर में 'सात निश्चय-3' के अंतर्गत 'सबका सम्मान, जीवन आसान' अभियान के तहत 'विद्यार्थी सहयोग शिविर का किया शुभारंभ

हाजीपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मंगलवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बिदुपुर में 'सात निश्चय-3' के अंतर्गत 'सबका सम्मान, जीवन आसान' अभियान के तहत 'विद्यार्थी सहयोग शिविर का शुभारंभ किया। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह ने पुष्प गुच्छ दे कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस पहल का उद्देश्य बिहार के शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों का प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय के प्रशासनिक-सह-शैक्षणिक भवन के फैकल्टी रूम में स्थापित सूचना-सहायता काउंटर का अवलोकन किया और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं जानकारियों के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं, शिकायतें एवं सुझावों को सुना। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की जो भी समस्याएं हैं, उनका निष्पादन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, वैशाली में इंटरनेट कनेक्टिविटी और निर्बाध बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों के पठन-पाठन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। जब तक सभी विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल की स्थायी व्यवस्था उपलब्ध नहीं हो जाती, तब तक अस्थायी तौर पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बिहार एक अनोखा राज्य है, जहां मात्र 10 रुपये में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराई जा रही है। इंजीनियरिंग कॉलेजों में विद्यार्थियों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा, ताकि उन्हें पढ़ाई में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। विद्यार्थियों के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इंजीनियरिंग कॉलेज कैंपस के आसपास प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोलने के लिए इस प्रकार स्थल का चयन किया जाए, जिससे विद्यार्थियों के साथ-साथ बाहरी लोग भी इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक संस्थान एवं अंबेडकर छात्रावासों में जन औषधि केंद्र खोले जा सकें, यह सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' के माध्यम से छात्र-छात्राओं को अपनी समस्याएं सीधे संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा। सरकार का प्रयास है कि विद्यार्थियों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाना पड़े और उनकी समस्याओं का निर्धारित समय-सीमा में समाधान हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आने वाली शिकायतों का समय-सीमा के अंतर्गत अधिकतम 30 दिनों के भीतर अंतिम निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतों के निस्तारण की प्रभावी निगरानी की जाए। विद्यार्थियों के सुझाव सरकार के लिए महत्वपूर्ण हैं और इससे नीतियां बनाने में भी सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए जा रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स में नए और उपयोगी इनोवेशन को स्टार्टअप से जोड़ा जाएगा। विद्यार्थियों को नए विचारों और नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को शिक्षण संस्थानों में 'विद्यार्थी सहयोग शिविर आयोजित किया जाएगा।

जन समस्याओं के समाधान से लेकर जिले के विकास कार्यों में तेजी आई : राधामोहन सिंह

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पूर्वी चंपारण समाहरणालय मोतिहारी स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सांसद, पूर्वी चंपारण, राधामोहन सिंह ने कहा कि जिले में विकास के कार्यों को गति मिली है। जिले के प्रशासनिक पदाधिकारी एवं कार्य विभाग अभियंता आपसी समन्वय के साथ योजनाओं को सही ढंग से धरातल पर उतरने में अपनी भूमिका निभाई और निर्धारित समय अवधि में योजनाओं को पूर्ण कराएं ताकि उसका लाभ आमजन को समय से मिल सके। समीक्षा बैठक में ससद पश्चिमी चंपारण डॉ. संजय जायसवाल, विधायक प्रमोद कुमार, राणा रणधीर, कृष्णनंदन पासवान, श्याम बाबू प्रसाद यादव, सचिंद्र प्रसाद सिंह, राजू तिवारी , राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता, विशाल साह, माननीय विधान पार्षद डॉ. खालिद अनवर, अध्यक्ष जिला परिषद श्रीमती ममता राय, उप महापौर लालबाबू प्रसाद गुप्ता, मुख्य पार्षद नगर परिषद उपस्थित थे। बैठक में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त डॉ प्रदीप कुमार सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कार्य विभाग के सभी कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे। बैठक के प्रारंभ में जिलाधिकारी के द्वारा सभी सम्मानित अतिथिगण का स्वागत किया गया तत्पश्चात बैठक की कार्रवाई प्रारंभ हुई । जिलाधिकारी के निर्देश पर उप विकास आयुक्त के द्वारा जिले में चल रहे विकास के कार्यों को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एक-एक कर बताया गया।

एलएनजेपीआईटी छपरा में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन

डीएम वैभव श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान पर दिया जोर

छपरा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के 'सबका सम्मान, जीवन आसान' अभियान के तहत लोकनायक जयप्रकाश इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एलएनजेपीआईटी), छपरा में मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं संस्थागत समस्याओं, शिकायतों और सुझावों का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना था।

विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकताः

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान प्रशासन और संस्थान की प्राथमिकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी समस्याओं को उचित माध्यम से दर्ज कराने तथा उपलब्ध सुविधाओं का सकारात्मक उपयोग करने की अपील की।

जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वानः

एसएसपी रौशन कुमार ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अनुशासन, सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने पर जोर दिया। वहीं, संस्थान के प्राचार्य डॉ. बिमल कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि एलएनजेपीआईटी विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर विद्यार्थियों और प्रशासन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में छपरा के एसडीएम नीतेश कुमार, जीपीआरओ छपरा सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे। शिविर में संस्थान के करीब 400 छात्र-छात्राओं के साथ सभी संकाय सदस्य एवं कर्मचारी शामिल हुए। इस दौरान विद्यार्थियों ने अधिकारियों से सीधे संवाद कर अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं सुझाव रखे। समस्याओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से दर्ज कराने की व्यवस्था की गई, ताकि प्रत्येक शिकायत का उचित संज्ञान लेकर उसका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

शैक्षणिक व्यवस्था से लेकर मूलभूत सुविधाओं तक पर हुई सुनवाईः

विद्यार्थी सहयोग शिविर में शैक्षणिक व्यवस्था, परीक्षा, छात्रावास, पेयजल, शौचालय, कैंटीन समेत विद्यार्थियों से जुड़ी अन्य समस्याओं पर सुनवाई की गई। विद्यार्थियों को शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराने के लिए उपलब्ध विभिन्न माध्यमों की जानकारी भी दी गई।

कार्यालय नगर पंचायत, रफीगंज (औरंगाबाद)
कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, रफीगंज
निविदा आमंत्रण की सूचना (ई–टेंडरिंग द्वारा www.eproc2.bihar.gov.in)
संख्या–NIT No. 05/2026-27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता– नगर कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, रफीगंज।
2. निविदा आमंत्रण सूचना निर्गत की तिथि दिनांक– 18.08.2026
3. प्री बीड मीटिंग की तिथिएवं समय एवं स्थान– दिनांक–06.09.2026 को समय 02:00 बज अपराह्न कार्यालय कक्ष, नगर पंचायत, रफीगंज ।
4. परिमाण विपत्र प्राप्त करने की तिथि एवं समय दिनांक– 03.09.2026 से दिनांक 11.09.2026 के 03:00 बज तक (www.eproc2.bihar.gov.in)
5. संवेदक द्वारा निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक– 11.09.2026 समय 03:00 बजे तक (www.eproc2.bihar.gov.in)
6. बीड खोलने की तिथि दिनांक– 12.09.2026 समय 03:30 बजे से
7 कार्य की विवरणी– मद :–15th Finance, 6th Finance,आंतरिक संसाधन

क्रम सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रु॰ में)	अग्रधन की राशि (onlineके माध्यम से) Website:-www.Eproc2.bihar.gov.in	परिमाण विपत्र का मूल्य (onlineके माध्यम से) Website:-www.Eproc2.bihar.gov.in	Bid Processing fee (Through Online Payment हेतु प्रोसेसिंग शुल्क	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	वार्ड सं०– 02 में मो० मेराज से भाया नदीम के घर मो० जमालुद्दीन तक पी०सी०सी० पथ एवं नाली उच्चीकरण सहितढ़क्कन नाली निर्माण।	8,74,062.00	17,481.00	1250.00	As per EPROC 2.0	1 माह
2	वार्ड सं०– 02 में मा० नईम स सदरूद्दीन तक पी०सी०सी० पथ एवं ढ़क्कन सहित नाली निर्माण।	6,54,429.00	13,089.00	1250.00	As per EPROC 2.0	1 माह
3	वार्ड सं०– 15 में जब्बार से भाया उबैदुल्ला हजारा तक पी०सी०सी० पथ तथा नाली मरम्मत सहित ढ़क्कन निर्माण।	12,59,992.00	25,200.00	2500.00	As per EPROC 2.0	2 माह
04	वार्ड सं०– 15 में सैफुल्लाह खान से सलमान आलम तक पी०सी०सी० रोड निर्माण तथा मरम्मत कार्य।	19,09,494.00	38,190.00	5000.00	As per EPROC 2.0	2 माह
05	वार्ड सं०– 16 में शिवगंज मेन रोड़ से भाया मोहन यादव, कमलदेव य ादव एवं रविन्द प्रसाद सिपाही तक पी०सी०सी० पथ एवं ढ़क्कन सहित नाली निर्माण।	23,90,095.00	47,802.00	5000.00	As per EPROC 2.0	2 माह
06	वार्ड सं०– 16 में किशारी प्रसाद से भाया अनिल यादव, कपिल यादव तक पी०सी०सी० पथ एवं ढ़क्कन सहित नाली निर्माण कार्य।	23,21,151.00	46,423.00	5000.00	As per EPROC 2.0	2 माह
07 RT	वार्ड सं०– 07 में ज्ञान निकेतन से उमेश पसाद के मकान तक पी.सी.सी. पथ एवं ढ़क्कन सहित नाली निर्माण।	12,06,490.00	24,130.00	2500.00	As per EPROC 2.0	2 माह
08 RT	वार्ड सं०– 16 में रामप्रवश चौहान के घर से जयराम सोनार तक पी .सी.सी. पथ एवं ढ़क्कन सहित नाली निर्माण।	4,58,501.00	9,170.00	1250.00	As per EPROC 2.0	1 माह

नोटः–Bidders Should submit Bid Processing fee through Online Payment as per Amount generated on Websitewww.eproc2.bihar.gov.in
8. निविदा की वैद्यता अवधि :120 दिन (निविदा अपलाड करन की अंतिम तिथि स)
9. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना विभागीय वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in मे देखा जा सकता है।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत, रफीगंज
PR- 010484 (B & C) 2026-27
विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।
नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

समाहरणालय, कैमूर
(मद्यनिषेध एवं उत्पाद शाखा)
वाहन नीलामी हेतु अति अल्पकालीन आम सूचना
(बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 एवं संशोधित अधिनियम 2018 के सुसंगत प्रावधानों के तहत राज्यसात किये गये वाहनों की (अल्पकालीन सार्वजनिक नीलामी सूचना)

आवेदन प्राप्त करने की तिथि	वाहन निलामी की तिथि		आवेदन प्राप्त करने का स्थान
01.09.2026	नीलामी की पहली तिथि	03.09.2026	कार्यालय अधीक्षक मद्यनिषेध, कैमूर
05.09.2026	नीलामी की दुसरी तिथि	08.09.2026	
09.09.2026	नीलामी की तीसरी तिथि	11.09.2026	

केवल बिहार राज्य अंतर्गत प्रेस विज्ञप्ति हेतु वाहनों की विवरणी

क्र 0	थाना	थाना काण्ड संख्या	वाहन प्रकार	निबंधन सं0	वाहन स्वामी का नाम एवं पता	अधिहरण वाद सं0/ अधिहरण आदेश तिथि	मुल्यांकित राशि	SOP के आलोक में तेरहवी नीलामी का 10% कम राशि दिनांक 29.07.26	SOP के आलोक में चौदहवी नीलामी का 10% कम राशि दिनांक 03.09.26	अग्रधन राशि	SOP के आलोक में पंद्रहवी नीलामी का 10% कम राशि दिनांक 08.09.26	SOP के आलोक में सोलहवी नीलामी का 10% कम राशि दिनांक 11.09.26
1	मद्यनिषेध	658/24	MARUTI SUZUKI CAR-	Rg.No.-WB06E-2120 Ch.No.-MA3EFJC1S00167086 Eng.No.-M16AN2027390	श्री सुमन दास, पे0–एस0 दास, सा0–155 : 1 / ए0, बांगुर एमेन्यु, ए0 ब्लाक, जिला–कालकता	701/24 09.01.2025	240000	60252	54227	5423	48804	43924
2	मद्यनिषेध	701/24	HYUNDAI CAR-	Rg.No-DL10CA-9097 Ch.No.-MALBB51BLBM306899 Eng.No.-G4LABM682288	श्री ब्रजेश रावत, पे0–जयप्रकाश, सा0–हाउस नं0 151, गली नं0 54 एस0 ब्लॉक, ई 03, मोहम्दाबाद, बदरपुर, जैतपुर साउथ दिल्ली	708/24 09.01.2025	200000	50209	45188	4519	40669	36602
3	मद्यनिषेध	54/25	Piaggio Vehicles tempu	BR44P-6906 CHE-MBX0003BFWK746106 ENG-NA	श्री दुनटुन महतो, पे0–राजेन्द्र सिंह, सा0–कान्त ब्रहम्पुर, थाना–बक्सर, जिला–बक्सर	131/25 12.04.2025	80000	20084	18076	1808	16268	14641
4	मद्यनिषेध	707/24	Car	Rg.No.-BR06V-6487 Ch.No.-MALCN41VLBM101001A Eng.No.-D4FAAU922626	NA	116/25 28.02.2025	150000	37657	33891	3389	30502	27452
5	मद्यनिषेध	961/24	Wagon R Car	HR36N-6557 Che-MA3EWDE1S00120706 Eng-K10BN4066998	श्री विक्रम, पे0–हरिराम, सा0–हाउस नं0 46, भी पी ओ सैड साहपुर, रेवारी हरयाणा	99/25 28.02.2025	140000	37657	33891	3389	30502	27452
6	मद्यनिषेध	874/24	E-RICKSHOW	BR45ER-1416 Ch.No.-M5LEED2D21C000396 Eng.No.-EEVM210396	सलीम राईन, पिता–गिरी राईन, सा0–डरवन, थाना–रामगढ़, जिला–कैमूर	06/25 18.02.2025	50000	12553	11298	1130	10168	9151
7	मद्यनिषेध	227/24	BICYCLE Not fit for registration	NA	श्री ओम पकाश गुप्ता, पिता–लक्ष्मण गुप्ता, ग्राम–पतेषर, थाना–चॉद, जिला–कैमूर।	467/24 21.09.2024	250	62	56	6	50	45
8	चाँद	198/23	TEMPU	BR24PA-1518 CH-MD2A95AY9JWF85958	श्री बदन चौधरी, पिता–माती चौधरी, ग्राम–सीता बिगहा, करवन्दिया, सासाराम, जिला–रोहतास।	10/24 01.03.2024	70000	17573	15816	1582	14234	12811
9	दुर्गावती	42;22	BAJAJ MAXIMA TEMPU	UP67AT-2597 CH-MD2A95AY6JWF89448	संजय राय, पे0–मुन्नीलाल राय, 23 जसुरी चंदौली (उ0प्र0) 232104	218/22 18.07.2022	60000	15063	13557	1356	12201	10981
10	दुर्गावती	17/23	MAHINDRA ALFA PAX CHAMP DIESEL THREE WHEELER	BR03PA-7634	श्री भरत नोनिया, पिता–कन्हाई नानिया, सा0– मन्गोलपुर, करहसी, जिला–बक्सर।	90/23 28.06.2024	60000	15063	13557	1356	12201	10981
11	मोहनियां	468/23	MOTOR CAR	JH10AW-7263	शाहीद अनवर, पिता–गुला दुस्तागीर, Address-WARD NO-13, SARIYA, AURANGABAD SARIYA, VIA TILAUTHU, ROHTAS, BIHAR	78/23 28.06.2024	350000	120531	108478	10850	97630	87867
12	मोहनियां	521/23	Indigo CS LX BSIII Motor Car	UP65BK-2931 CH-MAT607161DPA05345 ENG-475IDT14AWYP04873	मो0 सलाउद्दीन,पे0–कमरूद्दीन, सा0–गोविन्दपुर, चाँदपुर, थाना–बरिया, जिला–बरिया, उ0प्र0	110/24 17.05.2025	150000	37657	33891	3389	30502	27452

PR- 010222 (Excise) 2026-27
अधीक्षक मद्य निषेध
कैमूर (भभुआ)
विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।
नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कुटुंबा में विद्यार्थी सहयोग शिविर आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुटुंबा (औरंगाबाद)। विभागीय आदेश के आलोक में मंगलवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कुटुंबा में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय में नामांकित बालिकाओं को विद्यार्थी सहयोग पोर्टल के माध्यम से अपनी समस्याएं एवं सुझाव दर्ज कराने की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक योजना पदाधिकारी प्रियंका कुमारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रणविजय कुमार, पुलिस पदाधिकारी प्रशांत त्रिवेदी, पीएम पोषण योजना के बीआरपी प्रभाकर कुमार तथा संचालक चंद्रशेखर साहू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

शिविर में गाइडलाइन के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कुटुंबा में नामांकित छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान छात्राओं को विद्यार्थी सहयोग पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि छात्रावास की वास्तविक छात्राएं ही सहयोग पोर्टल पर जाकर छात्रावास से संबंधित समस्याएं एवं सुझाव दर्ज कर सकती हैं। अधिकारियों ने छात्राओं को पोर्टल पर अपनी समस्या अथवा सुझाव दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। बताया गया कि सहयोग पोर्टल पर किसी भी समय ऑनलाइन परिवाद दर्ज किया जा सकता है। परिवाद दर्ज होने की तिथि से 30 दिनों के अंदर उसके निष्पादन की कार्रवाई की जाएगी तथा आवेदक को लिखित रूप से सूचना उपलब्ध कराई जाएगी। छात्राओं को यह भी बताया गया कि वे सहयोग शिविर से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए निशुल्क हेल्पलाइन नंबर 1100 पर संपर्क कर सकती हैं। सहायक योजना पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने शिविर में उपस्थित छात्राओं से उनकी समस्याओं और सुझावों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने छात्रावास की विभिन्न व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। इस दौरान आवासन कक्ष, बेडिंग, भोजनालय, स्टोर रूम, कंप्यूटर एवं लाइब्रेरी रूम सहित अन्य उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने छात्राओं को निर्भीक होकर अपनी समस्याएं और सुझाव रखने के लिए प्रेरित किया तथा कहा कि विद्यार्थी सहयोग शिविर का उद्देश्य छात्राओं की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। मौके पर आईसीटी कोऑर्डिनेटर अमित कुमार, प्रभारी वार्डन आंचल कुमारी, संसाधन शिक्षिका कल्पना शर्मा, व्यावसायिक अनुदेशिका इंदु कुमारी, लेखापाल आशा कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी व जूनियर रेड क्रॉस ने छात्राओं के लिए लगाया स्वास्थ्य शिविर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी एवं जूनियर रेड क्रॉस, औरंगाबाद के संयुक्त तत्वावधान में अनुग्रह इंटर विद्यालय, औरंगाबाद परिसर में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों की जानकारी देना तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति सजग एवं संवेदनशील बनाना रहा। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अंतरा कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, औरंगाबाद रिचा मिश्रा, रेड क्रॉस के वाइस चेयरमैन मरगूब आलम, प्रबंधन एवं कार्यकारी समिति के सदस्य मनोज कुमार तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन अवसर पर आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अंतरा कुमारी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े ऐसे कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी और आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं। विशेषकर किशोरावस्था में छात्राओं को अपने स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता एवं व्यक्तिगत देखभाल के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस आयु में स्वास्थ्य संबंधी छोटी-छोटी लापरवाहियां आगे चलकर गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती हैं। ऐसे में विद्यालय स्तर पर स्वास्थ्य शिविर और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन छात्राओं तक सही एवं उपयोगी जानकारी पहुंचाने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाता है। शिविर के दौरान छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वच्छ पेयजल के उपयोग, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई। छात्राओं को किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर उसे नजरअंदाज नहीं करने और अभिभावकों, शिक्षकों अथवा स्वास्थ्य विशेषज्ञों से उचित परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी रिचा मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि रेड क्रॉस का उद्देश्य मानवीय सेवा के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों तक स्वास्थ्य एवं जागरूकता का संदेश पहुंचाना है। जूनियर रेड क्रॉस के माध्यम से विद्यार्थियों को सेवा, संवेदना, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय कुमार ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी एवं जूनियर रेड क्रॉस, औरंगाबाद के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में छात्राओं के लिए इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अत्यंत उपयोगी है। इससे छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी मिलने के साथ-साथ अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उचित मार्गदर्शन भी प्राप्त होता है।

मेहंदी प्रतियोगिता में 60 बालिकाओं ने दिखाया हुनर, स्नेहा भारती बनी विजेता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। कला, संस्कृति और सृजनशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को स्काई व्यू होटल के सभागार में चेम्बर ऑफ कॉमर्स, औरंगाबाद एवं चहकता आंगन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में भव्य मेहंदी प्रतियोगिता–2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले भर से 60 बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की मेहंदी कला, डिजाइन, सुंदरता और रचनात्मकता का निर्णायक मंडल ने मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में स्नेहा भारती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि राधा कुमारी द्वितीय और विद्या कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। विजेताओं को मोमेंटो एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्काई व्यू होटल परिवार की ओर से विजेताओं को विशेष उपहार भी प्रदान किए गए। प्रथम पुरस्कार विजेता को बर्तन सेट, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागी को टी-शर्ट तथा तृतीय पुरस्कार विजेता को उपयोगी उपहार सामग्री दी गई। प्रतियोगिता में शामिल सभी 60 प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाण-पत्र, सांत्वना पुरस्कार एवं 10 प्रतिशत डिस्काउंट कूपन देकर उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद उपाध्यक्ष किरण सिंह उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में सीनियर डिप्टी कलेक्टर रितेश यादव, भाजपा नेत्री अनिता सिंह तथा पतंजलि बिहार राज्य कार्यकारिणी सदस्य ममता गुप्ता शामिल रहीं। इस अवसर पर चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष मुकेश कुमार गुप्ता, चहकता आंगन फाउंडेशन के अध्यक्ष अमित गुप्ता, कोषाध्यक्ष राकेश रंजन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा कि यह प्रतियोगिता केवल कला प्रदर्शन का मंच नहीं, बल्कि बेटियों की प्रतिभा, हुनर और आत्मविश्वास को नई पहचान देने का सार्थक प्रयास है।

जालंधर राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी को लेकर माले की बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हसपुरा। अखिल भारतीय किसान महासभा के 20-21 सितम्बर को पंजाब के जालंधर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को हसपुरा के रामशरण सिंह स्मृति भवन में भाकपा-माले हसपुरा प्रखंड कमेटी की विस्तारित बैठक हुई। अध्यक्षता माले प्रखंड सचिव सह किसान महासभा के जिला सचिव कामरेड कामता प्रसाद यादव ने की। बैठक की शुरुआत माले कार्यकर्ता दिवंगत गुप्तेश्वर प्रसाद गुप्ता और मोहम्मद अजीज अंसारी को एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद पार्टी सदस्यता के नवीकरण, नई सदस्यता भर्ती, पार्टी पत्रिका के विस्तार तथा किसान महासभा की एक हजार सदस्यता भर्ती का निर्णय लिया गया।

शपथ पत्र

मैं, निवास कुमार दिनकर पिता- स्व. आनंदी पंडित, साकिन- राढ़िल, पोस्ट- नइमा, थाना- तेल्हाड़ा, जिला- नालन्दा शपथ पूर्वक बयान करता हूँ कि मेरा पुत्र शिवांशु राज अब अनिकेत कुमार के नाम से जाना जाएगा। दोनों नाम एक ही व्यक्ति का है। अनिकेत कुमार का जन्मतिथि- 04.01.2013 है।

मां दुलारी क्लिनिक का सांसद ने किया शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। भखरुआं में पटना रोड स्थित मां दुलारी क्लीनिक का उद्घाटन सोमवार को काराकाट से सांसद राजाराम सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि आज चिकित्सा सेवा की उपलब्धता अति आवश्यक है। इस क्लीनिक से आम लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी और उसका लाभ मिल सकेगा। इस अवसर पर डॉ. अनमोल कुमार ने सांसद के अलावा जिला परिषद सदस्य अरविंद यादव, सांसद प्रतिनिधि पिंटू सिंह, राजकुमार मालाकार, रंजीत कुमार, मोहम्मद फजलुर रहमान उर्फ लड्डू एवं पत्रकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. मधुमिता शर्मा ने डॉ. अंकिता मगध को सम्मानित किया। संचालक सतीश कुमार समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे। डॉक्टर अनमोल कुमार ने बताया कि यहां हमेशा विभिन्न रोगों के इलाज के लिए कई चिकित्सक उपलब्ध रहेंगे।

अस्पताल परिसर से बाइक चोरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरियक। पावापुरी स्थित भगवान महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (बीमिम्स) अस्पताल परिसर से बाइक चोरी के मामले में पावापुरी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की बाइक बरामद कर ली है। पावापुरी थानाध्यक्ष गौरव कुमार सिंह ने बताया कि मामले में गिरियक थाना क्षेत्र के गड़ेरिया बिगहा निवासी पवन कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

संज्ञा समिति ने किया गोस्वामी तुलसीदास का स्मरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। रविवार को संज्ञा समिति द्वारा गोस्वामी तुलसीदास जी के जन्म जयंती का आयोजन अनुज पाण्डेय के आवास पर किया गया। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार मिश्रा ने की। संचालन सचिव संजय मिश्रा ने किया। मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, प्रखंड अध्यक्ष डॉ. पंकज मिश्रा एवं भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम पाठक सहित अन्य सदस्यों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। राज पाठक एवं अन्य शामिल हुए। उनके जीवन, साहित्यिक योगदान एवं श्रीरामचरितमानस के माध्यम से समाज को दिए गए संदेशों पर प्रकाश डाला गया। श्याम कुमार पाठक ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा अनेक महाकाव्य लिखा गया। जिसमें श्रीरामचरितमानस का पूरे विश्व में प्रमुख स्थान है। इनके रचना से समाज में आध्यात्मिक, भक्ति का संचार हुआ। भक्ति मार्ग से श्रीराम जी के आदर्श जीवनी के बारे चौपाई के माध्यम से सभी को पढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ। अनुज पांडेय ने सभी सदस्यों को श्रीरामचरितमानस भेंट की। धन्नजय मिश्र,संजय मिश्र,संतोष पाठक, राजू मोहन मिश्र, चिंटू मिश्र, प्रशांत इंद्र गुरु, अमित मिश्र, सोनू पाठक, प्रेम पाठक, गुड्डू पाठक, चुनचुन मिश्र, पिंटू पाठक, नीतीश मिश्रे, अजय पाण्डेय,उपस्थित रहे।

सामाजिक न्याय के अग्रदूत को जयंती पर अर्पित किया श्रद्धा सुमन

औरंगाबाद। मंडल मसीहा और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी प्रसाद (बीपी) मंडल की जयंती के अवसर पर शहर के सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज मोड़ के समीप एक रिसॉर्ट में मंगलवार को श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राजनितिक, शैक्षणिक एवं प्रबुद्ध जनों ने पूर्व मुख्यमंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके जीवन, संघर्ष और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए, बताएं मार्गों पर चलने के लिए संकल्पित हुए। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद वीरेंद्र कुमार सिंह, पूर्व विधायक रामबली सिंह यादव, पूर्व विधायक वीरेंद्र कुमार सिन्हा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

खबर का असरः बिस्कोमान में शुरू हुआ खाद वितरण, किसानों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली (नवादा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित अर्चना होटल परिसर के बिस्कोमान कृषि सेवा केंद्र पर मंगलवार से खाद का वितरण सुचारू रूप से शुरू हो गया। बीते चार दिनों से खाद के लिए भटक रहे किसानों को इससे बड़ी राहत मिली है। किसानों ने सोमवार को शिकायत की थी कि वे शुक्रवार से केंद्र का चक्कर काट रहे हैं, लेकिन वितरण में अनियमितता के कारण उन्हें भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। मीडिया में मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया और मंगलवार सुबह से वितरण कार्य शुरू कराया गया। मंगलवार को शिवनारायण बिगहा की रामफुलवा देवी, बहादुरपुर के मिथुन कुमार व चमेली देवी, प्राणचक की कांति देवी, गैरिबा की तारो देवी, भाईजी भित्ता के सिद्धेश्वर चौधरी, कोनीवर के जनार्दन मांझी व सुरेंद्र सहित सैकड़ों किसानों को खाद उपलब्ध कराई गई। बिस्कोमान प्रबंधक सतीश कुमार ने बताया कि रविवार को केंद्र बंद रहने और सोमवार को खाद की नई खेप पहुंचने के कारण वितरण बाधित हुआ था। केंद्र में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। भीड़ नियंत्रण के लिए टोकन व्यवस्था लागू कर पहचान पत्र के आधार पर वितरण किया जा रहा है।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/26/43, दिनांक: 24.08.2026, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व रेलवे, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001 के द्वारा निम्नलिखित सामानों की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं:

● **(क) क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण; बयाना राशि** निम्नानुसार हैं: **(1) 15265074;** एआरटी के लिए हाइड्रॉलिक रि-रेलिंग इक्विपमेंट की आपूर्ति, स्थापना एवं आरंभ; रु.3,51,070/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 22.09.2026 को 13.30 बजे (2) 16261013;** पीटीएफई टाइप न्यूट्रल सेक्शन; रु.2,80,890/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 11.09.2026 को 13.30 बजे (3) 14261034;** रिले, प्लग इन टाइप, स्टाइल "क्यूएल1", मैग्नेटिकली लैच्ड, न्यूट्रल लाइन, 24 वी डीसी, 11एफ, 4बी, कॉन्टैक्ट्स, फ्रंट और बैक कॉन्टैक्ट्स मेटल से कार्बन, प्लग बोर्ड वगैरह के साथ संपूर्ण का क्रय; रु.1,38,880/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 17.09.2026 को 13.30 बजे (4) 20265028;** भेल 3 फेज ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर टाइप 1276 केवीए (संपूर्ण टीएफपी); रु.1,49,860/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 29.09.2026 को 13.30 बजे (5) 10261072;** क्रैंक शैफ्ट आदि; रु.1,67,490/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 07.09.2026 को 13.30 बजे (6) 10252101ए;** मेसर्स श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के सिंगल इंटरप्टर टाइप 22सीबी के साथ वीसीबी के लिए सीकेडी डीआरवी एमएफआर 3जी245एलसी_एस के साथ टीओएच सर्विस किट की खरीद; रु.1,08,720/- **निविदा खुलने की तिथि और समय: 15.09.2026 को 13.30 बजे (7) 10251153ए;** मेसर्स श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के सिंगल इंटरप्टर टाइप 22सीबी के साथ वीसीबी के लिए सीकेडी पीआरवी एमएफआर 38248एलसी_एस के साथ पीओएच सर्विस किट, 36 आइटमों से संलग्न आदि; रु.1,61,480/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 16.09.2026 को 13.30 बजे (8) 10261118;** ट्रैक्शन मोटर कूलिंग ब्लोअर के लिए मोटर; रु.1,72,190/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 14.09.2026 को 13.30 बजे (9) 15265099;** ईओटी क्रेन 40/10 टन की आपूर्ति, स्थापना एवं आरंभ आदि; रु. 3,56,000/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 23.09.2026 को 13.30 बजे (10) 21265031ए;** बीवीसीएम वैगन के लिए सेंटर सिल (सीआरएफ सेक्शन) का क्रय आदि; रु.3,54,000/- **(11) 10252377ए;** ट्रैक्शन ब्रेकिंग स्विच ड्रम आदि; रु. 7,13,420/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 14.09.2026 को 13.30 बजे** क्रम सं. 10 एवं 11 के लिए **(12) 08261013;** केबल सिंगल कोर, 300 वर्ग मिमी, 1500 वोल्ट, कम्पोजिशन क्लास-5; रु.9,21,390/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 11.09.2026 को 13.30 बजे (13) 01261510;** फ्लेक्सिबल पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) फ्लोरिंग शीट आदि का क्रय; रु.20,00,000/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 30.09.2026 को 13.30 बजे (14) 08265032;** एलएचबी एसी कोचों के लिए आरएमपीयू की आपूर्ति, फिटमेंट, परीक्षण एवं आरंभ का क्रय; रु.20,00,000/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 14.09.2026 को 13.30 बजे (15) 08261687;** 1100 एएच कैपासिटी वीआरएलए सेल आदि का क्रय; रु.20,00,000/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 24.09.2026 को 13.30 बजे (16) 21265028;** एफएमपी ए एवं बी कार आदि के लिए 22 टन एक्सल लोड हेतु असेंबल्ड कास्ट स्टील (एलसीसीएफ) बोगी का क्रय; रु.20,00,000/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 14.09.2026 को 13.30 बजे (17) 05261094;** जेनशन ब्लू (आरएएल-5010) आदि का क्रय; रु.1,37,330/- **(18) 10252365ए;** टू वे हॉर्न वाल्व असेंबली; रु.1,41,540/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 10.09.2026 को 13.30 बजे** क्रम सं. 17 एवं 18 के लिए **(19) 21265005;** बीओएक्सएनएचएल के लिए बॉडी साइड अरेंजमेंट कम्प्लीट आदि; रु. 1,86,920/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 14.09.2026 को 13.30 बजे (20) 21261293;** पिन असेंबली कम्प्लीट आदि; रु. 1,51,220/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 11.09.2026 को 13.30 बजे (21) 04265008;** अनेक्सर-'ए' के अनेक्सर 11 आइटमों से संलग्न 25 टन जमालपुर जैक मटीरियल्स की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं आरंभ; रु.20,00,000/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 16.09.2026 को 13.30 बजे (22) 04265007;** संलग्न अनेक्सर के अनेक्सर 11 आइटमों से संलग्न 35 टन जमालपुर जैक मटीरियल्स की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं आरंभ;रु. 20,00,000/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 15.09.2026 को 13.30 बजे (23) 20263090;** इंटरमीडिएट ओवरहॉलिंग किट; रु.1,39,420/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 23.09.2026 को 13.30 बजे (24) 15265100;** 5 वर्ष की वारंटी के साथ टर्नकी आधार पर एक (01) डिजिटल सबट्रैक्शन एंजियोग्राफी सिस्टम (डीएसए) कैथ लैब मशीन की बाई बैक के साथ आपूर्ति, स्थापना और आरंभ; रु. 19,00,000/, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 14.09.2026 को 13.30 बजे (25) 1226_एलसी_फिटिंग_4916;** आरडीएसओ ड्रॉ. नंबर टी-4916 के अनुसार 60 केजी के लिए पीएससी स्लीपर बीजी पर लेवल क्रॉसिंग फिटिंग की खरीद, फिटिंग सहित ; रु.4,69,450/, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 08.09.2026 को 13.30 बजे (26) 1226_एंड_कट_एचवीएन;** विभिन्न एंड कट कॉम्बिनेशन हाई विस्कस नाइलन (एचवीएन-66) इंसुलेटिंग लाइनर के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए चालू ठेका; रु.5,77,050/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 28.08.2026 को 13.30 बजे (27) 1226-ग्लूड_2572;** आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी-2572 के अनुरूप 60 केजी ग्लूड इंसुलेटेड रेल जॉइंट्स (जी-3) (एल) टाइप के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए चालू ठेका; रु. 50,00,000/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 03.09.2026 को 13.30 बजे (28) 12261012;** आरडीएसओ ड्रॉ. नं. टी-8822 के अनुसार थिक वेब स्विच एक्सपैंशन जॉइंट (टीडब्ल्यूएसईजे) के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए 1 वर्ष की आरजीसी; रु. 20,00,000/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 28.08.2026 को 13.30 बजे (29) 22261376;** इंज. बेनरैलिजुमैब 30 मिग्रा/1 मिली (उत्पाद, निर्माणकारी फर्म की रेलवे बोर्ड द्वारा अनुमोदित उत्पाद सूची में उपलब्ध होना चाहिए); रु.2,23,930/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 25.08.2026 को 13.30 बजे (30) 12261030ए;** आरडीएसओ ड्रॉ. नंबर टी-5919 के तहत इलास्टिक रेल क्लिप एमके-V के निर्माण और आपूर्ति का चालू ठेका; रु.50,00,000/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 03.09.2026 को 13.30 बजे (31) 1226_मेटल लाइनर_8995;** आरडीएसओ ड्रॉ. नंबर टी-8995 के समरूप शार्प कर्व के लिए मेटल लाइनर के निर्माण और आपूर्ति का चालू ठेका;रु.1,23,630/-, **निविदा खुलने की तिथि और समय: 30.09.2026 को 13.30 बजे निविदा मूल्य :** रु.0 (क्रम सं. 1 से 31 प्रत्येक हेतु)।

● **(ख) क्रम सं.**1; **निविदा सं.:** 52267109, **संक्षिप्त विवरण:** माइक्रोप्रोसेसर कंट्रोलर, **और अनुमानित निविदा मूल्य:** रु. 88,05,750/-, **निविदा की अंतिम तिथि: 21.09.2026**, **टिप्पणी:** उपर्युक्त सभी निविदाएँ ई-निविदाएँ हैं एवं सभी निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि आईआरईपीएस की वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** के माध्यम से अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। ऊपर उल्लिखित निविदाओं एवं अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में विस्तृत विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें।

STORES-31/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

बिहार सरकार

सारण समाहरणालय, छपरा

(जिला कल्याण शाखा)

:सूचना:

प्राक् परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग

पुराना जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा डाक बंगला रोड सारण–841301

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के इन्टर/स्नातक उतीर्ण छात्र-छात्राओं के लिए रेलवे/एस0एस0सी0/बैंकिंग परिक्षाओं में चयनित होने के लिए परीक्षा पूर्व निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रण

राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र/छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए सारण में प्राक् परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, पुराना जयप्रकाश विश्वविद्यालय, सारण में संचालित है। वर्तमान वर्ष 2026 में द्वितीय बैच SSC/RRB/BANKING के लिए 60 सीट, हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। उपलब्धता के आधार पर महिलाएँ एवं दिव्यांगो को क्रमशः 35% एवं 3% की वरीयता दी जायेगी।

- छात्र–छात्राओं का चयन सामान्य अध्ययन विशय के बहुबैकल्पिय लिखित परीक्षा के माध्यम से मेधा सूची के आधार पर किया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान आवास की व्यवस्था नहीं है।
- प्रशिक्षण की अवधि छः माह (अक्टुबर–2026 से मार्च–2027 तक)

छात्र–छात्राओं की पात्रता–

- बिहार राज्य के निवासी हों, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति इन्टर/स्नातक उर्त्तीण सदस्य हों, आवेदक/आवेदिका के अभिभावक की वार्शिक आय (अद्यतन) रू. 2.50 लाख (दो लाख पचास हजार रूपये) से कम हो।

छात्रवृति :–

- राज्य सरकार के द्वारा प्रति माह 75 प्रतिशत उपस्थिति के आधार पर जिले के निवासी को स्थानीय निवासी मानते हुए 1500 रू. (एक हजार पाँच सौ रू. मात्र) प्रति माह तथा जिला के बाहर निवास करने वाले अभ्यर्थी को 3000 रू. (तीन हजार रू. मात्र) प्रति माह के दर से देय होगा।

आवेदन कैसे करें :–

- आवेदन– पत्र का निम्नांकित विहित प्रारूप, जन्मतिथि, शैक्षणिक योग्यता, जाति, आय एवं आवास प्रमाण पत्र के साथ स्वपतायुक्त लिफाफा, 40रू. के डाक टिकट एवं तीन फोटो (पासपोर्ट साईज) संलग्न कर निदेशक, प्राक् परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, पुराना जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा डाक बंगला रोड पिन कोड–841301 को निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा भेज सकते है। विद्यार्थी स्वंय भी संबंधित केन्द्र के कार्यालय में आवेदन–पत्र जमा कर सकते है।

आवेदन– पत्र का प्रारूप :–

1. आवेदक का नाम, 2. पिता/पति का नाम, 3. जन्मतिथि, 4. कोटि, 5. जाति, 6. शैक्षणिक योग्यता, 7. स्थायी पता,

8. पत्राचार का पता, 9. परिवार की वार्शिक आय (अद्यतन छः माह से पूर्व का न हो), 10. किसी प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने का विवरण (यदि हो तो), 11. मोबाईल नम्बर, 12. तीन पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ सहित शैक्षणिक योग्यता का अंक प्रमाण–पत्र, जन्म तिथि प्रमाण–पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र एवं आवासीय प्रमाण पत्र की छायाप्रति।

आवेदन की अंतिम तिथि	:–	विज्ञापन प्रकाशित होने के बाद 12वें दिन तक होगी।
परीक्षा की सम्भावित तिथि	:–	विज्ञापन प्रकाशित होने के 15वें दिन होगी।
प्रशिक्षण की तिथि	:–	अक्टुबर–2026 से प्रारम्भ
प्रशिक्षण–व–परीक्षा शुल्क	:–	निःशुल्क

प्रशिक्षण–व–नामांकन संबंधी विशेष जानकारी हेतु निदेशक, प्राक् परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र सारण दूरभाष सं0–6202519274 से प्राप्त किया जा सकता है।

निदेशक
प्राक् परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र
सारण (छपरा)

PR. No. 010509 (Welfare) 2026-27

जिला अनु0 जाति एवं जनजाति
कल्याण पदाधिकारी सारण (छपरा)

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

अगर मन में हो एच.आई.वी. अथवा यौन जनित रोग से जुड़े सवाल तो तुरन्त 1097 पर करें कॉल।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा

सहिजना मोड़, गढ़वा (झारखण्ड) पिन नं० 822114 Email : eedwsd.garhwa1@gmail.com

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या DWSD/GAR-DT-08/2026-27 (1st Call)

दिनांक–24.08.2026

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा।
3. परिमाण विपत्र विभागीय वेबसाईट पर ऑपलोड/डाउनलोड की तिथि/समय :– **03.09.2026** को 12:30 बजे अपराह्न में।
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/समय :– **11.09.2026** को 3:30 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने की अंतिम तिथि/समय :– **12.09.2026** को 04.00 बजे अपराह्न में ।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान:– विभागीय वेबसाईट dwsd.jharkhand.gov.in से download किया जा सकता है।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा का कार्यालय।
8. निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा का कार्यालय।

क्र0 सं0	कार्य की विवरणी गढ़वा जिला अन्तर्गत विभिन्न 20 सरकारी विद्यालयों में चापाकल अधिष्ठापन कार्य।	सरकारी विद्यालय की सं0	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि।
1	2	3	4	5	6	7
01	14 अदद सरकारी विद्यालयों में चापाकल अधिष्ठापन कार्य (प्रखण्ड– चिनियां, रंका एवं रमकंडा) ग्रुप संख्या –RRC-1	14 अदद	1846320.00	38000.00	5000.00	30 (तीस) दिन
02	06 अदद सरकारी विद्यालयों में चापाकल अधिष्ठापन कार्य (प्रखण्ड– बड़गड़, नगर उँटारी एवं विशुनपुरा) ग्रुप संख्या –BNV-2	06 अदद	791280.00	16000.00	1250.00	30 (तीस) दिन

नोटः– निविदा की शर्तें एवं परिमाण विपत्र विभागीय वेबसाईट dwsd.jharkhand.gov.in से download किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,
गढ़वा।

PR.NO.388415 Drinking Water and Sanitation(26-27):D

कहलगांव एनटीपीसी का सात दिवसीय कांवरिया स्वास्थ्य सेवा शिविर संपन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला के मौके पर सुल्तानगंज - तारापुर कांवरिया पथ के किनारे स्थित कहलगांव एनटीपीसी का सात दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविर संपन्न हुआ। कहलगांव एनटीपीसी के नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनसेवा की भावना के तहत कांवरिया पथ पर रहमतपुर गांव के पास जीवन ज्योति अस्पताल (एनटीपीसी) की ओर से विगत 18 अगस्त को लगाए गए निःशुल्क कावंरिया स्वास्थ्य सेवा शिविर में एक सप्ताह के दौरान तीन हजार से ज्यादा कांवरियों को स्वास्थ्य संबंधी

सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। शिविर में कार्यरत अस्पताल के कर्मियों के द्वारा कांवरियों की प्राथमिक उपचार, पैदल यात्रा से होने वाले पैरों के छाले एवं अन्य सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं में सहायता, ओआरएस एवं ग्लूकोज की सुविधा, रक्तचाप की जांच, तापमान और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण तथा जरुरत के अनुसार आवश्यक दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। इसके अलावा गंभीर अथवा अस्पताल स्तर की चिकित्सा आवश्यकता वाले मरीजों को आगे की चिकित्सा सहायता के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग भी प्रदान किया गया। कहलगांव एनटीपीसी के जीवन ज्योति अस्पताल के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कृष्णकांत चौधरी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में इस शिविर का सफल संचालन हुआ। इस दौरान चिकित्सकीय टीम, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, फर्स्ट एड स्टाफ, कैंप कोऑर्डिनेटर एवं अन्य सहयोगी कर्मचारियों ने पूरे सात दिनों तक समर्पण एवं सेवाभाव के साथ बड़ी संख्या में कांवरियों को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैय्या कराने का काम किया। शिविर के सफल आयोजन में कहलगांव एनटीपीसी के सीएसआर विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा। चिकित्सा संसाधनों, दवाइयों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के सहयोग से शिविर को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सका। एनटीपीसी के जीवन ज्योति अस्पताल की पूरी टीम ने भी कांवरियों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

'हिण्डोला' कार्यक्रम का आयोजन

दरभंगा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। विश्वविद्यालय संगीत एवं नाट्य विभाग में मंगलवार को 'हिण्डोला' कार्यक्रम का आयोजन विभाग के समक्ष मुक्ताकाश मंच पर श्री राधा कृष्ण के झूले के साथ किया गया। विभाग के समक्ष सुंदर साए श्री राधा कृष्ण झूले में झूलते हुए दिव्य छवि को प्रकट कर रहे थे। एक ओर राधारमन झूम रहे थे तो दूसरी ओर छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सावन के गीतों से हिंडोल-सा वातावरण तैयार हो रहा था। प्रारंभ में विश्वविद्यालय कुल गीत का गायन किया गया, तत्पश्चात विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा सावन गीत, झूला, हिंडोला, कजरी इत्यादि गीतों का गायन किया गया। सावन की रिमझिम फुहार में विद्यार्थियों ने अपने गायन से प्रकृति में सुंदर छटा बिखेर दी। गीतों के बोल थे- 'झूले नवल हिण्डोला', 'राधे झूलन पधारो झुकी आए बदरा' विद्यार्थियों ने इन गीतों के साथ अलग-अलग समूह बनाकर झूम कर नृत्य भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम डॉ पुष्कर कुमार झा एवं डॉ अभिषेक स्मिथ के निर्देशन में तैयार किया गया था। संयोजन विभागाध्यक्ष सह संकायाध्यक्ष प्रो लावण्य कीर्ति सिंह 'काव्या' की थी।

30 नवंबर तक चलेगा एनीमिया मुक्त बिहार अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। एनीमिया के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की ओर से शुरू किए गए विशेष अभियान 'अनीमिया मुक्त बिहार' का मंगलवार को सदर अस्पताल में जिलास्तरीय सजीव प्रसारण किया गया। राज्यस्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ बिहार के मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने की। बताया गया कि 25 अगस्त से 30 नवंबर तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान जिले में बड़े स्तर पर एनीमिया की पहचान और उपचार किया जाएगा। अभियान में महिलाओं, गर्भवती महिलाओं, किशोरियों और बच्चों को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इन वर्गों की नियमित जांच कर एनीमिया से पीड़ित लोगों की पहचान की जाएगी। जांच के लिए सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के अलावा स्कूलों और स्वास्थ्य सत्र स्थलों पर डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर का उपयोग किया जाएगा। जांच में एनीमिया की पुष्टि होने पर संबंधित व्यक्ति को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने के साथ आयरन-फोलिक एसिड की दवा और पोषण संबंधी सलाह दी जाएगी। गंभीर स्थिति वाले मरीजों को आवश्यकता के अनुसार उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर करने की व्यवस्था भी की जाएगी। जांच के साथ दवा और पोषण पर भी जोर राज्यस्तरीय कार्यक्रम के बाद डीएम रोशन कुशवाहा ने सदर अस्पताल में स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने जिले के सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर महिलाओं, गर्भवती माताओं, किशोरियों और बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच कराने का निर्देश दिया। एनीमिया से पीड़ित मरीजों को आयरन एवं फोलिक एसिड की दवाएं बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराने को कहा। डीएम ने स्वास्थ्यकर्मियों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों को संतुलित खान-पान और पोषण के महत्व के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया।

27 अगस्त को समस्तीपुर में होगा खेलो इंडिया संवाद

समस्तीपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 27 अगस्त को देशभर में आयोजित होने वाले 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम के तहत समस्तीपुर जिले में भी युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को देश में खेल के क्षेत्र में हुए बदलाव एवं विकास से अवगत कराने के साथ खेलों के प्रति उनकी रुचि, विचार और सुझाव जानना है। समस्तीपुर में 'खेलो इंडिया संवाद' का आयोजन समस्तीपुर कॉलेज, समस्तीपुर तथा जीएमआरडीसी कॉलेज, मोहनपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, युवा, खेल प्रेमियों और स्थानीय खिलाड़ियों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम के दौरान खेल सुविधाओं के विस्तार, प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान एवं उन्हें प्रोत्साहन देने, जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने, युवा नेतृत्व, वर्ष 2036 के ओलंपिक की तैयारियों तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। युवाओं को अपने विचार और सुझाव रखने का अवसर भी मिलेगा।

'बज्जिका मन-गंध' का लोकार्पण

दरभंगा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हिन्दी समाहार मंच, दरभंगा में साहित्यकार एवं कवयित्री सविता राज द्वारा संपादित पुस्तक 'बज्जिका मन-गंध' का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बज्जिका भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं लोकजीवन से जुड़े साहित्यकारों तथा साहित्यप्रेमियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में शारदा चरण, चितरंजन सिन्हा 'कनक', विनोद कुमार सिन्हा, ज्वाला सांध्यपुष्प, मणिभूषण प्रसाद सिंह, अवशेष त्रिषित एवं प्रेम कुमार वर्मा सहित कई साहित्यकार उपस्थित रहे।

वित्त रहित शिक्षकों ने दिया धरना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। वित्त रहित शिक्षकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मंगलवार को हड़ताली चौक पर एक दिवसीय धरना दिया। प्रदेश सेवादल के तत्वावधान और बेगूसराय सेवादल के संयोजन में आयोजित धरने में बड़ी संख्या में वित्त रहित विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षक-कर्मी और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। धरना को संबोधित करते हुए कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय यादव ने कहा कि सीमित संसाधन और कम मानदेय के बावजूद वित्त रहित शिक्षक वर्षों

से निष्ठा से पढ़ा रहे हैं, लेकिन आर्थिक असुरक्षा झेल रहे हैं। सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाहती है तो शिक्षकों का भविष्य भी सुरक्षित करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक नेता दिवाकर सिंह ने की और संचालन आनंद प्रेम ने किया। मौके पर सेवादल प्रभारी अफरोज खान, महिला प्रदेश अध्यक्ष रुचि सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अर्जुन सिंह, रजनीकांत पाठक, बृजेश कुमार प्रिंस समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

शिक्षण व्यवस्था का मुखिया ने लिया जायजा

नावकोठी (नबिटा संवाददाता)। नावकोठी पंचायत के मुखिया राष्ट्रपति कुमार ने मंगलवार को एमपीएस मध्य विद्यालय नावकोठी एवं आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 45 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन सं.-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(बी.सी.ई.सी.ई.)-2026/12 दिनांक-25.08.2026

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2026

BCECE (PCM / PCB / PCMB)-2026 के संयुक्त मेधासूची के आधार पर सरकारी क्षेत्र के फार्मेसी धारा/ चिकित्सा धारा के पूर्ण सीटों एवं कृषि धारा के 50% सीटों पर तथा BCECE (CBA / PCA / MBA / MCA)-2026 के मेधासूची के आधार पर कृषि धारा के 50% सीटों पर सीट आवंटन / नामांकन हेतु Online Mop-up Counselling से सम्बन्धित सूचना

विज्ञापन संख्या-BCECEB(BCECE)-2026/06 एवं 2026/07 दिनांक- 12.07.2026 के क्रम में BCECE-(PCM / PCB / PCMB)-2026 की संयुक्त (Joint) मेधासूची के आधार पर **बिहार राज्य के सरकारी क्षेत्र के फार्मेसी धारा / चिकित्सा धारा के पूर्ण सीटों** एवं **कृषि धारा की 50% सीटों पर** तथा BCECE (CBA / PCA / MBA / MCA)-2026 के मेधासूची के आधार पर **कृषि धारा के 50% सीटों पर** नामांकन हेतु BCECE (PCM / PCB / PCMB / CBA/ PCA/ MBA/ MCA)-2026 में सम्मिलित सभी अभ्यर्थियों / सम्बन्धित संस्थान के प्राचार्य तथा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि BCECE-2026 की पूर्व प्रकाशित मेधासूची के आधार पर प्रथम अथवा द्वितीय चक्र की Online Counselling के माध्यम से प्रथम वर्ष में हुए सीट आवंटन तद्नुसार नामांकन के पश्चात् शेष रिक्तियों की पाठ्यक्रमवार/ संस्थानवार / कोटिवार रिक्तियाँ पर्षद की वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध करा दी गयी हैं।

इन सीटों को भरने हेतु Online Mop-up Counselling होगा। Consent / Willingness / Choice Filling / Mop-up Counselling कार्यक्रम की पूर्ण विवरणी, Willingness एवं Choice filling की विधि आदि पर्षद के वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in पर विज्ञापन संख्या-BCECEB(BCECE)-2026/11 दिनांक 25.08.2026 द्वारा उपलब्ध करायी गयी है।

जो अभ्यर्थी BCECE (PCM / PCB / PCMB / CBA/ PCA/ MBA/ MCA)-2026 की प्रथम अथवा द्वितीय चक्र की Online Counselling के माध्यम से सरकारी क्षेत्र के **फार्मेसी / चिकित्सा / कृषि** संस्थानों में नामांकन ले चुके हैं **अथवा** जिनका प्रथम एवं द्वितीय चक्र की कॉउन्सेलिंग से सीट आवंटन नहीं हुआ है **अथवा** किसी कारण से उनका आवंटित सीट रद्द कर दिया गया है **अथवा** किसी कारण से अपने Reporting Centre पर जा कर Document Verification नहीं करा पाये हैं, वैसे सभी अभ्यर्थी Online Mop-up Counselling के लिए पात्रता-प्राप्त हैं।

Consent / Willingness-cum-Choice filling की प्रक्रिया दिनांक 27.08.2026 से प्रारम्भ होगा। उक्त निदेश के अनुसार संस्थान एवं ब्रांच का Choice of Preference of Colleges/ Branches भरें।

परीक्षा नियंत्रक

पुलिसकर्मियों की कलाई पर बांधी रक्षा सूत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहिया। अल्फा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की मुख्य शाखा में आज रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर एक विशेष एवं भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहिया थाना प्रभारी सुंदेश्वर कुमार दास, उपनिरीक्षक रौशन कुमार सहित बिहिया थाना की पूरी पुलिस टीम की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय की छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। रक्षा सूत्र बांधने के पश्चात पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की ओर से छात्राओं को सदैव उनकी सुरक्षा, सम्मान एवं विश्वास बनाए रखने का भावपूर्ण आश्वासन दिया गया। पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि समाज की बेटियों और बच्चों की सुरक्षा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पुलिस सदैव तत्पर है। इस अवसर पर अल्फा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के निर्देशक डॉ. गणेश कुमार ने पूरी पुलिस टीम का विद्यालय परिवार की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या को शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं सामाजिक मूल्यों से जोड़ना विद्यालय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य अंकित कुमार ने भी पुलिस टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों और पुलिस प्रशासन के बीच इस प्रकार का आत्मीय संवाद बच्चों के मन में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना को और मजबूत करता है। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने पूरे उत्साह और भावनात्मक जुड़ाव के साथ पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को रक्षा सूत्र बांधा। पुलिसकर्मियों ने भी छात्राओं को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान विद्यालय परिसर में स्नेह, सम्मान, सुरक्षा और भाईचारे की भावना देखने को मिली। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

पंसस की बैठक में बिजली विभाग की लचर व्यवस्था पर बरसे जनप्रतिनिधि

नावकोठी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड पंचायत समिति की मासिक बैठक बुधवार को ई-किसान भवन, नावकोठी के सभागार में प्रखंड प्रमुख अनिता देवी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने बिजली विभाग की लचर कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताते हुए किसानों और आम उपभोक्ताओं की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। सदस्यों ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों को सस्ती दर पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि फीडर की व्यवस्था की गई है, लेकिन प्रखंड के अनेक किसानों ने छह माह पूर्व कृषि फीडर कनेक्शन के लिए आवेदन किया था, बावजूद अब तक उन्हें कनेक्शन उपलब्ध नहीं कराया गया है। उन्होंने कृषि फीडर के लिए पर्याप्त ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने तथा लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन करने की मांग की। साथ ही उपभोक्ताओं को बिजली मीटर लगाने में हो रही अनावश्यक परेशानी और शिकायत दर्ज कराने पर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा फोन तक रिसीव नहीं किए जाने पर भी गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। बैठक में लंबे समय से बंद पड़े राजकीय नलकूपों को अविलंब चालू कराने की भी मांग उठी।

विद्यार्थी सहयोग शिविर में सुनी गईं छात्रों की समस्याएं

नावकोठी (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राजकीय डिग्री महाविद्यालय नावकोठी में मंगलवार को बिहार सरकार के विद्यार्थी सहयोग कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों और कॉलेज प्रशासन एवं शिक्षकों के बीच संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुनना तथा उनके निराकरण की दिशा में पहल करना था।कार्यक्रम में जिला प्रशासन की ओर से प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मेधा वर्मा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए बिहार सरकार द्वारा विकसित विद्यार्थी सहयोग पोर्टल की जानकारी दी और इसके माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

बछवाड़ा में बाढ़ की स्थिति पर केंद्रीय मंत्री ने राहत-बचाव के दिए निर्देश

बेगूसराय (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बछवाड़ा प्रखंड में बाढ़ की स्थिति को लेकर केंद्रीय मंत्री एवं सांसद गिरिराज सिंह ने दूरभाष पर जिलाधिकारी एवं फ्लड एग्जीक्यूटिव से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में जलस्तर, वर्तमान स्थिति और प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत-बचाव कार्यों की जानकारी प्राप्त की। केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जाए, जलस्तर की नियमित निगरानी हो और किसी भी आपात स्थिति के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार रहे। नाव, राहत सामग्री, चिकित्सा सुविधा सहित सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध रखने को कहा।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कर रहे हैं और राज्य सरकार व जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है।

पूर्व रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं.: 94, 98, 99-एमएलडीटी-26-27, दिनांक 21.08.2026 (सिविल कार्य)। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा, मालदा ऑफिस बिल्डिंग, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं.1, निविदा सं. 94-एमएलडीटी-26-27, कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** वरिष्ठ मंडल इंजीनियर-II/पूर्व रेलवे, मालदा के अधिकार क्षेत्र में "रेलवे हेल्थ यूनिट भागलपुर और साहिबगंज के उन्नयन" के सिविल कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्य:** रु.97,13,399.92, **क्रम सं.2, निविदा सं. 98-एमएलडीटी-26-27, कार्य का नाम एवं इसका स्थान :** वरिष्ठ मंडल इंजीनियर- II/ पूर्व रेलवे, मालदा के अधिकार क्षेत्र में सहायक इंजीनियर / भागलपुर के अधीन सबौर, कहलगांव, बांका और गोड्डा स्टेशन के सॉफ्ट अपग्रेडेशन के लिए फेज-1 के शेष कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्य:** रु.7,49,74,879.33, **क्रम सं.3, निविदा सं. 99-एमएलडीटी-26-27, कार्य का नाम एवं इसका स्थान :** वरिष्ठ मंडल इंजीनियर-II/ पूर्व रेलवे, मालदा के अधिकार क्षेत्र में सहायक इंजीनियर / साहिबगंज के अधीन साहिबगंज और शिवनारायणपुर स्टेशन के सॉफ्ट अपग्रेडेशन के लिए फेज-1 के शेष कार्य के सिविल कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्य:** रु.3,83,97,901.37, **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** 15.09.2026 को 15.30 बजे (क्रम सं. 1 से 3 के लिए)। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट : www.ireps .gov.in/** मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, मालदा टाउन।

MLD-173/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार सरकार

कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद औरंगाबाद का कार्यालय

निविदा आमंत्रण की सूचना (ई-टेंडरिंग द्वारा www.eproc2.bihar.gov.in)

निविदा संख्या- NIT No-08/2026-27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :- कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, औरंगाबाद।
2. निविदा आमंत्रण सूचना निर्गत की तिथि :- दिनांक-17.08.2026
3. परिमाण विपत्र प्राप्त करने की तिथि एवं समय :- दिनांक-29.08.2026 से 14.09.2026 के अप 3:00 बजे तक (www.eproc2.bihar.gov.in)
4. प्री बीड मीटिंग की तिथि एवं स्थान :- दिनांक-29.08.2026 को समय 3:00 बजे अपराह्न स्थान-सभाकक्ष नगर परिषद औरंगाबाद
5. संवेदक द्वारा निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि :- दिनांक-14.09.2026, समय-3:00 बजे अपराहन तक (www.eproc2.bihar.gov.in)
6. तकनीकी बीड खोलने की तिथि :- दिनांक-15.09.2026 समय 3:30 बजे अपराहन
7. वित्तीय बीड खोलने की तिथि :- तकनीकी बीड में सफल होने के उपरान्त निर्देशानुसार
8. **कार्य की विवरणी-**

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू. में)	अग्रधन की राशि (online के माध्यम से) Website: www.Eproc2.bihar.gov.in	परिमाण विपत्र का मूल्य (अप्रतिदेय) (online के माध्यम से) Website: www.Eproc2.bihar.gov.in	Bid Processing fee (Through Online Payment हेतु प्रोसेसिंग शुल्क	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	नगर परिषद, औरंगाबाद अन्तर्गत महाकाल मंदिर से लेकर रमेश चौक, रमेश चौक से कारिगल चौक तथा धर्मशाला से गांधी मैदान तक डिवाईडर का कार्य।	9838000	196800	10000	As Per EPROC2	3 माह
2	नगर परिषद, औरंगाबाद अन्तर्गत रमेश चौक से लेकर बाईपास (ओवरब्रीज) तक डिवाईडर का कार्य।	7996800	160000	10000	As Per EPROC2	3 माह

नोट:- Bidders Should submit Bid Processing fee thorugh Online Payment as per Amount generated on Website www.eproc2.bihar.gov.in

9. निविदा की वैद्यता अवधि : 120 दिन (निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि से)
10. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना विभागीय वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in अथवा **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** मे देखा जा सकता है।
11. सक्षम प्राधिकार को बिना कोई कारण बताये निविदा के सभी/किन्हीं कार्यों को या किसी कार्य के किन्हीं अंश/अंशो को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। इसके लिए किसी भी प्रकार का कोई दावा मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद् औरंगाबाद

PR. No. 010572 (B&C) 2026-27

नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

बिहार सरकार

डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग

पशुपालन ज्ञान पशुपालक कल्याण

बरसात के मौसम में पशुओं की देखभाल हेतु सुझाव

भारत में वर्षा ऋतु का समय सामान्यतः 15 जून से 15 सितम्बर तक का होता है। इसी मौसम के दौरान परजीवियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि देखने को मिलती है। वर्षा ऋतु के दौरान अपनाने योग्य कुछ महत्वपूर्ण बातों का उल्लेख नीचे किया गया है जिसका पालन कर पशुपालक अपने पशुओं को स्वस्थ रख सकते हैं-

- बारिश के पहले पशुशाला की छत की मरम्मत कर दें जिससे बारिश का पानी न टपके।
- पशुशाला की खिड़कियाँ खुली रखें तथा गर्मी एवं उमस से अपने पशुओं को बचाने के लिये पंखों का उपयोग करें।
- इस मौसम में साफ-सफाई का खास ख्याल रखें एवं पानी को एक जगह पर एकत्रित नहीं होने दें ताकि मच्छर न पैदा हों और परजीवी संक्रमण को रोका जा सके।
- पशुशाला में पशु के मल-मूत्र की निकासी का भी उचित प्रबंधन हो। पशुशाला को दिन में एक बार फिनाईल के घोल से अवश्य साफ करें, जिससे बीमारी फैलाने वाले बैक्टीरिया कम हो सके।
- बाड़े में और उसके आस-पास कचरा और गंदगी इकठ्ठा न होने दें और उसके निकास की उचित व्यवस्था करें। साथ हीं बाड़े एवं उसके आस-पास नियमित अन्तराल पर कीटनाशक का भी छिड़काव करें।
- जानवरों को ज्यादा शारीरिक थकावट न होने दें और बार-बार धूप में न लाएँ।
- बारिश के मौसम में पशुओं को बाहर चरने के लिये नहीं भेजें क्योंकि बारिश के मौसम में गीली घास पर कई तरह के कीड़े होते हैं जो पशुओं के पेट में चले जाते हैं और शरीर को नुकसान पहुँचाते हैं।
- पशु को खेतों के समीप गढ्ढे या तालाब का पानी पिलाने से परहेज करें क्योंकि इस दौरान किसान खेतों में खर-पतवार एवं कीटनाशक दवा का इस्तेमाल करते हैं जो कि रिसकर इनमें आ जाता है।
- कोशिश करें कि पशु को बाल्टी से साफ एवं ताजा पानी पिलाएँ।
- दाने का भण्डारण नमी रहित जगह पर करें और ध्यान दें कि इस मौसम में दाने का भण्डारण 15 दिन से अधिक न हों।
- बरसात आने से पहले पशुओं को विभिन्न संक्रामक रोगों के विरूद्ध टीकाकरण करवा दें।

पशुपालन निदेशालय
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार सरकार

@BiharDFARD

PR No.- 010577 (Animal)D. 2026-27

उद्योगों की मांग के अनुरूप तैयार होगी जिला कौशल विकास योजना, युवाओं को रोजगार से जोड़ने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । समाहरणालय सभागार में उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक हुई। बैठक में जिला कौशल विकास योजना 2026-27 की तैयारियों, स्थानीय उद्योगों की जरूरत, रोजगार की संभावनाओं और प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि कौशल विकास का उद्देश्य केवल युवाओं को प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि प्रशिक्षण के बाद उन्हें स्थायी रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना होना चाहिए। उन्होंने स्थानीय उद्योगों की मानव संसाधन संबंधी जरूरतों का आकलन कर उसी के अनुरूप प्रशिक्षण ट्रेड निर्धारित करने तथा प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के लिए प्रभावी प्लेसमेंट की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने प्रशिक्षण के बाद युवाओं की रोजगार स्थिति की नियमित मॉनिटरिंग करने और प्रशिक्षण संस्थानों व औद्योगिक प्रतिष्ठानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया। स्वरोजगार को भी मिलेगा बढ़ावा बैठक में ऐसे युवाओं की पहचान करने पर जोर दिया गया, जो प्रशिक्षण के बाद अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। उन्हें सरकारी योजनाओं, बैंक ऋण, वित्तीय सहायता और उद्यमिता संबंधी सुविधाओं से जोड़ने की रणनीति पर चर्चा हुई। प्रशासन ने ह्यप्रशिक्षण से रोजगारह्ल के साथ ह्यकौशल से उद्यमिताह्ल को बढ़ावा देने पर जोर दिया। ग्रामोध्यम पोर्टल पर 50 उद्यम मॉडल ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए नाबार्ड के सहयोग से विकसित ग्रामोध्यम पोर्टल की जानकारी भी बैठक में साझा की गई। पोर्टल पर बिजनेस आइडिया, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, बैंक योग्य परियोजना रिपोर्ट, सरकारी योजनाओं, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और बैंक लिंकेज जैसी सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध है।पोर्टल पर ग्रामीण स्तर पर उद्यम स्थापित करने के लिए 50 एंट्रेप्रेनेरशिप मॉडल्स उपलब्ध हैं। इनमें खाद्य प्रसंस्करण, कृषि एवं डेयरी, अनाज मिलिंग, ग्रीन एनर्जी, घरेलू उत्पाद, टेक्सटाइल, वेलनेस, डिजिटल सेवाएं और रिपेयरिंग से जुड़े विभिन्न व्यवसाय शामिल हैं। खाद्य प्रसंस्करण में स्नैक्स, नूडल्स, नमकीन, बेकरी, जैम-जेली, मसाला, अचार-चटनी आदि, जबकि कृषि एवं डेयरी में मिल्क प्रोसेसिंग, पनीर, मशरूम प्रोसेसिंग और हाइड्रोपोनिक्स जैसे मॉडल शामिल हैं। वहीं सोलर पैनल असेंबली, बायोमास, वेस्ट रीसाइक्लिंग, डिजिटल मार्केटिंग, वाहन मरम्मत, कार वॉश और टायर-व्हील सर्विस जैसे क्षेत्रों में भी स्वरोजगार की संभावनाएं बताई गईं। बैठक में जिला प्रशासन ने कौशल प्रशिक्षण रोजगार/प्लेसमेंट तथा कौशल प्रशिक्षण उद्यमिता बैंक ऋण स्वरोजगार की समग्र व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। इससे जिले के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अधिक अवसर मिलने की उम्मीद है। बैठक में उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, जिला कौशल विकास पदाधिकारी प्रवीण कुमार, विभिन्न विभागों के अधिकारी, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष, कंपनियों व औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि, प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि तथा उनडीपी की टीम के सदस्य मौजूद थे।

खनिज संशोधन विधेयक के विरोध में भाकपा माले का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। खनिज संशोधन विधेयक 2026 के विरोध में भाकपा माले एवं विभिन्न जनसंगठनों के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सदर प्रखंड अंतर्गत महुआटांड़ स्थित कार्यालय में जुटकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध जताया। इस दौरान केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और विधेयक को वापस लेने की मांग उठाई गई। कार्यक्रम में भाकपा माले जिला कमिटी सदस्य राजेश सिन्हा ने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड की खनिज संपदा और राज्य के अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, ह्यझारखंड को केंद्र सरकार बर्बाद करना चाहती है, लेकिन उसकी यह कोशिश सफल नहीं होगी।ह्न उन्होंने कहा कि खनिज संपदा झारखंड की जनता के अधिकार और विकास का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए किसी भी ऐसी नीति का विरोध किया जाएगा जिससे राज्य के हित प्रभावित हों। वहीं कन्हाई पांडेय ने कहा कि झारखंड से भाजपा सरकार को खदेड़े जाने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लगातार राज्य के अधिकारों पर हस्तक्षेप कर रही है। उन्होंने कहा कि खनिज संशोधन विधेयक के खिलाफ भाकपा माले और उसके सभी जनसंगठन व्यापक आंदोलन करेंगे। वक्ताओं ने कहा कि विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हो चुका है और अब राष्ट्रपति की मंजूरी की प्रक्रिया शेष है। उन्होंने राष्ट्रपति से भी झारखंड के जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा से जुड़े राज्य के हितों को ध्यान में रखने की अपील की। भाकपा माले नेताओं ने कहा कि खनिज संपदा के अलावा राज्य सरकार को मिलने वाले विभिन्न राजस्व स्त्रोतों पर भी केंद्र की नीतियों का असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनहित और राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन को गांव से लेकर सड़क तक तेज किया जाएगा। इस मौके पर मसूदन कोल, राजेश राय, किशोर राय, भीम कोल, मोहन कोल्ह, प्रदीप कुमार, फेकन राय, गुलाब कोल, रंजीत सिंह, टैटू राय, बुधन राय, नौशाद आलम, एकराम अंसारी, मनोज यादव, गांधी और अमन वारसी समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

आरपीएस महिला कॉलेज में सावन महोत्सव का आयोजन

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आरपीएस महिला कॉलेज में सावन महोत्सव का आयोजन बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं तथा सावन मास के महत्व को विद्यार्थियों के बीच प्रोत्साहित करना था। महोत्सव में छात्राओं ने पारंपरिक परिधानों में भाग लिया तथा समूह नृत्य, मेहंदी, राखी प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. विनीता एवं शिक्षकों ने सावन मास के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा छात्राओं को भारतीय परंपराओं से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

कर्नल कामेश कुमार बने वीवी गिरि विश्वविद्यालय के कुलसचिव

सिवान (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। कर्नल कामेश कुमार को वी.वी. गिरि विश्वविद्यालय का कुलसचिव नियुक्त किया गया है। वे बिहार के कई प्रमुख राज्य विश्वविद्यालयों में विश्वविद्यालय प्रशासन एवं शासन व्यवस्था के क्षेत्र में लगभग आठ वर्षों के समृद्ध और विविध अनुभव के साथ इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को संभालेंगे। कर्नल कामेश कुमार ने थल सेना में कोर ऑफ सिग्नल्स में एक लेफ्टिनेंट के रूप में जून 1987 में योगदान दिया। कर्नल कामेश कुमार का थल सेना में रहते हुए 31 वर्षों का आईटी एवं दूरसंचार क्षेत्र में अनुभव जिसमें मुख्यतः रेडियो संचार नेटवर्क, फाइबर ऑप्टिक संचार प्रणाली, मोबाइल नेटवर्क प्रणाली, आईटी हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर एवं संबंधित सुविधाओं, सूचना सुरक्षा नीतियों एवं ऑडिट, स्थापना एवं कमीशनिंग, उपकरणों के मूल्यांकन तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अनुभव रहा। जिन्होने दूरसंचार नेटवर्क के के निर्माण, परियोजना के संपूर्ण जीवन-चक्र प्रबंधन, नीतियों एवं प्रक्रियाओं के निर्माण, प्रक्रिया सुधार, अनुबंध प्रबंधन, डिलीवरी प्रबंधन, विक्रेता प्रबंधन तथा संबंध एवं प्रदर्शन प्रबंधन में विशेषज्ञता एवं दक्षता दिखायी। इनका साहसिक खेलों का अनुभव भी रहा जिसमें टीम का नेतृत्व करने का अनुभव रहा। यूनिट स्तर पर क्रिकेट एवं वॉलीबॉल में सहभागिता एवं अनुभव भी रहा। एक नए विश्वविद्यालय की स्थापना तथा विश्वविद्यालय के लिए विभिन्न नीतियों एवं प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार करने का इनका अनुभव भी रहा। कर्नल कामेश कुमार पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना के संस्थापक कुलसचिव के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने पटना विश्वविद्यालय, मौलाना मजहरुल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय तथा बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में कुलसचिव के महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

तीन शिक्षण संस्थानों में आयोजित हुआ विद्यार्थी सहयोग शिविर

डंडखोरा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सामान्य प्रशासन विभाग बिहार सरकार के आदेश तथा जिला पदाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के 03 शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया।संस्थान प्रमुख के नेतृत्व में आयोजित इन शिविरों में दंडाधिकारी सहित पुलिस पदाधिकारी की भी प्रतिनियुक्ति की गई थी,तो सभी शिविरों छात्र-छात्राओं उपस्थिति रही।शिविर आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों से उनकी शैक्षणिक, छात्रावास, छात्रवृत्ति, प्रमाण-पत्र, संस्थान की आधारभूत संरचना, पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, भोजन, सुरक्षा, परिवहन आदि सुविधाओं की समस्या से संबंधित शिकायतों को प्राप्त कर उनका यथासंभव समाधान सुनिश्चित कराना है। शिविरों में प्राप्त शिकायतों को पंजीकृत कर विद्यार्थी सहयोग पोर्टल पर अपलोड करते हुए समयबद्ध समाधान की कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे स्टेशनों पर पानी की टंकियों और फिल्टरों की होगी विशेष सफाई

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। यात्रियों को सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए भारतीय रेलवे ने स्टेशनों पर पानी की टंकियों, फिल्टरों और वाटर कूलरों की सफाई व कीटाणुशोधन का विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत क्षेत्रीय रेलवे को पेयजल व्यवस्था का व्यापक निरीक्षण कर कमियों को समयबद्ध तरीके से दूर करने का निर्देश दिया गया है। अभियान के दौरान भूमिगत एवं ओवरहेड टैंक, पीवीसी टैंक, जल बूथ, नल, पाइपलाइन, फिल्टर, वाटर कूलर तथा जल वितरण केंद्रों की जांच की जाएगी।

बुजुर्ग की परेशानी देख डीसी ने दिखाई संवेदनशीलता, 7 दिनों में पेंशन दिलाने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय परिसर में मंगलवार को उपायुक्त रामनिवास यादव की नजर एक बुजुर्ग महिला पर पड़ी। उन्होंने महिला से बातचीत कर उनकी समस्या और स्वास्थ्य की जानकारी ली। बुजुर्ग महिला कमला देवी, निवासी बुधुडीह, ने बताया कि उन्हें अब तक पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने मौके पर ही सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा को बुलाकर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कमला देवी को पात्रता के अनुरूप सात दिनों के भीतर पेंशन योजना का लाभ दिलाया जाए। साथ ही, यदि पेंशन की कोई राशि लंबित है तो नियमानुसार उसका अविलंब भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त की इस पहल से प्रशासन की संवेदनशीलता और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान का संदेश सामने आया है। प्रशासन का उद्देश्य पात्र लाभुकों तक सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचाना है।

मंटू मुर्मू पर भीड़ द्वारा हमला करने का आरोप, एससी-एसटी थाना में आवेदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। 21 अगस्त को झंडा मैदान में हुई घटना को लेकर मंगलवार को होटल गैली में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर जएसएससी-जेपीएससी रिफॉर्म मंच से जुड़े मंटू मुर्मू ने पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं की भीड़ ने उनके साथ मारपीट की और मॉब लिंचिंग का प्रयास किया। मंटू मुर्मू ने बताया कि जएसएससी- जेपीएससी रिफॉर्म मंच की ओर से झारखंड के सभी 24 जिलों में मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने की घोषणा की गई थी। इसी क्रम में गिरिडीह में भी युवाओं ने 21 अगस्त की शाम छह बजे पुतला दहन करने का निर्णय लिया था। इसी दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से टावर चौक पर केंद्र सरकार के खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन संशोधन विधेयक, 2026 के विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा था। आरोप है कि इसी बीच करीब 200 से 250 की संख्या में झामुमो कार्यकर्ता झंडा मैदान पहुंच गए। मंटू मुर्मू ने आरोप लगाया कि लखन राम, मोहम्मद असलम, सनी राईन, संजय सिंह, अजीत पप्पू, सुमित कुमार, मोहम्मद राजा समेत अन्य लोगों ने उन्हें भीड़ के बीच खींच लिया।

फर्जी सरकारी नोटिस भेजकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। साइबर अपराध के खिलाफ गिरिडीह पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह स्थित बिरेंद्र पांडेय के मकान में छापेमारी कर साइबर ठगी के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 8 मोबाइल फोन, 6 सिम कार्ड और एक लैपटॉप बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर साइबर थाना प्रभारी के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया था। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन साइबर आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वे आंगनबाड़ी का फर्जी नोटिस, गैस बिल अपडेट, गर्भवती एवं प्रसूता महिलाओं को एकाउंट फुल करवाने से संबंधित फर्जी नोटिस, महानगर गैस लिमिटेड तथा एलपीजी गैस कनेक्शन डिस्कनेक्ट होने से संबंधित फर्जी नोटिस भेजकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। इसके बाद साइबर ठगी को अंजाम दिया जाता था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ताराटांड़ थाना क्षेत्र के बोरोटांड़ निवासी करीब 19 वर्षीय पंकज मंडल और मोहन मंडल, जबकि बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मानजोरीसिंहडीह निवासी करीब 18 वर्षीय सोनू कुमार के रूप में की है। मामले में साइबर थाना कांड संख्या 27/2026, दिनांक 25 अगस्त 2026 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में साइबर थाना प्रभारी पुनीत रामेश्वर भगत, पुलिस अधिकारी गुंजन कुमार, पुनीत गौतम, गजेंद्र कुमार, सशस्त्र बल के जवान तथा पुलिस लाइन से प्राप्त बल शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई से साइबर ठगी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की उम्मीद है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी के तरीकों की जानकारी जुटा रही है।

सीसीएल का लंकास्टर अस्पताल धंसा, जमीन में पड़ीं दरारें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सीसीएल गिरिडीह एरिया में मंगलवार की अहले सुबह अचानक हुए भू-धंसान से हड़कंप मच गया। भू-धंसान की चपेट में सीसीएल का लंकास्टर अस्पताल भी आ गया। अस्पताल की दो इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, जबकि भवन का एक हिस्सा जमीन में धंस गया। अस्पताल परिसर से लगी सड़क और आसपास के बड़े भू-भाग में भी चौड़ी-चौड़ी दरारें पड़ गईं। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही सीसीएल गिरिडीह एरिया के जीएम कन्हैया शंकर गैवाल, परियोजना पदाधिकारी गोपाल सिंह मीणा, चिकित्सा पदाधिकारी परिमल सिन्हा, सिविल विभाग के रामाकांत समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अस्पताल कर्मी दिलीप कुमार के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब चार बजे जमीन और भवन में धंसान दिखाई दिया। स्थिति को देखते हुए अस्पताल में मौजूद सभी कर्मियों को तत्काल सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया क भू-धंसान के बाद सीसीएल अधिकारियों ने पूरे अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। एहतियात के तौर पर अस्पताल क्षेत्र में लोगों की आवाजाही रोकने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद सीसीएल सुरक्षा गार्ड और होमगार्ड के जवानों की तैनाती कर दी गई है। अवैध कोयला खनन पर भी उठ रहे सवाल स्थानीय लोगों के अनुसार, इस इलाके में लंबे समय से बड़े पैमाने पर अवैध कोयला खनन की गतिविधियां होती रही हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि लगातार अवैध खनन के कारण जमीन के भीतर खोखलापन पैदा हुआ हो, जिसकी वजह से भू-धंसान की स्थिति बनी। हालांकि,भू-धंसान का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं है। इसकी पुष्टि आधिकारिक और तकनीकी जांच के बाद ही हो सकेगी। अस्पताल जैसे संवेदनशील परिसर में हुई इस घटना ने सीसीएल क्षेत्र में जमीन के नीचे चल रही खनन गतिविधियों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मिलाद-उन-नबी को लेकर पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आगामी मिलाद-उन-नबी पर्व को लेकर गिरिडीह जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को पुलिस लाइन परिसर में मॉक ड्रिल आयोजित कर आपात स्थिति से निपटने, भीड़ नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई का अभ्यास कराया गया। मॉक ड्रिल का निरीक्षण उपायुक्त रामनिवास यादव, पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार एवं उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने किया। इस दौरान सुरक्षा बलों की तत्परता, आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, संवेदनशील परिस्थितियों में संयमित कार्रवाई और प्रशासन-पुलिस के बीच बेहतर समन्वय का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि मिलाद-उन-नबी पर्व के दौरान जिले में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को पूरी गंभीरता और सजगता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। एसपी डॉ. बिमल कुमार ने पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क रहने का निर्देश दिया। मॉक ड्रिल के माध्यम से संभावित चुनौतियों से निपटने और उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी इस्तेमाल का अभ्यास कराया गया। जिला प्रशासन ने पर्व को लेकर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के साथ आमजनों से आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की है।

बीएनएसएस पर विशेष व्याख्यान, विधि विद्यार्थियों को नई आपराधिक न्याय व्यवस्था की दी जानकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। कमाटांड़, बेंगाबाद स्थित के. एन. बख्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के विधि संकाय की ओर से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 पर विशेष ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। जूम प्लेटफॉर्म पर आयोजित कार्यक्रम में विधि विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं न्यायिक सेवा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विधि विशेषज्ञ एवं कानून विषयक पुस्तकों के लेखक मयंक माधव तथा दिल्ली उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता पंकज जायसवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। विशेषज्ञों ने बीएनएसएस के प्रमुख प्रावधानों, उसके व्यावहारिक उपयोग, न्यायिक प्रक्रिया में हुए बदलाव तथा पुरानी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) से इसके महत्वपूर्ण अंतरों पर विस्तार से प्रकाश डाला।मयंक माधव ने विद्यार्थियों को बताया कि नए आपराधिक कानूनों को केवल धाराओं के रूप में याद करने के बजाय उनके उद्देश्य, प्रक्रिया और व्यावहारिक प्रभाव को समझना जरूरी है। उन्होंने न्यायिक सेवा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए बीएनएसएस के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी।वहीं, पंकज जायसवाल ने न्यायालयीन अनुभव साझा करते हुए आपराधिक न्याय प्रक्रिया में तकनीक और डिजिटल माध्यमों के बढ़ते उपयोग तथा न्यायिक प्रक्रिया को अधिक समयबद्ध बनाने के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नवीनतम कानूनी बदलावों और न्यायालयों के महत्वपूर्ण निर्णयों का नियमित अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज के विधि संकाय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि विधि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। नए कानूनों और न्यायिक बदलावों से विद्यार्थियों को लगातार अवगत कराना शिक्षण संस्थान की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, बीएनएसएस और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने के बाद आपराधिक न्याय व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। कार्यक्रम के बाद प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बीएनएसएस की विभिन्न धाराओं, न्यायिक प्रक्रिया तथा पुराने और नए कानूनों के बीच अंतर से जुड़े सवाल पूछे। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। संविधान पर हुई प्रश्नोत्तरी विशेष व्याख्यान के बाद विद्यार्थियों के संवैधानिक एवं विधिक ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से ह्यसंविधानह्ल विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

बीएनएस डीएवी की छात्राओं ने एसपी डॉ. विमल कुमार को बांधी राखी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रक्षाबंधन के अवसर पर बीएनएस डीएवी विद्यालय की नन्हीं छात्राएं मंगलवार को गिरिडीह पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचीं। छात्राओं ने पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार, भा.पु.से. को राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का संदेश दिया। छात्राओं के हाथों राखी बंधवाने के बाद पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने सभी बच्चियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक सौहार्द का भी प्रतीक है। एसपी ने छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्राओं की इस आत्मीय पहल से पुलिस अधीक्षक कार्यालय में खुशी और उत्साह का माहौल रहा। इस मौके ने पुलिस और आमजन के बीच विश्वास, अपनापन और आत्मीय संबंधों को और मजबूत करने का संदेश दिया।

लक्ष्य के प्रति विद्यार्थियों को समर्पित रहने की है जरूरत : डीएम

पीएम श्री नवोदय विद्यालय बारून में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन, डीएम-एसपी ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बारुन में मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में औरंगाबाद के पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा मौजूद रहे। दोनों अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में वरीय उप समाहर्ता श्वेता प्रियदर्शी, बारुन के प्रखंड विकास पदाधिकारी नीरज कुमार तथा थाना प्रभारी रंजीत कुमार भी मंचासीन रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रवीन्द्र कुमार सिंह समेत विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने विद्यार्थियों को बिहार सरकार द्वारा विकसित किए गए नए पोर्टल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल के माध्यम से छात्र-छात्राएं सीधे अपनी शिकायतें और सुझाव दर्ज कर सकते हैं। प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों पर कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर, अधिकतम 30 दिनों में उनके निपटारे की व्यवस्था की गई है।

जिला पदाधिकारी ने छात्र-छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की अपील की तथा कहा कि शिक्षा के माध्यम से वे न केवल अपना बेहतर भविष्य बना सकते हैं, बल्कि देश और परिवार का नाम भी रोशन कर सकते हैं। पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा ने भी विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं एवं सुझावों को उचित मंच तक पहुंचाने और सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। विद्यालय के प्राचार्य रविंद्र कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थी सहयोग शिविर के आयोजन को छात्र-छात्राओं के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं के समाधान के साथ-साथ प्रशासनिक व्यवस्था और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी मिलती है। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

शैक्षणिक समस्याओं के समाधान के लिए विद्यार्थियों को मिला मंच

सिन्हा कॉलेज में विद्यार्थी सहयोग शिविर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के अंतर्गत विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय, औरंगाबाद में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन जिला प्रशासन, औरंगाबाद द्वारा जारी निर्देश के आलोक में किया गया। जिले के चयनित 41 शिक्षण संस्थानों में प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को विद्यार्थी सहायता कार्यक्रम आयोजित करने की पहल के तहत महाविद्यालय में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक समस्याओं, छात्रवृत्ति, नामांकन, प्रमाण-पत्र, आवेदन समेत अन्य विद्यार्थी कल्याण से जुड़े मामलों का समाधान उपलब्ध कराना है। शिविर में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने अपनी समस्याएं रखीं। उनकी शिकायतों को सुनते हुए संबंधित मामलों के समाधान के लिए आवश्यक जानकारी, मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान महाविद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार द्वारा सात निश्चय-3 के अंतर्गत शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। प्राचार्य ने कहा कि विद्यार्थी सहयोग शिविर के माध्यम से छात्र-छात्राओं को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक सहज एवं प्रभावी मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने सरकार और महाविद्यालय प्रशासन की इस पहल की सराहना की। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे प्रत्येक माह आयोजित होने वाले विद्यार्थी सहयोग शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित हों। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राजकीय पॉलिटेक्निक में विद्यार्थी सहयोग शिविर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। विद्यार्थियों की शैक्षणिक, संस्थागत एवं अन्य समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से राजकीय पॉलिटेक्निक, औरंगाबाद में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं, शिकायतें और सुझाव संस्थान के समक्ष रखे। शिविर के दौरान औरंगाबाद के राजकीय पॉलिटेक्निक में एसडीएम गौरव कुमार सिंह तथा डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) अविनाश कुमार कश्यप ने संयुक्त रूप से विद्यार्थियों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना। प्राचार्य डॉ. बी. के. सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी समाधान संस्थान की प्राथमिकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं और सुझावों को बिना किसी संकोच के प्रस्तुत करें तथा उपलब्ध व्यवस्थाओं का सकारात्मक उपयोग करें। शिविर में विद्यार्थियों द्वारा शैक्षणिक व्यवस्था, संस्थागत सुविधाओं और अन्य आवश्यक विषयों से संबंधित समस्याएं एवं सुझाव प्रस्तुत किए गए। प्राप्त शिकायतों और सुझावों को संबंधित स्तर पर समाधान के लिए संकलित किया गया। अवसर पर संस्थान के व्याख्याता, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और प्रशासन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना रहा।

एनटीपीसी नवीनगर में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मनाई गई हरियाली तीज

सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कजरी नृत्य और 'तीज सुंदरी' प्रतियोगिता ने बांधा समां

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। एनटीपीसी नवीनगर के स्वरा महिला संघ की ओर से हरियाली तीज के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संघ की अध्यक्ष आरती बेहरा, उपाध्यक्ष डॉ. संगीता शर्मा एवं संघ की वरिष्ठ सदस्यों के नेतृत्व में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में संगीता महिला संघ की उपाध्यक्ष कविता राजकुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं। इस दौरान शिव स्तुति, कजरी नृत्य एवं संगीत के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण 'तीज सुंदरी' प्रतियोगिता रही, जिसमें हर्षिता उपाध्याय ने खिताब अपने नाम किया। वहीं मीनाक्षी झा प्रथम उपविजेता तथा संधिता नाथ द्वितीय उपविजेता रहीं। कार्यक्रम में एनटीपीसी की महिलाओं ने बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया और आयोजन को सफल बनाया। इस अवसर पर स्वरा महिला संघ की गतिविधियों की भी सराहना की गई। बताया गया कि स्वरा महिला संघ एक प्रतिष्ठित कल्याणकारी संस्था है, जिसमें एनटीपीसी के कर्मचारियों की पत्नियां एवं महिला कर्मचारी सदस्य के रूप में शामिल हैं। संघ द्वारा समय-समय पर आसपास के गांवों में विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों एवं आयोजनों का संचालन किया जाता है। हरियाली तीज के इस आयोजन ने महिलाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ आपसी मेल-जोल और उत्साह का अवसर भी प्रदान किया।

सांप काटने से युवक की मौत

औरंगाबाद (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सांप के काटने से 22 वर्षीय एक युवक की मौत हो गयी। घटना टंडवा थाना क्षेत्र के गजना धाम के समीप सीता की है। मृतक की पहचान उस गांव निवासी राजाराम पाल के पुत्र अजीत पाल के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, अजीत को सोमवार की देर रात घर के पास ही एक विषैले सांप ने काट लिया। सर्पदंश के बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। इसके बाद परिजन और ग्रामीण आनन-फानन में उसे लेकर औरंगाबाद सदर अस्पताल पहुंचे। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद अजीत को मृत घोषित कर दिया।

सावन की अंतिम सोमवारी को 80 हजार श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। गोह प्रखंड अंतर्गत प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल देवकुंड में श्रावणी मेला के अंतिम सोमवार को 80 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान शिव के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुगम दर्शन के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं, जिसके फलस्वरूप बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से दर्शन किए। श्रावण के अंतिम सोमवार के अवसर पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पेयजल की समुचित व्यवस्था, बैरिकेडिंग, शौचालय की सुविधा तथा गर्भगृह में एसी की व्यवस्था की गई थी। इसके साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एसडीआरएफ की टीम भी कुंड परिसर में तैनात रही। जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी एवं समुचित प्रबंधन के कारण श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुरक्षित तरीके से दर्शन कराया गया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया।

ईद मिलादुन्नबी पर सुरक्षा को लेकर प्रशासन गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। ईद-ए-मिलाद-उन-नबी पर्व 2026 के अवसर पर विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार सदर अनुमंडल पदाधिकारी गौरव सिंह एवं अनुमंडल पदाधिकारी दाउदनगर अमित राजन की अध्यक्षता में अनुमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं थानाध्यक्षों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, संवेदनशील स्थलों की निगरानी तथा संबंधित पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा सभी प्रति नियुक्त दंडाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने पास संबंधित अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं थाना अध्यक्ष का मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से सुरक्षित रखें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल समन्वय स्थापित किया जा सके। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि वे सायं 7:00 बजे तक अपने-अपने क्षेत्र में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी से मिलकर अथवा समन्वय स्थापित कर क्षेत्र की स्थिति से अवगत हो जाएं। साथ ही आपसी समन्वय के साथ संयुक्त रूप से क्षेत्र भ्रमण करते हुए संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थलों पर विशेष निगरानी रखने तथा भ्रमण से संबंधित तस्वीरें संबंधित स्तर पर साझा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर नगर परिषद को आवश्यक निर्देश दिए जाने की जानकारी दी गई। संबंधित पदाधिकारियों को उक्त व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया। पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से प्रस्तावित ट्रैफिक डायवर्जन रूट का स्थल निरीक्षण एवं सत्यापन आज ही कर लेने का निर्देश दिया गया, ताकि पर्व के दिन यातायात संचालन में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो। सभी संबंधित पदाधिकारियों को सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश देते हुए कहा गया कि किसी भी प्रकार की भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा अफवाह फैलाने वाली सूचना के प्रसार की स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा इसकी सूचना वरीय पदाधिकारियों को दी जाए। सदर अनुमंडल पदाधिकारी एवं दाउदनगर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि ईद-ए-मिलाद-उन-नबी पर्व के दौरान पूरी सतर्कता एवं सजगता के साथ कार्य करते हुए आपसी समन्वय एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। जिला प्रशासन द्वारा पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं।

औरंगाबाद में हर घर पहुंचेगी सोलर बिजली, सरकार देगी सब्सिडी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। बिहार सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें बिहार के सभी जिलाधिकारियों के साथ योजना की प्रगति, लाभुकों के आवेदन, वेंडर चयन, सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना तथा ऋण स्वीकृति एवं वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई। औरंगाबाद से जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक में उपस्थित थे। बैठक में औरंगाबाद जिले में योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिले के लिए 12,000 का लक्ष्य निर्धारित है। इसके विरुद्ध अब तक 1,065 आवेदन प्राप्त, 684 वेंडर चयन तथा 213 सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना की जा चुकी है। समीक्षा अवधि में पिछले सप्ताह 4 तथा चालू सप्ताह में 7 संयंत्रों की स्थापना दर्ज की गई है। योजना के वित्तीय पक्ष की समीक्षा में औरंगाबाद जिले में 318 ऋण आवेदन प्राप्त, 141 ऋण स्वीकृत तथा 104 मामलों में ऋण वितरण किया गया है। संबंधित विभागों एवं बैंकिंग संस्थानों को लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन तथा लाभुकों को समयबद्ध लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

जिले में 60 आंगनबाड़ी केन्द्र भवन स्वीकृत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य के सभी जिलाधिकारियों के साथ आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण एवं केन्द्रों पर उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में औरंगाबाद से जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा, अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, उप विकास आयुक्त कुमारी अनुपम सिंह, वरीय उपसमाहर्ता रितेश कुमार यादव, डीपीओ आईसीडीएस विनीता कुमारी, सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग महेशानंद एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे। बैठक में राज्य में आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण, भूमि की उपलब्धता, विभिन्न योजनाओं के अभिसरण से निर्माण कार्य, केन्द्रों पर विद्युत, पेयजल एवं शौचालय जैसी आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा निर्माण कार्यों में आ रही प्रशासनिक एवं अंतर-विभागीय बाधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में बताया गया कि राज्य में कुल 1,15,067 आंगनबाड़ी केन्द्र स्वीकृत हैं जिनमें से 1,15,038 केन्द्रों की आधारभूत संरचना संबंधी प्रविष्टि पोषण ट्रैकर पर की गई है। इनमें 29,645 केन्द्र अपने भवन में, 16,819 अन्य सरकारी भवनों में तथा 68,574 केन्द्र किराये के भवनों में संचालित हैं। जिले में कुल 2,738 आंगनबाड़ी केन्द्र स्वीकृत हैं, जिनमें से 2,735 केन्द्रों की आधारभूत संरचना संबंधी प्रविष्टि पोषण ट्रैकर पर की गई है। इनमें 935 केन्द्र अपने भवन में, 1,115 केन्द्र अन्य सरकारी भवन में तथा 685 केन्द्र किराये के भवन में संचालित हैं। आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण हेतु भूमि की उपलब्धता की समीक्षा में औरंगाबाद जिले का वार्षिक लक्ष्य 220 है। 10 अगस्त तक उपलब्ध शेष भूमि 113 थी तथा 25 अगस्त तक भी 113 भूमि शेष दर्शायी गई है। वीबी-जी रैम जी (पूर्व में मनरेगा) एवं आईसीडीएस के अभिसरण से आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण के अंतर्गत औरंगाबाद जिले का कुल लक्ष्य 128 है। इसमें 47 कार्य लिए गए, जिनमें 19 कार्य प्रक्रियाधीन एवं 28 कार्य पूर्ण हैं।

एनीमिया मुक्त बिहार के लिए 30 नवंबर तक चलेगा अभियान

औरंगाबाद (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत 25 अगस्त से 30 नवंबर तक चलने वाले 75 कार्य दिवसों के विशेष अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ आज मुख्यमंत्री द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सदर अस्पताल, औरंगाबाद में किया गया, जहां जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा, उप विकास आयुक्त कुमारी अनुपम सिंह, सिविल सर्जन डॉ. कृष्णा कुमार सहित संबंधित पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे। अभियान के दौरान महिलाओं, किशोर-किशोरियों एवं बच्चों सहित लक्षित लाभार्थियों में अनीमिया की पहचान के लिए हीमोग्लोबिन की जांच की जाएगी। जांच में एनीमिया से प्रभावित पाए जाने वाले लाभार्थियों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार आयरन-फोलिक एसिड की खुराक, आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। गंभीर मामलों में आवश्यकतानुसार रेफरल एवं फॉलो-अप की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। विशेष अभियान के दौरान निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पंचायत स्तर तक अनीमिया की जांच की जाएगी।

आर्म्स एक्ट एवं हत्या का प्रयास सहित अन्य मामलों में 24 भेजे गए जेल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले में अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने को लेकर औरंगाबाद पुलिस ने सघन अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में सोमवार की रात जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई के फलस्वरूप 62 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिनमें से 24 अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, आर्म्स एक्ट में तीन, हत्या के प्रयास में 10, मद्य निषेध अधिनियम के तहत आठ तथा अन्य मामलों में 41 लोगों की गिरफ्तारी की गई। इस दौरान 45.4 लीटर देसी शराब, विदेशी शराब 29.25, तीन देसी कट्टा तीन, पांच कारतूस, एक बाइक बरामद किया गया है। वाहन जांच अभियान के तहत 696 वाहनों की जांच की गई जिसमें 50500 रुपये शमन की राशि वसूल की गई। इसके अलावा साइबर थाना की पुलिस द्वारा 29500 रुपये रिकवर किये गए हैं। पुलिस पदाधिकारी उपेंद्र नाथ वर्मा ने बताया कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के साथ साथ अन्य अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस, ग्रोथ सेंटर, बियाडा, जसोइया, औरंगाबाद (बिहार) से मुद्रित एवं सत्येन्द्र नगर, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।

संपादक - कमल किशोर

नवबिहार टाइम्स (दैनिक)
सत्येन्द्र नगर औरंगाबाद (बिहार)
पिन - 824101
मो.-9431223574,9572550076
व्हाटसप नं.-7295863300
ई-मेलः nbtimesbihar@gmail.com
Web : www.navbihartime.com

झारखंड कार्यालय
31, कॉपरेटिव कॉलोनी.
बोकारो स्टील सिटी, बोकारो
मो.- 9431145865

दिल्ली प्रतिनिधि
मो.- 09818366269